अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 287 लखनऊ, मंगलवार, 06 मई 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

हरियाणा को अतिरिक्त पानी नहीं देगा पंजाब, विधान सभा में प्रस्ताव पारित

चंडीगढ़। हरियाणा के साथ छिड़े जल विवाद को लेकर पंजाब विधानसभा के एक दिन के विशेष सत्र के दौरान पंजाब के सभी राजनीतिक दलों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए फैसला लिया कि हरियाणा को अतिरिक्त पानी नहीं दिया जाएगा और भाखड़ा डैम को लेकर बनाए गए सेफ्टी एक्ट को पंजाब स्वीकार नहीं करेगा। सोमवार को विधानसभा में उस समय माहौल गरमा गया जब आम आदमी पार्टी के विधायक अमृतपाल सिंह सुखानंद ने बीबीएमबी द्वारा हरियाणा को पानी दिए जाने के संबंध में जारी किए गए आदेशों की प्रति फाड़कर सदन में लहराई। दिन भर चली विधानसभा की कार्यवाही के दौरान सभी दलों ने कहा कि भाखड़ा डैम पंजाब की सीमा में बना हुआ है, इसलिए डैम की सुरक्षा को लेकर किसी तरह के भी नियम का पालन करना या नियम बनाना पंजाब सरकार के अधीन होना चाहिए।

मो. शमी को मिली जान से मारने की धमकी

अमरोहा। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज़ गेंदबाज मोहम्मद शमी को ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी के साथ ही एक करोड़ रुपये देने की मांग की गई है। तहरीर के आधार पर साइबर सेल में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। धमकी की शिकायत के बाद अमरोहा पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें अलर्ट हो गई हैं। ईमेल की तकनीकी जांच के लिए साइबर विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। पुलिस ने मेल भेजने वाले की पहचान और लोकेशन ट्रेस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि शमी के भाई हसीब अहमद ने पुलिस को आज एक तहरीर में बताया है कि शमी आईपीएल में व्यस्त है और वह शमी की ईमेल देखते रहते हैं।

जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक खतरा: धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जलवायु परिवर्तन को वैश्विक संकट करार देते हुए कहा है कि स्वस्थ वन स्वस्थ जीवन का आधार हैं। श्री धनखड़ ने सोमवार को सिरसी के वानिकी महाविद्यालय में 'राष्ट्र निर्माण में वानिकी की भूमिका' विषय पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए कहा कि हमें अपने वनों की रक्षा करने और हर संभव तरीके से योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए, क्योंकि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक चुनौती है। उन्होंने कहा कि यह एक वैश्विक खतरा है और स्थिति चिंताजनक रूप से गंभीर है। उन्होंने कहा कि वन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

आतंक के खिलाफ लड़ाई में रूस का भारत को समर्थन

- पुतिन ने मोदी से फोन पर की बात

एजेंसी

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूर्ण समर्थन देने का वादा किया और जघन्य हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की बात कही। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट कर पुतिन और मोदी की बातचीत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन किया और पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। प्रवक्ता ने आगे बताया कि दोनों नेताओं ने विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को अधिक प्रगाढ़ करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई । प्रधानमंत्री मोदी ने विक्ट्री डे की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रपति पुतिन को शुभकामनाएं दीं और उन्हें इस साल के अंत में भारत में होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रूस की ओर से विक्ट्री डे परेड में शामिल होने का न्यौता मिला था। हालांकि आतंकी घटना के चलते उनका रूस जाना टल गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को उनके स्थान पर इस समारोह में शामिल होना था। लेकिन अब उनके स्थान पर भी रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ रूस जायेंगे।

भारत-रूस शिखर सम्मेलन में भाग लेने भारत आएंगे पुतिन

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन-2025 में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। इस द्विपक्षीय वार्ता में दोनों नेता रणनीतिक साझेदारी और सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा करेंगे।

राहुल गांधी को एचसी से राहत

- नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता को लेकर दायर याचिका को सोमवार को निस्तारित कर दिया, साथ ही कहा कि केंद्र सरकार इस विषय में जांच जारी रख सकती है। अदालत ने कहा कि सरकार अपनी जांच पूरी होने पर अपना निर्णय जारी कर सकती है। इस जनहित याचिका में आरोप लगाया गया था कि श्री गांधी के पास ब्रिटेन की भी नागरिकता है और यह सवाल पिछले कई वर्षों से चर्चा में है। इस पर उच्च न्यायालय ने केंद्र से जानकारी मांगी थी। न्यायधीश ए आर मसूदी और न्यायधीश राजीव सिंह की खंडपीठ के समक्ष इस याचिका में कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता एस विगनेश शिशिर ने श्री गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता मामले में केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग भी की थी। इससे पहले अदालत ने केंद्र सरकार को कांग्रेस सांसद की नागरिकता के मामले में कारवाई का ब्योरा पेश करने को समय दिया था। अदालत ने केंद्र से पूछा था कि याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए प्रत्यावेदन पर क्या कारवाई की गई है। सुनवाई के समय केंद्र सरकार की ओर से जानकारी पेश नहीं हो सकी। केंद्र सरकार के अधिवक्ता एस बी पांडेय ने इसके लिए और समय देने का आग्रह किया। इस पर अदालत ने उन्हें जानकारी पेश करने को और समय दिया था। अधिवक्ता पांडेय ने बताया कि सोमवार को अदालत ने विषय की जांच के संबंध में केंद्र को निर्देश देते हुए याचिका को निस्तारित कर दिया।

नए आपराधिक कानूनों से ज़मीनी स्तर पर पुलिस विभाग की कार्यकुशलता और ज़िम्मेदारी बढ़ेगी : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन से ज़मीनी स्तर पर पुलिस विभाग की कार्यकुशलता और ज़िम्मेदारी बढ़ेगी। श्री शाह ने सोमवार को यहां दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ राष्ट्रीय राजधानी में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, दिल्ली के मुख्य सचिव, दिल्ली पुलिस आयुक्त, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिदेशक, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के निदेशक सहित गृह मंत्रालय और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। श्री शाह ने इस अवसर पर कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन से ज़मीनी स्तर पर पुलिस विभाग की कार्यकुशलता और ज़िम्मेदारी बढ़ेगी। गृह मंत्री ने नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की ज़िम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए।

जापान ने पहलगाम हमले पर एकजुटता व्यक्त करते हुए भारत को पूर्ण समर्थन दिया : राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और जापान ने सभी तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हुए इससे निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया है साथ ही जापान ने पहलगाम आतंकवादी हमले पर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए पूरे समर्थन की बात कही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत यात्रा पर आये जापान के रक्षा मंत्री जनरल नकातानी के साथ सोमवार को यहां द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने सभी तरह के आतंकवाद की निंदा की और इस संबंध में वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। रक्षा मंत्री ने भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद की पाकिस्तान की नीति की निंदा की, जिसे सरकार के और सरकार से इतर तत्वों के माध्यम से अंजाम दिया जाता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के हमले क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को अस्थिर करते हैं। श्री सिंह ने आतंकवाद और इसे बढ़ावा देने वाली सरकार प्रायोजित कार्रवाइयों के खिलाफ एकजुट रुख अपनाने का आह्वान किया।

जापानी रक्षा मंत्री ने पहलगाम में हुए दुखद आतंकवादी हमले पर संवेदना व्यक्त की और भारत को पूर्ण समर्थन देने की बात कही की। श्री सिंह ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा , ल्ल नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी सैन से मिलकर बहुत खुशी हुई। भारत और जापान के बीच विशेष, रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी है। द्विपक्षीय बैठक के दौरान हमने रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने सभी रूपों में आतंकवाद की निंदा की और सीमा पार खतरों का मुकाबला करने के लिए सहयोग और संयुक्त प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नाकातानी सैन ने पहलगाम हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की और भारत को पूर्ण समर्थन देने की पेशकश की। दोनों मंत्रियों ने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के रक्षा और सुरक्षा स्तंभों की समीक्षा की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने और क्षेत्रीय शांति में योगदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

- भारत और जापान ने आतंकवाद से निपटने में वैश्विक सहयोग पर बल दिया

मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच रक्षा अभ्यासों और आदान-प्रदानों की बढ़ती विविधता और आवृत्ति का स्वागत किया, और इन जुड़ावों के दायरे और जटिलता को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने भारत और जापान के बीच मजबूत समुद्री सहयोग में नए आयाम जोड़ने पर सहमति व्यक्त की। श्री सिंह ने भारतीय रक्षा उद्योग की क्षमता , विशेष रूप से टैंक इंजन तथा एयरो इंजन सहित नए क्षेत्रों में जापानी पक्ष के साथ सहयोग की की संभावना का उल्लेख किया। उन्होंने रखरखाव मरम्मत और ओवरहाल संचालन के क्षेत्रों में क्षमताओं पर प्रकाश डाला। दोनों पक्षों ने स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोग का पता लगाने सहित उद्योग क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों मंत्रियों ने साइबर और अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने का भी फैसला किया। भारत और जापान के बीच दीर्घकालिक मित्रता है और 2014 में इस सहयोग को विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में बदलने के बाद इसमें कई गुणा बढोतरी हुई है। वार्ता द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को बढ़ाने के लिए दोनों पक्षों की मजबूत प्रतिबद्धता के साथ समाप्त हुई। इससे पहले जापानी रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

वक्फ मामलों की सुनवाई15 मई को

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वक्फ संशोधन अधिनियम की वैधता को चुनौती देने वाली विभिन्न याचिकाओं के कुछ विवादास्पद मुद्दों को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए कहा कि पूरे मामले को नामित मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ 15 मई को सुनवाई करेगी।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अध्यक्षता वाली पीठ ने विवादास्पद मुद्दे को स्वीकार करते हुए कहा कि सरकार द्वारा देश की वक्फ संपत्तियों के रूप में पेश किए गए 3921236.459 एकड़ भूमि के आंकड़े पर सर्वोच्च न्यायालय विचार करेगा, जिस पर दूसरे पक्षों द्वारा आपत्ति की जा रही है। हालांकि, 13 मई को सेवानिवृत्त होने वाले न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि वह अंतरिम चरण में भी इस मामले में फैसला सुरक्षित नहीं रखना चाहेंगे, इसलिए मामले की सुनवाई 15 मई को होगी। नामित मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली पीठ मामले की सुनवाई करेगी। पीठ ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाले मामलों पर सुनवाई शुरू करते हुए कहा, ह्लहमने जवाबी और जवाबी दलीलों पर गौर किया है। हां, पंजीकरण और कुछ आंकड़ों पर कुछ मुद्दों पर सवाल उठाए गये हैं, और याचिकाकर्ताओं ने आपत्तियां दर्ज की हैं। इन पर विचार किए जाने की जरूरत है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, इस मामले की सुनवाई किसी भी उचित दिन होनी चाहिए। यह मेरे समक्ष नहीं होगा। हम इसे न्यायमूर्ति गवई की पीठ के समक्ष रखेंगे। शीर्ष अदालत के समक्ष केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, हम पीठ से बात करने की कोशिश करेंगे, क्योंकि हर दलील का जवाब होता है, लेकिन वह मुख्य न्यायाधीश को उलझन में नहीं डालेंगे, क्योंकि समय नहीं है। वक्फ संशोधन अधिनियम का बचाव करते हुए सरकार ने कहा था कि निजी संपत्तियों और सरकारी संपत्तियों पर अतिक्रमण करने के लिए वक्फ प्रावधानों का दुरुपयोग किए जाने की खबरें आई हैं।

भाजपा एससी-एसटी के उत्थान के लिये कृत संकल्पित: धर्मपाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने सोमवार को दावा किया कि भाजपा ने हमेशा अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के आर्थिक, सामाजिक उत्थान तथा राजनैतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए काम किया। श्री सिंह ने वाराणसी में क्षेत्रीय कार्यालय पर विभिन्न बैठको के माध्यम से पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए आगामी चुनाव की रणनीति पर चर्चा की और काशी क्षेत्र के 16 जिलो के 337 मंडल अध्यक्षों की बैठक में प्रभावी मंडल कार्यसमितियों के गठन का मंत्र दिया। उन्होने कहा कि भाजपा ने हमेशा अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के आर्थिक, सामाजिक उत्थान तथा राजनैतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए काम किया। यही कारण है कि देश के सर्वोच्च पदों पर अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया। भाजपा ने अनुसूचित वर्ग के आरक्षण सहित बाबा साहेब डा. भीमराव आम्बेडकर द्वारा प्रदत्त सभी संवैधानिक अधिकारों को सदैव मजबूती देने का काम किया। भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बाबा साहेब डा. भीमराव आम्बेडकर द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण कर रहे है। श्री मोदी ने सफाई कर्मियों के पैर धुलाकर उनका अभिनंदन किया और विश्व को यह संदेश दिया कि भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों में कोई भी व्यक्ति और कोई भी कार्य छोटा नहीं है।

सरकार निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू कर 50 फीसदी की सीमा हटाए: कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार को निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू कर देश में आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। कांग्रेस ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल जयहिंद, अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेश लिलोथिया तथा आदिवासी विभाग के अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार को निजी शिक्षण संस्थानों में कमजोर वर्गों के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल कर उन्हें आरक्षण देना चाहिए और आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करनी चाहिए। डॉ जयहिंद ने कहा, ह्लहमारे देश में जब मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री और अर्जुन सिंह जी शिक्षा मंत्री थे तब संविधान में 93वां संशोधन हुआ जिसमे एक अनुच्छेद 15(5) बना जिसके तहत दलितों, आदिवासियों तथा सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए शिक्षण संस्थानों में आरक्षण का प्रावधान हुआ। उस समय सरकारी संस्थानों में ये आरक्षण लागू हो गया लेकिन निजी संस्थानों के लोग इसे कोर्ट में ले गए, जहां ये मामला चलता रहा है। इस अनुच्छेद में कहा गया कि राज्य को समाज के किसी भी सामाजिक और शैक्षणिक रूप से वंचित वर्ग के साथ अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की प्रगति के लिए समायोजन से संबंधित कुछ विशिष्ट प्रावधानों को स्थापित करने का अधिकार है। उन्होंने कहा, ह्लजनवरी 2014 में ये तय किया गया कि सरकार निजी शैक्षणिक संस्थानों में दलितों, आदिवासियों और सामाजिक व शैक्षणिक रुप से पिछड़े वर्गों को आरक्षण दे सकती है।

संस्कृत संवर्धन में उत्तर प्रदेश बना अग्रणी राज्य

लखनऊ। संस्कृत संवर्धन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश पूरे देश में अग्रणी राज्य बन कर उभरा है। देव भाषा के प्रचार-प्रसार और पुनरुत्थान के क्षेत्र में सरकार की नीतिगत प्रतिबद्धता और सक्रिय पहल के फलस्वरूप आज उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान को राष्ट्रीय मंच पर विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय के खेल परिसर में संस्कृतभारती, दिल्ली एवं केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 1008 सामूहिक संस्कृत संभाषण शिविरों के समापन समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया। प्रदेश सरकार ने संस्कृत के प्रचार, संरक्षण एवं व्यवहारिक विस्तार को लेकर बीते वर्षों में संस्कृत शिक्षकों की नियुक्ति, संवादात्मक प्रशिक्षण शिविर, पाठ्यक्रमों का आधुनिकीकरण तथा संस्कृत के लिए विशेष बजट प्रावधान जैसी योजनाये क्रियान्वित कीं हैं।

कुपोषण पर प्रहार: उत्तर प्रदेश में सवा दो करोड़ लोगों का जीवन बचाया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कुपोषण के विरुद्ध निर्णायक अभियान चलाते हुए सवा दो करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को नई दिशा दी है। स्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए प्रदेश के सभी 75 जिलों में समेकित बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) की 897 परियोजनाओं को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा गया है। जिसके तहत छह साल तक की आयु के एक करोड़ 82 लाख कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर बनाया गया। प्रदेश में कुपोषण की समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अब तक दो करोड़ से अधिक बच्चों, महिलाओं और किशोरियों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं के शत-प्रतिशत अनुपालन के स्पष्ट निर्देश दिए हैं, जिससे आमजन का स्वास्थ्य और पोषण स्तर बेहतर हो सके।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य एवं पोषण योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समय से पहुंचे। आंगनवाड़ी केंद्रों की निगरानी, पोषण ट्रैकिंग, बच्चों की समय-समय पर जांच और आवश्यक पोषक आहार की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। राज्य में छह वर्ष तक की उम्र के लगभग 1.82 करोड़ बच्चों की स्थिति में सकारात्मक सुधार दर्ज किया गया है। इनमें से 1.33 लाख अति-कुपोषित बच्चों की विशेष देखभाल की गई है। चिकित्सकों, पोषण विशेषज्ञों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सामूहिक भूमिका से बच्चों के स्वास्थ्य की काया-पलट हो रही है।

- प्रदेश के सभी 75 जिलों में चलाया जा रहा अभियान

इसके साथ ही सरकार गर्भवती और धात्री महिलाओं को विशेष पोषण सहायता के साथ ही चिकित्सा सुविधा प्रदान कर रही है। 13.5 लाख गर्भवती और 10.70 लाख धात्री महिलाओं को आईसीडीएस योजना के तहत नियमित पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह प्रयास शिशु मृत्यु दर में गिरावट लाने में भी सहायक सिद्ध हो रहे हैं।उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में व्यापक स्तर पर कुपोषण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया है। ग्राम पंचायतों, स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य उपकेंद्रों में प्रचार-प्रसार कर लोगों को कुपोषण के दुष्प्रभाव और पोषण के महत्व की जानकारी दी जा रही है। साथ ही उन्हें जागरूक भी किया जा रहा है।

नागालैंड के शैक्षणिक अनुभव से संवरेगी यूपी की शिक्षा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- एससीईआरटी प्रतिनिधिमंडल ने किया नागालैंड का पांच दिवसीय शैक्षणिक दौरा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की शिक्षा प्रणाली में बदलाव की कोशिशें नए मुकाम की ओर बढ़ रही हैं। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) लखनऊ के प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में नागालैंड का पांच दिवसीय शैक्षणिक दौरा किया। जहां उन्होंने वहां के प्रभावी शैक्षणिक मॉडल, सामुदायिक भागीदारी और नवाचारों को नजदीक से देखा और अनुभव किया। यह दौरा प्रदेश के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट्स) को भविष्य में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के रूप में स्थापित करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण प्रेरणा साबित हो सकता है। दौरे का नेतृत्व कर रहे एससीईआरटी लखनऊ के संयुक्त निदेशक डॉ. पवन सचान के साथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस डायट्स के प्राचार्य, एससीईआरटी के अधिकारी और ख्व्व्द्द्र्व्य४एद्व्य्व्य्द्द्द्र्द के प्रतिनिधियों ने न केवल शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण किया, बल्कि गांवों और स्कूलों में जाकर ग्रासरूट स्तर की वास्तविकताएं समझीं। शिक्षा सुधार की प्रक्रिया को मिली नई ऊर्जायह दौरा उत्तर प्रदेश में जारी शिक्षा सुधार प्रक्रियाओं के लिए एक नया दृष्टिकोण और प्रेरणा लेकर आया है। एससीईआरटी लखनऊ इन अनुभवों का विश्लेषण कर अब विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल, रिसर्च यूनिट सुदृढ़ीकरण, सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने वाली पहल और डिजिटल मॉनिटरिंग डैशबोर्ड की योजना बना रहा है। यह सब कुछ जल्द लागू नहीं होगा, बल्कि एक सुनियोजित कार्ययोजना के तहत धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा। प्रतिनिधिमंडल को नागालैंड की सामुदायिक भागीदारी, अर्ली

चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ईसीसीई) मॉडल, रिसर्च और मूल्यांकन व्यवस्था से जुड़े कई अहम दस्तावेज और अनुभव मिले। खोनोमा हेरिटेज विलेज (भारत का सबसे हरा गांव), जखमा और चीचेमा जैसे स्कूलों में जाकर उन्होंने देखा कि वहां शिक्षा केवल संस्थागत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समुदाय का साझा प्रयास है। नागालैंड दौरे का नेतृत्व करने वाले एससीईआरटी लखनऊ के संयुक्त निदेशक डॉ. पवन सचान ने कहा किख्व्व्हमें डायट्स में ईमानदारी, पारदर्शिता और समुदाय सहभागिता को मजबूत करना होगा। नागालैंड से मिले अनुभव हमें यह दिखाते हैं कि कैसे छोटे-छोटे नवाचार बड़े बदलाव की नींव रख सकते हैं। हम इन अनुभवों को ध्यान में रखते हुए यूपी में जारी सुधार प्रयासों को और अधिक मजबूत बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की शिक्षा को मिली दिशानागालैंड दौरे से यूपी को कई स्तरों पर लाभ होने की उम्मीद है। पहला, रिसर्च-बेस्ड इनोवेशन की दिशा में, जहां देश के डायट्स स्थानीय संदर्भों के अनुसार नवाचार विकसित कर सकेंगे। दूसरा, नेतृत्व और शिक्षक प्रशिक्षण में, जिसके लिए विशेष ट्रेनिंग मॉड्यूल बनाए जाएंगे। तीसरा, सामुदायिक सशक्तिकरण के संदर्भ में, जिससे गांव-स्कूल सहयोग को नीति का हिस्सा बनाया जाएगा और चौथा, फाउंडेशनल लिटरेसी एंड नुमेरसी (एफएलएन) लक्ष्य की दिशा में, जहां शुरुआती कक्षाओं में पढ़ने-लिखने और गणना की क्षमताओं को मजबूत किया जाएगा।

सीएम योगी से नेपाल पश्चिम प्रांत के मुख्यमंत्री ने की मुलाकात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को उनके सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग पर नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह ने शिष्टाचार भेंट की। उनके साथ अन्य लोग भी शामिल थे। मुख्यमंत्री योगी ने सबका कुशल क्षेम जाना और उपहार स्वरूप ओडीओपी उत्पाद सौंपे।

एलडीए ने फ्लैट, रो–हाऊस खरीदारों के लिए जारी की एडवाइजरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने सोमवार को फ्लैट, रो-हाउस खरीदारों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एलडीए ने मानचित्र को लेकर विशेष रूप से अपना संदेश दिया है। जिसमें प्राइवेट बिल्डरों के जाल से बचने के लिए आग्रह किया गया है। एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि स्वीकृत मानचित्र की पुष्टि कीजिए और कानूनी विवाद व ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से बचें। स्वीकृत मानचित्र की जांच कीजिए। सबसे लिए एलडीए से पता कीजिए और बिल्डर से स्वीकृत मानचित्र की प्राप्ति लीजिए। एडवाइजरी में कहा है कि बगैर मानचित्र स्वीकृति वाले फ्लैटों, रो–हाऊसों को खरीदने की जोखिम ना लीजिए, कानूनी कार्रवाई व पंजीकरण, लोन, बुनियादी सुविधाओं में परेशानी से ब?चें। दस्तावेजों की जांच जरूरी है, जिसमें एलडीए से अनुमोदित, प्रमाण की जांच करें। रेरा पंजीकृत है या नहीं, इसकी जांच कीजिए। उल्लेखनीय है कि लखनऊ शहर की सीमा क्षेत्र में तेजी से बसायी जा रही कालोनियों में मानचित्र स्वीकृत नहीं होने के कारण ही एलडीए प्रतिदिन ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कर रहा है। मार्च और अप्रैल माह में 70 से ज्यादा जगहों पर मानचित्र स्वीकृत नहीं होने पर ही सीलिंग, ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने दिया जवाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के वाराणसी में पत्रकार वार्ता के दौरान राफ़ेल खिलौना दिखाने के मामले में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को एक्स पर ट्वीट किया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने अजय राय का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस अब देश विरोधी, पाकिस्तानपरस्त और आतंकवाद की हमदर्द पार्टी बनकर रह गई है। उपमुख्यमंत्री केशव ने आगे कहा कि देश की सेना, सुरक्षा और सम्मान पर हो रहे हमलों पर कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी खतरनाक है। जनता सब देख रही है, इन्हें जवाब भी देगी और इलाज भी करेगी। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के ट्वीट पर कांग्रेस के प्रवक्ताओं ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के बचाव में अपनी टिप्पणियां करनी आरम्भ कर दी है।

राशनकार्ड वितरण में प्रयागराज ने मारी बाजी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- एक-एक गरीब पात्र को चिन्हित कर राशनकार्ड जारी कर रही योगी सरकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के गरीबों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत योगी सरकार एक-एक पात्र गरीब को चिन्हित कर राशन कार्ड जारी कर रही है। प्रदेश में अंत्योदय राशन कार्ड लाभार्थियों की संख्या 1.29 करोड़ से अधिक है। अब तक प्रदेश में 3.16 करोड़ से अधिक परिवारों के सामान्य राशन कार्ड और 40.73 लाख से अधिक परिवारों के अंत्योदय राशन कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिससे करीब 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन का लाभ मिल रहा है। सरकार का लक्ष्य हर जरूरतमंद तक राशन पहुंचाना है और इसके लिए अभियान चलाकर पात्रता की पहचान की जा रही है। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि खाद्य एवं रसद विभाग से प्राप्त आंकड़े के अनुसार, राशन कार्ड वितरण में प्रयागराज जिला सबसे आगे है। इस जिले में 9,34,677 सामान्य राशन कार्ड और 40,29,226 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। इसके बाद दूसरे स्थान पर सीतापुर जिला है, जहां 7,74,576 राशन कार्ड और 31,60,253 लाभार्थी हैं। आगरा ने तीसरा स्थान हासिल किया है, यहां 7,38,939 राशन कार्ड बनाए, जिनसे 30,80,875 लाभार्थी जुड़े हैं। चौथे स्थान पर लखनऊ है जहां 7,01,070 राशन कार्ड के जरिए 29,08,145 लाभार्थी जुड़े हैं, जबकि जौनपुर पांचवें स्थान पर है, जहां 6,91,216 राशन कार्ड और 30,56,416 लाभार्थी हैं। छठे स्थान पर गोरखपुर है जहां 6,72,749 राशन कार्ड बनाए गए, जिनसे 26,79,692 लोग लाभान्वित हो रहे हैं। सातवें स्थान पर आजमगढ़ है जहां 6,70,679 राशन कार्ड और 30,86,602 लाभार्थी हैं। राशनकार्ड वितरण में बरेली आठवां स्थान हासिल किया है। यहां 6,70,677 राशन कार्ड के जरिए 29,19,581 लाभार्थियों के मुफ्त राशन का लाभ मिल रहा है। वहीं नौवें स्थान पर सिद्धार्थनगर है। यहां 5,89,160 राशन कार्ड और 16,97,709 लाभार्थी हैं, जबकि 10वें स्थान पर लखीमपुर खीरी है जहां 5,86,592 राशन कार्ड और 23,95,374 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। ये आंकड़े योगी सरकार की इस योजना की सफलता को दर्शाते हैं। अंत्योदय राशन कार्ड वितरण में भी कई जिले शीर्ष पर हैं। आंकड़े के अनुसार, गोरखपुर ने अत्यंत गरीबों को चिन्हित कर उनको राशन कार्ड जारी करने में बाजी मारी है। यहां 1,26,392 अंत्योदय राशन कार्ड बनाए, जिनसे 4,56,750 लाभार्थी जुड़े हैं। दूसरे स्थान पर सीतापुर है जहां 1,11,714 अंत्योदय राशन कार्ड और 3,09,470 लाभार्थी हैं। लखीमपुर खीरी ने तीसरा स्थान हासिल किया है जहां 1,09,395 अंत्योदय राशन कार्ड और 2,95,862 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। चौथे स्थान पर आजमगढ़ है यहां 1,05,782 अंत्योदय राशन कार्ड के जरिए 41,4,541 लाभार्थियों को राशन का लाभ मिल रहा है। पांचवें स्थान पर बरेली में 97,996 अंत्योदय राशन कार्ड और 2,97,077 लाभार्थी हैं। छठवें स्थान पर प्रयागराज है जहां 86,613 अंत्योदय राशन कार्ड और 2,61,220 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। सातवें स्थान पर सिद्धार्थनगर है जहां 82,334 अंत्योदय राशन कार्ड से 2,46,418 लाभार्थियों को राशन मिल रहा है। अभी तक के प्राप्त आंकड़े में जौनपुर ने आठवां स्थान हासिल किया है, जिसमें 1,25,472 अंत्योदय राशन कार्ड और 4,14,788 लाभार्थी हैं। नौवें स्थान पर लखनऊ है जहां 48,903 अंत्योदय राशन कार्ड और 1,48,216 लाभार्थी दर्ज हैं वहीं अबतक के आंकड़े के अनुसार, 10वें स्थान पर फिरोजाबाद है 32,231 अंत्योदय राशन कार्ड और 99,599 गरीब लाभार्थी राशन का लाभ रहे हैं। इन जिलों ने अंत्योदय योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया है। अभी राशनकार्ड बनाने की प्रक्रिया जारी है। योगी सरकार ने पात्र गरीबों की पहचान के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। आधार-लिंक्ड सत्यापन और ऑनलाइन आवेदन प्रणाली के जरिए यह प्रक्रिया पारदर्शी बनाई गई है। जिला प्रशासन को नियमित निगरानी और समीक्षा के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कोई भी पात्र परिवार राशन से वंचित न रहे। राशन दुकानों को डिजिटल करने और पीओएस मशीनों के उपयोग से वितरण प्रणाली को और मजबूत किया गया है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर महीने पात्र परिवारों को गेहूं, चावल, दाल और अन्य आवश्यक वस्तुएं मुफ्त में मिलें। प्रवक्ता ने बताया कि योगी सरकार की इस पहल से प्रदेश के करीब 15 करोड़ लोग लाभान्वित हो रहे हैं। अंत्योदय राशन कार्ड धारकों की संख्या 1.29 करोड़ से अधिक है, जो सबसे गरीब परिवारों को लक्षित करती है। सरकार का मकसद है कि कोई भी जरूरतमंद भूखा न रहे। इस योजना के तहत ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में राशन वितरण को प्रभावी बनाया गया है। योगी सरकार की यह कोशिश गरीबों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही है।

रात 10 बजे के बाद भी सज रहे मयखाने शटर डाउन कर बेची जा रही शराब

लखनऊ। शहर के कई क्षेत्रों में रात 10 बजे के बाद भी शराब बिक रही है। कोई शटर के नीचे से तो कोई बगल की दुकान से सप्लाई कर रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि इन पर पुलिस और आबकारी की नजर भी नहीं जाती है। यह दुकानदार नियमों का खुला उल्लंघन कर रहे हैं लेकिन पुलिस और आबकारी विभाग मूक दर्शक बनी बैठी है। इन मयखानों का पता सिर्फ उन पियक्कड़ों को है जो यहां के स्थाई ग्राहक हैं या फिर जिनकी सरपरस्ती में रात बजे के बाद यह शराब की दुकानें रोशन हो रही हैं। इनके पास न तो लाइसेंस है न ही इनकी कोई दुकान है। शराब की दुकानें परचून, पान या किसी अन्य सामान का ठेला लगाते हैं और अपने आस-पास की दुकानों से दिन में शराब की पौवे और अध्धे की बोतल खरीद कर रख लेते हैं। उसके बाद रात में शराब के शौकीनों को यह बोतल 30 से 50 रुपए अधिक लेकर बेचते है। खास बात यह है शराब की इस अवैध कारोबार में महिलाएं भी खामिल है, जिन पर किसी की नजर नहीं जाती है। सूत्रों ने बताया कि नाका चौराहे के पास एक महिला शराब बेचती है। जो गुटखे के डिब्बों के नीचे शराब की बोतले लगा कर ग्राहकों को मंहगें दामों में शराब देती है। इसी तरह नाका क्षेत्र में भांग ठेका के सामने भी रात 10 बजे के बाद शराब बेची जाती है। आबकारी विभाग द्वारा लगातार छापा मारने की कार्रवाई की जा रही है। इसके बावजूद अवैध तरीके से शराब बेचने का सिलसिला जारी है। आबकारी टीम द्वारा लगातार अभियान चलाकर छापेमारी की जा रही है। प्रत्येक क्षेत्र के आबकारी निरीक्षक को आदेशित किया गया है कि कहीं भी अवैध शराब की बिक्री न होने दी जाए।

बीसी सखी (बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट) से ग्रामीणों की बैंकिंग सेवाएं हो गई आसान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में महिलाएं न सिर्फ आत्मनिर्भर बन रही है, बल्कि प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान भी दे रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने महिलाओं को रोजगार देने के लिए सबसे बड़ी पहल की है। गांव-गांव तक बैंकिंग सेवाओं को पहुंचाने के लिये प्रदेश की 50192 बीसी सखी (बैंकिंग कॉरस्पोंडेंट) बनाने हेतु प्रमाणीकरण पूर्ण कर लिया गया है। सभी चयनित बीसी सखी का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है सरकार की इस नीति से बैंकिंग सेवाएं लोगों के घरों तक पहुंच रही है। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को अपने बैंक खातों से धनराशि निकालने और उसमें पैसा जमा करने में बड़ी आसानी हुई है उनका बैंक शाखाओं तक जाने का समय व खर्चा बच रहा है और घर के करीब ही बैंक के रूप में बीसी सखी मिल रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए मिशन रोजगार, मिशन शक्ति और मिशन कल्याण जैसी अनेक योजनाओं को शुरू किया है। इसके क्रियान्वयन हेतु तैयार किये गये कार्यक्रम के अनुसार सरकार के संबद्ध विभाग तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इस क्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा और यूको बैंक के सहयोग से यूपी इंडस्ट्रियल कंसल्टेंट्स लि0 (यूपीकॉन) ने 58,000 बीसी सखी (बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट) बना लिये हैं जो शेष बीसी सखी बनाने के लक्ष्य को पूरा करने में लगे हैं। गांव से लेकर शहरों में बीसी सखी 24 घंटे बैंकिंग सेवाएं दे रही हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य की सभी महिलाओं को लाभ पहुंचाने के लिए बीसी सखी योजना की शुरूआत की है। इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश राज्य की सभी महिलाओं को रोजगार के नए अवसर मिले हैं। उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से प्रदेश में समूहों के माध्यम से सखी बनाने का कार्यक्रम बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ मिलकर किया जा रहा है। यूपी इंडस्ट्रियल कंसल्टेंट्स लि0 (यूपीकॉन) भी सहयोगी की भूमिका निभा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति, वित्त एवं विकास निगम लि0 के माध्यम से 500 अनुसूचित जाति के युवक युवतियों को रोजगार के अवसर देते हुए बीसी बनाए थे। बीसी सखी बनने के लिए महिलाओं को प्राथमिकता दी गई है। बीसी सखी बनने के लिए योग्यता में कम से कम 10वीं कक्षा पास होना अनिवार्य किया गया है। अभ्यर्थी को कंप्यूटर चलाना भी आना चाहिए, उस पर कोई वाद या पुलिस केस नहीं होना चाहिए। ऐसे अभ्यर्थी के चयन से पहले एक छोटी सी परीक्षा भी ली जाती है। इसमें उत्तीर्ण होने वाली अभ्यर्थी बीसी सखी बन सकती है। बीसी सखी योजना से जुड़ने वाली महिलाओं को सम्मानजनक काम मिलने के साथ लोगों की सेवा करने का भी बड़ा अवसर मिल रहा है। लोगों को तत्काल बैंकिंग सेवा मिलने से उन्हें खुद को भी खुशी होती है। बीसी सखी बनने के बाद ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के भविष्य सुरक्षित करने के लिए प्रत्येक माह एक निश्चित आमदनी का माध्यम बना है। उन्हें एक स्थायी रोजगार मिला है। बीसी सखी योजना के तहत बैंकिंग सेवाओं को घर-घर देना रोजी-रोटी का एक बेहतर साधन बना है।

सरकारी भवनों पर गोबर वाले पेंट के फैसले पर अखिलेश ने कसा तंज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार ने सरकारी भवनों पर गोबर से बने पेंट के इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर जोर दिया है, जिस पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। सपा अध्यक्ष ने सीएम योगी पर निशाना साधते हुए उनके इस बयान को गोबरनामा करार दिया और कहा कि ये बीजेपी सरकार का नया कारनामा है। सीएम योगी ने जब सरकारी भवनों पर गोबर से बने पेंट को बढ़ावा देने की बात की तो अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी और उनकी सलाह को गोबरनामा कह डाला।सपा अध्यक्ष ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर सीएम योगी के निर्देशों पर तंज कसते हुए लिखा-गोबरनामा। भाजपा सरकार का नया कारनामा। रविवार को सीएम योगी ने लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर बैठक में पशुपालन विभाग और दुग्ध विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश संरक्षण केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए और गोबर से निर्मित प्राकृतिक पेंट का प्रयोग सरकारी भवनों में भी करने तथा पेंट प्लांट्स की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया।मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुपालन और दुग्ध विकास ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है। यह क्षेत्र दुग्ध उत्पादन तक सीमित नहीं बल्कि इसमें आजीविका, पोषण सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने गो आश्रय स्थलों में केयर टेकरों की तैनाती से लेकर उनके मानदेय का समय से भुगतान, भूसा बैंक बनाने, पानी, हरे चारे और चोकर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने पर भी जोर दिया।

सभासद के एक पद पर निर्दल दूसरे पर सपा का कब्जा

- दोनों सीटों पर हार गई बीजेपी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नगर पंचायत बीकापुर और खिरौनी सुचितागंज में सभासद पद के उपचुनाव में निर्दल और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है। दोनों सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। आज सोमवार को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित किए गए। नगर पंचायत बीकापुर में सभासद पद के लिए नगर निकाय उपचुनाव में वार्ड संख्या तीन में निर्दल उम्मीदवार अंकिता कनौजिया ने भाजपा उम्मीदवार को रिकॉर्ड मतों से हराकर जीत दर्ज करके सभी को चौंका दिया। सोमवार सुबह तहसील सभागार में शुरू हुई मतगणना के बाद निर्दल उम्मीदवार अंकिता को 399 मत प्राप्त हुए। जबकि भाजपा उम्मीदवार गायत्री देवी को 290 मतों पर ही संतोष करना पड़ा।अंकिता कनौजिया 109 मतों से विजई घोषित की गईं। निर्वाचन अधिकारी खंड विकास अधिकारी हरिश्चंद्र सिंह ने अंकिता को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। अनुसूचित महिला जाति के लिए आरक्षित वार्ड संख्या तीन तेंदुआमाफी की सभासद रहीं राधा कनौजिया का कुछ माह पहले बीमारी के चलते निधन हो गया था। उनके निधन के बाद उपचुनाव कराया गया। उप चुनाव में विजेता उम्मीदवार अंकिता दिवंगत सभासद राधा कनौजिया की बहू हैं। सोहावल की नगर पंचायत खिरौनी सुचितागंज में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में वार्ड संख्या एक विसुहिया में सभासद पद पर हुए चुनाव की मतगणना में पहले राउंड में ही भाजपा प्रत्याशी बिंदु रावत से सपा प्रत्याशी पार्वती देवी ने बढ़त बना ली। पार्वती देवी पहले राउंड में 228 मत पाकर भाजपा की प्रत्याशी से 107 मतों से बढ़त बना चुकी थीं।पहले राउंड की मतगणना में सपा 228, भाजपा 101 और निर्दल लक्ष्मी को सात मत प्राप्त हुआ। दूसरे राउंड की गिनती में सपा 177, भाजपा 248 और निर्दल प्रत्याशी को तीन मत मिले। इस तरह सपा की पार्वती देवी भाजपा की बिंदु रावत से 36 मतों से विजयी हुईं। दोनों राउंड की मतगणना समाप्ति के बाद अंतिम परिणाम घोषित किया गया। इसमें भाजपा की बिंदु रावत को 369 व सपा प्रत्याशी पार्वती देवी को 405 मत मिले। एक वोट नोटा पर भी गया है। नगर पंचायत खिरौनी के उप चुनाव में भी यह सीट सपा के खाते में चली गई। यह सीट पहले भी सपा के खाते में थी। सपा सभासद तारा देवी के निधन के बाद यह सीट रिक्त हुई थी।

यूपी में मक्के का उत्पादन 2027 तक दोगुना करने का लक्ष्य

- इथेनॉल, पशु–कुक्कुट आहार एवं औषधीय रूप में उपयोगी है मक्का

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दूसरे कार्यकाल में मक्के का उत्पादन 2027 तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप चंद रोज पहले कृषि विभाग की ओर से लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय खरीफ गोष्ठी में प्रदेश के कृषि मंत्री ने किसानों से जिन फसलों का उत्पादन बढ़ाने की अपील की उसमें मक्का भी था। बाकी दो फसलें हैं अरहर (दलहनी) और सरसों (तिलहन)। सरकार के प्रोत्साहन के नतीजे भी शानदार रहे। मसलन योगी के शासन के आठ वर्षों में दलहन और तिलहन का उत्पादन दोगुना हो चुका है। बहुउपयोगी मक्के की खेती भी किसानों को खूब रास आ रही है। फिलहाल 2021-2022 में मक्के का उत्पादन 14.67 लाख मीट्रिक टन था। तय अवधि में इसे बढ़ाकर 27.30 लाख मीट्रिक टन करने का लक्ष्य है। इसके लिए रकबा बढ़ाने के के साथ प्रति हेक्टेयर प्रति कुंतल उत्पादन बढ़ाने पर भी बराबर का जोर है। बात चाहे पोषक तत्वों की हो या उपयोगिता की। बेहतर उपज की करें या सहफसली खेती या औद्योगिक प्रयोग की। हर मौसम और हर तरह की भूमि में पैदा होने वाले मक्के का जवाब नहीं। बस जिस खेत में मक्का बोना है उसमें जल निकासी का बेहतर प्रबंधन जरूरी है। मालूम हो कि मक्के का प्रयोग इथेनॉल उत्पादन करने वाली औद्योगिक इकाइयों, पशुओं एवं पोल्ट्री लिए पोषाहार, दवा, पेपर और एल्कोहल इंडस्ट्री में होता है। इसके अलावा भुट्टा, आटा, बेबीकार्न और पापकार्न के रूप में ये खाया जाता है। किसी न किसी रूप में ये हर सूप का अनिवार्य हिस्सा होता है। ये सभी क्षेत्र संभावनाओं वाले हैं। बहुपयोगी होने की वजह से समय के साथ मक्के की मांग भी बढ़ेगी। इस बढ़ी मांग का अधिकतम लाभ प्रदेश के किसानों को हो इसके लिए सरकार मक्के की खेती के प्रति किसानों को लगातार जागरूक कर रही है। उनको खेती के उन्नत तरीकों की जानकारी दे रही है। किसानों को अपनी उपज का वाजिब दाम मिले इसके लिए सरकार पहले ही इसे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के दायरे में ला चुकी है। मक्के में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व भी पाए जाते हैं इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन और मिनरल मिलते हैं। इन्हीं खूबियों के नाते इसे अनाजों की रानी कहा गया है। विशेषज्ञों की मानें तो उन्नत खेती के जरिये मक्के की प्रति हेक्टेयर उपज 100 क्विंटल तक भी संभव है। प्रति हेक्टेयर सर्वाधिक उत्पादन लेने वाले तमिलनाडु की औसत उपज 59.39 कुंतल है। देश के उपज का औसत 26 कुंतल एवं उत्तर प्रदेश के उपज का औसत 2021-22 में 21.63 कुंतल प्रति हेक्टेयर था। ऐसे में यहां मक्के की उपज बढ़ने की भरपूर संभावना है। कृषि विज्ञान केंद्र बेलीपार (गोरखपुर) प्रभारी डॉ. एसके तोमर के अनुसार खरीफ के फसल की बोआई के लिए 15 जून से 15 जुलाई तक का समय उपयुक्त होता है। अगर सिंचाई की सुविधा हो तो मई के दूसरे या तीसरे हफ्ते में भी इसकी बोआई की जा सकती है। इससे मानसून आने तक पौधे ऊपर आ जाएंगे और भारी बारिश से होने वाली क्षति नहीं होगी। प्रति एकड़ करीब 8 किलोग्राम बीज की जरूरत होती है। अच्छी उपज के लिए बोआई लाइन में करें। लाइन से लाइन की दूरी 60 सेमी एवं पौधे से पौधे की दूरी 20 सेमी रखें। उपलब्ध हो तो बेड प्लांटर का प्रयोग करें।

मृदा परीक्षण द्वारा हम खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों की स्थिति जान सकते हैं: जिलाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025.26 हेतु नेशनल प्रोजेक्ट ऑन सॉयल हेल्थ एण्ड फर्टीलिटी कार्यक्रम अन्तर्गत आज मृदा नमूना एकत्रीकरण अभियान चलाया गया। जिसके क्रम में विकासखण्ड बावन के ग्राम भिठारी में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह द्वारा कृषक अखिलेश कुमार के खेत से मृदा नमूना एकत्र किया गया एवं प्रबन्ध निदेशकए बीज विकास निगमए लखनऊ डा0 पंकज त्रिपाठी द्वारा कृषक वीरेश कुमार के खेत से मृदा नमूना एकत्र किया गया। मौके पर उपस्थित कृषकों को सम्बोधित करते हुये जिलाधिकारी ने मृदा स्वास्थ्य के बारे में अवगत कराया कि जिस प्रकार हम अपने शरीर की जांच कराकर विटामिन्स व मिनरल्स की

कमी की जानकारी प्राप्त करते हैंए उसी प्रकार मृदा परीक्षण द्वारा हम खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों की स्थिति जान सकते हैं तथा उसी आधार पर संतुलित उर्वरक प्रयोग कर कृषक अपनी फसल की उपज व गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं। प्रबन्ध निदेशकए बीज विकास निगमए लखनऊ डा0 पंकज त्रिपाठी द्वारा कृषको को बताया कि पौधों के लिये 16 तत्वों की आवश्यकता होती है मिट्टी की जांच के आधार पर यह पता लगा सकते हैं कि खेत में किस तत्व की कमी है और इससे किसान संतुलित मात्रा में खाद और उर्वरकों का उपयोग कर सकते हैं। यह फसल उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने में मदद करेगा। उप कृषि निदेशक सतीश कुमार पाण्डेय ने बताया कि नेशनल प्रोजेक्ट ऑन सॉयल हेल्थ एण्ड फर्टीलिटी कार्यक्रम वर्ष 2025.26 के लिए मृदा नमूना एकत्रीकरण विशेष अभियान के तहत चतुर्थ चरण में आज जनपद हरदोई के समस्त 19 विकास खण्डों से चयनित 14.14 ग्राम पंचायतों कुल 266 ग्राम पंचायतों से नमूना संकलन का कार्य किया गया। ग्राम पंचायतों में कृषकों के खेत पर जाकर कृषि विभाग के अधिकारीध्कर्मचारियों द्वारा नमूना ग्रहण किया जायेगा। मृदा स्वास्थ्य को बनाये रखने हेतु किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड निःशुल्क उपलब्ध कराया जायेगा। कार्ड के अनुसार अपनी आगामी फसल उत्पादन में संतुलित कृषि निवेशों का प्रयोग करेगें। उक्त मौके पर जिला कृषि अधिकारी डा0 सतीश चन्द्र पाठकए जिला कृषि रक्षा अधिकारी विनीत कुमारए वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप.ए श्री प्रभात बाबू वर्माए प्रभारी राजकीय कृषि बीज भण्डार अनुराग कुमार सिंहए सलाहाकार एन0एफ0एस0एम0 प्रेमचन्द्र कुशवाहा एवं अन्य कृषि विभाग के कर्मचारी एवं कृषक उपस्थित रहे। मृदा नमूना एकत्रीकरण अभियान के अन्तर्गत उप कृषि निदेशक ;कृषि रक्षाद्ध लखनऊ मण्डलए संजय त्रिपाठी ने विकासखण्ड बावन के ग्राम मुजाहिदपुर में कृषक सुनील कुमार सिंह के खेत से मृदा नमूना एकत्र कर कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के लाभ के बारे में जानकारी दी। भूमि संरक्षण अधिकारी, द्वितीय, हरदोई निधि राठौर द्वारा विकासखण्ड हरियांवा के ग्राम दौलतपुर में कृषक पुरुषोत्तम के खेत से मृदा नमूना एकत्र किया गया। अभियान के दौरान कृषि विभाग के कर्मचारी, सम्बन्धित ग्रामों के ग्राम प्रधान एवं कृषक उपस्थित रहे।

जल संचयन और जलापूर्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। ब्लॉक सभागार में ग्रामीण क्षेत्रों में जल संचयन और जलापूर्ति की व्यवस्था के क्रियान्वन के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ।

पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान पीआरआईटी उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित व जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर रायबरेली के सौजन्य में रागिनी गिरी बरिष्ठ फैकल्टी सह प्रबंधक कि देखरेख में विकास खण्ड शाहाबाद में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में ब्लॉक सभागर में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना के मुख्य घटक जल संचयन में जल का रख रखाव व जलापूर्ति योजनाओं का पंचायत को हैंडओवर /टेक ओवर करने की जानकारी व हैंडओवर /टेक ओवर पोर्टल का परिचय व उससे संबंधित यूपीपीआरडी द्वारा आयोजित स्थल निरीक्षण का महत्व तथा जन जागरूकता एवं शिकायत प्रबंधन प्रक्रिया को प्रधान, पंचायत सहायक, समूह की महिलाओं को मास्टर ट्रैनर जेई/ सीई शिवा शुक्ला, पुष्पेंद्र सिंह व अरुण दीक्षित द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें लव चौहान, नरेंद्र ऑपरेटर सहित लोग मौजूद रहे।

मेले में दबंग युवकों ने खिलौने के दुकानदार के साथ की मारपीट, दुकानदार को आई गंभीर चोट

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र कछौना के अंतर्गत ग्राम सभा कलौली में स्थित देवी मंदिर में सोमवार को मेला के आयोजन में नशे में धुत युवकों ने सामान खरीदने पर दुकानदार से मारपीट कर दीए दुकानदार के आंख में ईंट मारने से आंख में गंभीर चोट आई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को पकड़ लाई। कोतवाली कछौना के ग्राम सभा कलौली में प्रति वर्ष की भांति देवी मंदिर में मेले का आयोजन हुआ है। इस मेले में सोमवार को अपराह्न दुकानदार मोहम्मद इंतियाज ने खिलौने की दुकान मेले में लगाई थी। इस दौरान ग्राम सभा करौली के चार.पांच युवक नशे में धुत होकर दुकान पर आए। सामान उठाकर फेंकने लगे, दुकान द्वारा विरोध करने पर दुकानदार के भाईए पिता मुस्ताक के साथ मारपीट करने लगे। इसी बीच एक युवक ने ईंट उठाकर मोहम्मद आफाक के ऊपर वार कर दिया। जिसमें मोहम्मद आफाक की आंख में गंभीर चोटें आई हैं। बुजुर्ग पिता मुस्ताक को भी बुरी तरह से मारा पीटा हैं। पीड़ित दुकानदार ने इमरजेंसी 112 पर कॉल कर पूरे मामले की सूचना दी। इस घटना से मेले में अफरा तफरी मच गई। प्रभारी निरीक्षक की टीम मौके पर पहुंचकर आरोपियों को पकड़ लाईए दोषी युवकों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा रही है। इस घटना से दुकानदारों में भय व्याप्त हो गया है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के शाहजहांपुर हाईवे पर सिरदारनगर गांव के पास सोमवार की शाम 7रू30 बजे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में पीछे से टक्कर मारी जिससे बाइक सवार घायल हो गया। घायल बाइक सवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया। घटना सिरदार नगर गांव के पास की है। एक 35 वर्षीय युवक बाइक से शाहजहांपुर की ओर जा रहा था। पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी जिससे वह घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद युवक को रेफर किया गया।

पीड़ित पिता ने दी तहरीर

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पीड़ित पिता ने पुत्र के बिना बताये कही चले जाने की थाने पर तहरीर दी हैं। पीड़ित पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की बात तहरीर में कही है।

जानकारी के अनुसार हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के अर्जुनपुर गांव निवासी मुन्नू सिंह ने सोमवार को थाने पर दी गई तहरीर में बताया है कि उसका 28 वर्षीय पुत्र आकाश 2 मई को समय लगभग दो बजे से बिना बताए कहीं चला गया है। नाते रिश्तेदारी समेत आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की पर उसका कोई पता नहीं चल सका है।पुलिस को दिए गए तहरीर में आकाश के पिता ने बताया है कि उसका रंग सांवलाए लंबाई करीब 5 फीटएचेहरा गोल है।घर जाने के समय कोकोकोला रंग की कमीजएनीले रंग जींस की पेंट तथा पैर में हवाई चप्पल पहने हुए था। पीड़ित ने प्रभारी निरीक्षक को संबोधित तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज करने के बात कही है। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच में जुटी हुई है।

युवक को मारपीट कर किया घायल

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के अन्ना गांव जमीनी विवाद को लेकर गांव निवासी लोगों ने युवक को मारपीट कर घायल कर दिया है। जानकारी के अनुसार हरपालपुर थाना क्षेत्र के अन्ना मजरा महितापुर गांव निवासी रामतीरथ पुत्र जदुनाथ ने थाने पर दी गई तहरीर में बताया है कि कि जमीनी विवाद को लेकर जब वह गली निकल रहा था। इसी दौरान गांव निवासी चार लोगों ने उसके साथ गाली गलौज की। गाली देने का विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी डंडों से हमला कर घायल कर दिया। जिससे रामतीर्थ घायल हो गया। उसने सोमवार को थाने पर शिकायत की है। प्रभारी निरीक्षक बालकृष्ण मिश्र ने बताया कि जांच करवाकर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। भारत की शोषित उपेक्षित वंचित जनमानस को समुचित भागीदारी दिलाने के लिए लंबित जातीय जनगणना कराने के लिए एनडीए सरकार ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में साहसिक निर्णय लिया है। सरकार का यह निर्णय आने वाले समय में समस्त वंचित शोषित समाज को समुचित भागीदारी प्राप्ति के लिए कानूनी आधार बनेगा। विगत समय की विपक्षी सरकारों ने जातीय जनगणना को नहीं होने दिया। वंचित शाोषित समाज से संबंधित इस महत्वपूर्ण मांग को स्वीकार करना नरेन्द्र मोदी की सामाजिक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। उक्त निर्णय के लिए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के समस्त पदाधिकारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हृदय से कोटिशः धन्यवाद ज्ञापित करते है। कार्यक्रम में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के पदाधिकारि जिला अधिकारी के प्रांगण में एकत्रित होकर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया वही जनपद की अन्य चारो तहसीलों पर अधिक से अधिक संख्या में पदाधिकारीयो ने पहुँचकर ज्ञापन देने का कार्य किया पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केबिनेट मंत्री श्री ओमप्रकाश राजभर जी के निर्देश पर समस्त तहसीलों पर ज्ञापन देने के लिए पदाधिकारी नियुक्त किये गए थे जिसमें मुख्य रूप से हरदोई तहसील में राष्ट्रीय प्रवक्ता सुनील अर्कवंशी बिलग्राम तहसील में प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव यादव संडीला तहसील में प्रदेश सचिव राममूर्ती अर्कवंशी शाहाबाद में जिला अध्यक्ष दलित मोर्चा नरेशराज राजवंशी, सवायजपुर तहसील में जिला अध्यक्ष राजीव अर्कवंशी ने ज्ञापन दिया। हरदोई तहसील पर युवा मंच जिला अध्यक्ष पुनीत अर्कवंशी, जिला सचिव रामसूचित अर्कवंशी, मो0 असलम भगत, रामचरण, जागेश्वर, पंकज वर्मा सहित सैकड़ो पदाधिकारी मौजूद रह कर ज्ञापन दिया।

महिला के बैग से दस लाख के जेवर चोरी, पुलिस जांच में जुटी

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली

पीड़ित महिला कस्तूरी देवी

क्षेत्र के ग्राम उधरनपुर के निकट विवाह समारोह में बस से शाहाबाद जा रही शाहजहांपुर निवासी महिला के बैग से दस लाख के जेवर चोरी कर लिये गये।पीड़िता ने पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। प्राप्त विवरण में शाहजहांपुर निवासी कस्तूरी रस्तोगी पत्नी रामनरेश रस्तोगी के अनुसार वह शाहजहांपुर बस स्टैंड से हरदोई उन्नाव वाली बस पर बैठ कर एक विवाह समारोह में शाहाबाद आ रही थी। वह तीन लोगों के बैठने वाली सीट पर बैठी थी।साथ वाली सीट पर एक मुस्लिम महिला बैठी थी। उसके साथी आगे और पीछे वाली सीट पर बैठे थे। महिला ने सिक्का गिरने के बहाने उसका बैग आगे पीछे खींचा।मुस्लिम महिला के तीन चार साथियों में से किसी ने उसके बैग में रखी छोटी बैग जिसमें दस लाख रुपए के जेवर रखें थे पार कर दी। शाहाबाद घर पहुंचकर बैग देखा तो बैग गायब देखकर दंग रह गयी। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।पुलिस ने महिला का प्रार्थना पत्र लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

डीएम ने रायपुर गुलरिया प्रधान के प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार सीज किए

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकास खंड शाहाबाद के ग्राम रायपुर गुलरिया के प्रधान द्वारा 22ऋ23ए 23ऋ24 में वित्तीय कार्यों में मनमाने ढंग से बिना कार्य करवाए लाखों के भुगतान निकाले जाने के मामले में गांव निवासी युवक की शिकायत पर जांच के बाद डीएम ने ग्राम प्रधान के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिए हैं।

■ **मनरेगा, नल रिबोर सहित लाखों के फर्जी भुगतान पर हुई कार्यवाही**

डीएम ने तीन सदस्यीय टीम द्वारा प्रधान के कार्यों का संचालन किए जाने के निर्देश दिए हैं। रायपुर गुलरिया निवासी नेकराम पुत्र बृजपाल ने 10 अक्तूबर 2024 को ग्राम प्रधान रमेश चंद्र कुशवाहा के विरुद्ध जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह को दिए गए शिकायती पत्र में ग्राम प्रधान पर वित्तीय अनियमितता के गंभीर आरोप लगाते हुए जांच करने की मांग की थी। पीड़ित के प्रार्थना पत्र में लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच के लिए डीएम श्री सिंह ने आदेश दिए थे। जांच अधिकारियों ने मनरेगा में बिना कार्य किए भुगतान किए जानेएपंचायत भवन की रिपेयरिंग बिना करवाए भुगतान लिए जानेएपांच नल करवाकर आठ नल रिबोर करवाने का भुगतान निकाले जाने समेत अन्य कई वित्तीय अनियमितताएं पाते हुए अपनी जांच आख्या प्रस्तुत की थी। जिसके आधार पर 30 अप्रैल को जिलाधिकारी श्री सिंह ने ग्राम प्रधान रमेश चंद्र कुशवाहा के प्रधान पद के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों को ग्राम पंचायत राज अधिनियम की धारा 95 की उपधारा 1 के खंड 6 के तहत सीज करने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने अंतिम जांच के लिए जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी हरदोई और संजीव कुमार सहदेव सहायक अभियंता नलकूप खंड को एक माह में जांच पूर्ण कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। प्रधान पद के वित्तीय और प्रशासनिक क्रिया कलापों की जांच आख्या आने तक तीन सदस्यीय समिति द्वारा संचालन किए जाने के निर्देश जारी किए हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद कन्नौज

पत्रांक-348/ के0जे0/क0अनु0/2025-26

दिनाँकः-05.05.2025

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 (1) ख के अन्तर्गत नाम परिवर्तन / नामांकन की सूचना

एतद द्वारा सभी हितबद्ध भवन स्वामियों/ हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है, कि कालम संख्या- 02, 03, 04, 05, 06 पर अंकित विवरणपर यदि किसी भवन स्वामी / किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो यह सूचना प्रकाशन के दिनांक से तीस दिन (30 दिन) के अन्दर साध्य सहित अपनी आपत्ति नगर पालिका परिषद कन्नौज के कार्यालय में प्राप्त करा दे निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तिय पर कोई विचार नहीं किया जाएगा तथा नाम परिवर्तन/ नामांकन को अंतिम रूप प्रदान करते हुए प्रस्तावित नाम को कर निर्धारण रजिस्टर में अंकित कर दिया जाएगा जिसके लिए नगर पालिका उत्तरदायी नहीं होगी। यह नाम परिवर्तन / नामांकन के चल गृहकर, जलकर की अदायगी पर ही प्रभावी होगा इससे किसी सम्पत्ति का स्वामित्त घोषित नहीं होगा

कं0 सं0	भवन सं0	मोहल्ले का नाम जिसमें स्थित सम्पत्ति का नाम परिवर्तन/नामांकन प्रस्तावित है	विधमान भवन स्वामी/विक्रेता का नाम	प्रस्तावित नाम आवेदक का नाम) जो भवन/भूखण्ड पर दर्ज किया जायेगा।	अगृहकर, जलकर के लिए मकान/भूखण्ड पर स्वामित्व परिवर्तन का आधार
1	2	3	4	5	6
1	121	सिपाही ठाकुर	श्रीमती राजेश कुमारी पाण्डेय पत्नी श्री राजेश कुमार पाण्डेय (नि0 मो0 सिपाही ठाकुर कन्नौज)	श्रीमती दीपिका तिवारी पत्नी विमल तिवारी व विनय तिवारी पुत्र श्री रमेशचन्द्र तिवारी (नि0 मो0 चौहट्टा कन्नौज)	रजिस्टर बैनामा के आधार पर।
2	22	मुल्ला टोला	श्री मो0 साबिर पुत्र मो0 सफदर (नि0मो0 मुल्ला टोला कन्नौज)	श्री मेहराज खां पुत्र श्री अब्दुल गफ्फार खान (नि0मो0 काजीपुरा कन्नौज)	रजिस्टर बैनामा के आधार पर।
3	383	युसुफपुर भगवान	श्रीमती मीरा देवी पत्नी श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव (नि0मो0 बजरिया कस्वा व परगना तालग्राम तह0 छिबरामऊ जि0 कन्नौज)	श्री बृजेन्द्र कुमार पुत्र श्री अंगने लाल श्रीवास्तव (नि0मो0 पठकाना कन्नौज)	रजिस्टर बैनामा के आधार पर।
4	नया प्लाट	मौसमपुर मौरारा	श्री सोनू पुत्र श्री बाबूराम (न0मो0 कुतलूपुर मकरन्दनगर कन्नौज)	श्रीमती गायत्री देवी पत्नी श्री बृजभान (नि0 मो0 रामकिशन नगर गुरसहायगंज परगना तालग्राम तह0 छिबरामऊ जि0 कन्नौज)	रजिस्टर बैनामा के आधार पर।
5	नया प्लाट	कन्दरौली बांगर	श्री राजेश कुमार पुत्र स्व0 श्री भोलानाथ सैनी (नि0 मो0 हाजीगंज खुर्द कन्नौज)	श्रीमती शारदा देवी पत्नी श्री राम नरायन कश्यप (नि0 मो0 मुबारकपुर टीला)	रजिस्टर बैनामा के आधार पर।
6	136	मिकरी टोला	श्रीमती बेबीनाज पत्नी श्री रफीकउद्दीन (नि0 मो0 मुकरी टोला कन्नौज)	श्रीमती मीना बेगम पत्नी श्री मो0 सलीम (नि0 मो0 अजयपाल कन्नौज)	रजिस्टर बैनामा के आधार पर।
7	नया प्लाट	अकबरपुर सरायघाघ	श्रीमती सुनीता दोहरे पत्नी स्व0 श्री महादेव गौतम व श्री कुलदीप कृष्ण व संदीप गौतम व प्रदीप गौतम पुत्रगण स्व0 श्री महादेव गौतम निवासीगण 21/357 रामनगर पोनी रोड़ नेतुवा जि0 उन्नाव)	श्रीमती सरला देवी पत्नी जितेन्द्र कुमार (नि0 ग्राम बानामऊ पो0 सिमरिया तह0 सवायजपुर जि0 हरदोई हाल निण मो0 हर्ष वर्धन नगर सरायमीरा कन्नौज)	रजिस्टर बैनामा के आधार पर।
8	नया प्लाट	कन्नौज कछोहा	श्री अनिल कुमार पुर ओमनरायन (नि0मो0 कुतलूपुर मकरन्दनगर कन्नौज)	श्रीमती नीरज त्रिवेदी पत्नी अरूणेश त्रिवेदी (नि0मो0 एस0एन0 इण्टर कॉलेज, मो0 चौहट्टा कन्नौज)	रजिस्टर बैनामा के आधार पर।
9	22	बजरिया सैय्यद मोहम्मद	श्री अनवार खां पुत्र श्री बन्ने खां (नि0मो0 बजरिया सैय्यद मोहम्मद कन्नौज)	श्री मो0 हाशिम पुत्र सिराज अहमद (नि0 मो0 बजरिया सैय्यद मोहम्मद)	रजिस्टर बैनामा के आधार पर।
10	नया प्लाट	कन्नौज बांगर	श्रीमती रमन कटियार पुत्र रामसरन (नि0मो0 ठेकेदारगली सरायमीरा कन्नौज)	श्री सुग्रीव कुमार पुत्र शिवरतन सिंह (नि0 ग्राम हब्बापुर पो0 मुसाखिरिया जि0 फर्रुखाबाद)	रजिस्टर बैनामा के आधार पर।
11	142ए	काजीपुरा	श्रीमती संगीता पत्नी श्री ललित कुमार (नि0 मो0 काजीपुरा कन्नौज)	श्री विजय सिंह पुत्र स्व0 श्री विनोद (नि0 मो0 काजीपुरा कन्नौज)	रजिस्टर बैनामा के आधार पर।
12	432	युसुफपुर भगवान	श्री बालकराम पुत्र नन्दलाल (नि0मो युसुफपुर भगवान कन्नौज)	श्रीमती शकुन्तला पत्नी श्री महेन्द्र कुमार (नि0 मो0 युसुफपुर भगवान मकरन्दनगर कन्नौज)	रजिस्टर बैनामा के आधार पर।
13	नया प्लाट	कन्दरौली बांगर	श्री प्रदीप पुत्र स्व0 श्री बुद्धसेन (नि0मो0 सफदरगंज कन्नौज)	श्रीमती आशमा पत्नी श्री मोबिन (नि0मो0 जटपुरा कन्नौज)	रजिस्टर बैनामा के आधार पर।
14	नया प्लाट	अलाउद्दीनपुर	श्रीमती सोमवती पत्नी स्व0 श्री रामऔतार व श्री मनोज कुमार पुत्र श्री कालीचरन (नि0मो0 अलाउद्दीनपुर कन्नौज)	श्री राजकुमार व श्री राजेश कुमार व श्री सुनील कुमार पुत्रगण स्व0 श्री रामऔतार व श्रीमती आशा पुत्री स्व0 श्री रामऔतार (निवासीगण मो0 अलाउद्दीनपुर कन्नौज)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर।
15	नया प्लाट	अकबरपुर सरायघाघ	श्री धर्मेन्द्र कुमार दुबे पुत्र स्व0 श्री प्रेमचन्द्र दुबे (नि0मो0 अकबरपुर सरायघाघ कन्नौज)	श्रीमती मन्जुला रानी पत्नी श्री सुरेन्द्र सिंह (नि0मो0 युसुफपुर भगवान मकरन्द नगर कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
16	नया प्लाट	नसरापुर कन्नौज	श्री रानी पाल पत्नी श्री रामदास पाल (नि0मो0 शिवाजी नगर सरायमीरा कन्नौज)	श्रीमती रूचि बोक्सा पत्नी श्री हरिश्चन्द्र बोक्सा (नि0 म0 न0 14 आजाद नगर सिकन्दरा तह0 सिकन्दरा जि0 कानपुर देहात)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
17	नया प्लाट	कन्नौज बांगर	श्री अहमद शहीद व श्री बरकात पुत्रगण स्व0 श्री आफाक अहमद (नि0मो0 शुखपुरा कन्नौज)	श्रीमती निगार अंजुम पत्नी मो0 सऊदरजा (नि0मो0 शेखूपुर पो0 मैनाठेर जि0 मुरादाबाद)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
18	31 का आं0 भाग	मौसमपुर मौरारा	श्री अनुज गुप्ता पुत्र स्व0 श्री श्याम सुन्दर गुप्ता व श्री अशोक कुमार व अनिल कुमार पुत्रगण भैरो प्रसाद (नि0 माठे मौसमपुर मौरारा कन्नौज)	श्री शशिवाला पुत्र राम किशन (नि0मो0 पी0डब्लू0डी0 के पास नसरापुर कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद कन्नौज।

चोरी की बैटरी सहित तीन बाल अपचारी पुलिस अभिरक्षा में

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खेड़ा बीबीजई में छोटा हाथी डाला से बैटरी चोरी करने वाले तीन बाल अपचारियों को पुलिस ने चोरी की बैटरी सहित अभिरक्षा में लिया है।पुलिस आगे विधिक कार्यवाही कर रही है। 29 अप्रैल को विकास सिंह पुत्र नेता सिंह निवासी ग्राम कूड़ी थाना पचदेवरा द्वारा थाना शाहाबाद पर तहरीर दी गयी कि तीन बालअपचारियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत मोहल्ला खेडा बीबीजईए भोला कबाड़ी के प्लाट के पास से उसकी गाड़ी से एक बैटरी चोरी कर ली गयी। इस संबंध में पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना शाहाबाद पुलिस ने बाल अपचारियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की थी। थाना शाहाबाद के उपनिरीक्षक घनश्याम बिंद और पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित 03 नफर बालअपचारियों को चोरी की बैट्री सहित नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के पिपरिया पुल के निकट एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार घायल हो गया। घायल बाइक सवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। कांट थाना क्षेत्र के ग्राम नगरिया का रहने वाला विपिन पुत्र रामदास बाइक से अपने रिश्तेदारी में जा रहा था। सोमवार की दोपहर 2:30 बजे वह जैसे ही पिपरिया पुल के पास पहुंचा पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे अस्पताल लाया गया। जहां से प्राइवेट इलाज के लिए परिजन शाहजहांपुर ले गए।

प्रारूप संख्या-3

न्यायालय श्रीमान् न्यायधिकारी महोदय में

याचिका संख्या- 536/24 वर्ष 202........

याची- श्रीमती साहीन सिद्दीकी पत्नी मो0 चाँद पुत्री अब्दुल रहमान,
निवासिनी- 93/3 जे0जे0आर0 कैम्प ओखला फेज-2 पी.एस.- ओखला फेज-1 जन0 दिल्ली हा0नि0 ग्राम व थाना हरपालपुर, जन0-हरदोई। .... **प्रार्थीगण**

बनाम

प्रत्युत्तरदाताः- मो0 चाँद सिद्दीकी पुत्र जमील, नि0 93/3 जे0जे0आर0 कैम्प ओखला फेज-2 थाना- ओखला फेज-1, जन0 दिल्ली-110020 .... **विपक्षी**

महोदय,

चूँकि उक्त नामित याची ने आपके विरूद्व याचिका संस्थित किया है। जैसा कि याचिका में वर्णित है। आपके एतद् द्वारा इस न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर आप पर इस समन की तामीली से तीन सप्ताह के भीतर न्यायालय की अनुमति से वकालतनामा दाखिल करने की अपेक्षा की जाती है।

और चूँकि वाद मई........2025...........के..........16.......दिन को न्यायाधीश के समक्ष निर्देश के लिए रखा जाएगा,

इसलिए आपको एतद्द्वारा मई........2025...........के..........16.......दिन दोपहर से पूर्व 11:00 बजे याची के दावा का उत्तर देने के लिए न्यायाधीश के समक्ष उपस्थित के लिए समन किया जाता है और

यह और सूचना ग्रहण कीजिए कि यदि आप अपनी व्यक्तिगत उपस्थित या वकालतनामा में असफल जैसा कि ऊपर निर्देश00 दिया गया है या यदि आप पूर्व वर्णित दिन को न्यायाधीश के समक्ष उपस्थित रहने में असफल रहते है तो याचिका को उस दिन किसी पश्चात्वर्ती दिन को अप्रतिरक्षित रूप में अमान्य किये जाने का आदेश दिया जा सकता है। और आप अपने विरूद्व डिक्री या आदेश पारित किये जाने के लिए दायी होंगे।

यह ....201........................के...........................दिन को पूर्वोक्त...................
प्रमुख न्यायाधीश से....................................लिखा गया।

मुहर

न्यायाधिकारी
हरदोई।

विरासत सहेजने में संजीदगी का सवाल

किसी भी देश या समाज की धरोहर उसके लिए न केवल गर्व का विषय, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी होती है। ये धरोहरें ही हैं जो राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आदि सभी क्षेत्रों में नागरिकों का मार्ग प्रशस्त करती हैं। वैसे ये मुख्य रूप से दो प्रकार की होती हैं- मूर्त और अमूर्त। मूर्त धरोहर हमारी वे विरासत होती हैं, जो दृश्यमान होती हैं, जिन्हें हम देख सकते हैं, यानी विशाल भवन, मंदिर, ऐतिहासिक स्थल, स्मारक, हस्तशिल्प, साहित्य, किले आदि। वहीं, अमूर्त धरोहरें हमारी समृद्ध परंपरा, लोकगीत, लोक-कथाएं, विश्वास, ज्ञान, भाषा और संस्कार आदि होती हैं। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक परिषद (यूनेस्को) ने धरोहर ने धरोहरों को तीन प्रकार का बताया है- प्राकृतिक विश्व धरोहर श्रेणी, सांस्कृतिक विश्व धरोहर श्रेणी और मिश्रित विश्व धरोहर श्रेणी । इतिहास, सभ्यता, संस्कृति और हमारी पहचान को बनाए रखने में इन धरोहरों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती है। इसलिए इनके संरक्षण का दायित्व केवल सरकारों या यूनेस्को जैसी वैश्विक संस्थाओं का नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को इनके संरक्षण को लेकर सावधान और जागरूक रहने की आवश्यकता है। देखा जाए तो ये धरोहरें किसी भी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य की नींव होती हैं। ये हजारों वर्षों के ज्ञान, अनुभव और स्मृतियों का अनमोल उपहार या कहें कि खजाना होती हैं। मानव है। समाज की सामाजिक एवं सांस्कृतिक का परिचायक भी होती हैं। म हमारी धरोहर हमें इतिहास से जोड़ती विविधता का है। । किसी भी देश और समाज की पहचान, वहां की सभ्यता, सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास आदि की न केवल जानकारी इन धरोहरों के माध्यम से प्राप्त होती है, बल्कि ये उन्हें हमेशा सजीव बनाए रखने का कार्य भी करती हैं। मानव सभ्यता और संस्कृति की 'मूल' ये धरोहरें अब हमारे गौरव और पहचान का ही नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि का भी जरिया बन रही हैं। दरअसल, इन धरोहरों को देखने और समझने के लिए र लाखों पर्यटक प्रति वर्ष एक राज्य से दूसरे राज्य और एक देश से दूसरे देश की यात्रा करते हैं। इतना ही नहीं, ये धरोहर विभिन्न देशों, महाय भिन्न देशों, समाज, समुदायों, सभ्यताओं और संस्कृतियों के बीच बेहतर संबंध बनाने में भी बड़ी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कई बार तो दो देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों को भी ये मधुर एवं सुगम बनाने में सहायक साबित होती हैं। सच कहा जाए तो, इन सभी विशेषताओं के कारण ही आज दुनिया भर में धरोहरों के प्रति लोगों की ओर से प्रायः सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए जाने लगे हैं। विश्व धरोहर दिवस की की स्वीकत किए गए एक परत आत यूनेस्को द्वारा 1983 के अप्रैल महीने में से ई थी। इसके अंतर्गत 'अंतरराष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल परिषद' (आइसीओएमओएस) की ओर से यह मांग की गई थी कि विश्व की सभी सांस्कृतिक, प्राकृतिक एवं मिश्रित धरोहरों के संरक्षण और उनके प्रति सामान्य स्तर पर मानवीय जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाने का प्रावधान किया जाए। यूनेस्को ने भविष्य की पीढ़ियों को अपने पुरखों से मिली सांस्कृतिक धरोहरों से परिचय कराने तथा उनके प्रति प्रेम का भाव जगाने के लिए इस दिवस की रूपरेखा तैयार की और 'विश्व विरासत या धरोहर दिवस' के रूप। इसे मान्यता प्रदान की थी तब से प्रति वर्ष 'विश्व धरोहर दिवस' या 'विश्व स्मारक एवं स्थल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। सामान्यतः यूनेस्को द्वारा प्रति वर्ष एक खास दिन यानी 18 अप्रैल को विश्व के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जाता है और लोगों को इनके संबंध में बताया जाता है। इनके संरक्षण एवं संवर्द्धन पर चर्चा की जाती है। साथ ही, इसी भावना के अनुरूप यूनेस्को द्वारा दुनिया भर की विभिन्न धरोहरों को चिह्नित कर उनकी एक 'विश्व धरोहर सूची' भी बनाई जाती है। इस सूची में शामिल की जाने वाली धरोहरों के संरक्षण के लिए यूनेस्को की ओर से सहायता भी दी जाती है। हालांकि, विश्व धरोहर दिवस मनाने को लेकर पहला प्रयास 1972 स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान किया गया, जब संयुक्त राष्ट्र की मौजूदगी में विश्व प्रसिद्ध भवनों एवं प्राकृतिक स्थलों की रक्षा के लिए चर्चा की गई।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक परिषद (यूनेस्को) ने धरोहर ने धरोहरों को तीन प्रकार का बताया है- प्राकृतिक विश्व धरोहर श्रेणी, सांस्कृतिक विश्व धरोहर श्रेणी और मिश्रित विश्व धरोहर श्रेणी । इतिहास, सभ्यता, संस्कृति और हमारी पहचान को बनाए रखने में इन धरोहरों को तीन प्रकार का बताया है- प्राकृतिक विश्व धरोहर श्रेणी, सांस्कृतिक विश्व धरोहर श्रेणी और मिश्रित विश्व धरोहर श्रेणी । इतिहास, सभ्यता, संस्कृति और हमारी पहचान को बनाए रखने का दायित्व केवल सरकारों या यूनेस्को जैसी वैश्विक संस्थाओं का नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को इनके संरक्षण को लेकर सावधान और जागरूक रहने की आवश्यकता है।

कैमरा, 'भूख' और सोशल मीडिया

प्रियंका सौरभ

आज का युग 'डिजिटल करुणा' का युग बन चुका है, जहां इंसानियत, परोपकार, और सहानुभूति जैसे मूल्य अब मौन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की फ्लैश में दर्ज होते हैं। पहले जहां 'नेकी कर दरिया में डाल' की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर 'नेकी कर, सोशल मीडिया पर डाल' हो चुकी है। भलाई की भावना मनुष्य की सबसे पवित्र प्रवृत्तियों में से एक है। यह वह स्वाभाविक मानवीय गुण है जो हमें संवेदना, दया, और परस्पर सहयोग की ओर प्रेरित करता है। किन्तु आज के समय में यह गुण मंच पर आ चुका है–एक ऐसा मंच जहाँ तालियां हैं, टिप्पणियां हैं, और सबसे जरूरी, एक कैमरा है जो हर क्षण को 'दृश्य' बनाता है। एक समय था जब कोई वृद्ध भूखा दिखता, तो राह चलते लोग बिना कुछ कहे, बिना देखे, उसे कुछ खाने को दे जाते थे। आज वही दृश्य होता है, लेकिन कैमरा पहले निकाला जाता है। भूखे की थाली से ज्यादा अहमियत उस एंगल की होती है, जिसमें वह थाली दिखाई दे। सेवा अब सीधी नहीं रही, वह एक स्क्रिप्टेड ऐक्ट में बदल गई है।

सोशल मीडिया के युग में भलाई और करुणा अब मौन संवेदनाएं नहीं रहीं। वे कैमरे के फ्रेम में कैद होती जा रही हैं। आज अधिकांश मदद 'लाइक्स' और 'फॉलोवर्स' के लिए की जाती है, न कि सच्ची इंसानियत के लिए। सहायता अब एक 'कंटेंट' बन चुकी है और जरूरतमंद की गरिमा अकसर इस प्रदर्शन की भेंट चढ़ जाती है। इसलिए यूजर्स को अब आत्मपरीक्षण जरूर करना चाहिए कि क्या हम वाकई मदद कर रहे हैं या बस सोशल मीडिया पर नेकी की तस्वीर गढ़ रहे हैं? आज का युग 'डिजिटल करुणा' का युग बन चुका है, जहां इंसानियत, परोपकार, और सहानुभूति जैसे मूल्य अब मौन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की फ्लैश में दर्ज होते हैं। पहले जहां 'नेकी कर दरिया में डाल' की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर 'नेकी कर, सोशल मीडिया पर डाल' हो चुकी है। भलाई की भावना मनुष्य की सबसे पवित्र प्रवृत्तियों में से एक है। यह वह स्वाभाविक मानवीय गुण है जो हमें संवेदना, दया, और परस्पर सहयोग की ओर प्रेरित करता है। किन्तु आज के समय में यह गुण मंच पर आ चुका है-एक ऐसा मंच जहाँ तालियां हैं, टिप्पणियां हैं, और सबसे जरूरी, एक कैमरा है जो हर क्षण को 'दृश्य' बनाता है। एक समय था जब कोई वृद्ध भूखा दिखता, तो राह चलते लोग बिना कुछ कहे, बिना देखे, उसे कुछ खाने को दे जाते थे। आज वही दृश्य होता है, लेकिन कैमरा पहले निकाला जाता है। भूखे की थाली से ज्यादा अहमियत उस एंगल की होती है, जिसमें वह थाली दिखाई दे। सेवा अब सीधी नहीं रही, वह एक स्क्रिप्टेड ऐक्ट में बदल गई है। आधुनिक मानव की आत्मा अब लाइक्स, शेयर, कमेंट्स की भूखी हो चली है। किसी की मदद करने के बाद हमें तसल्ली तब मिलती है, जब कोई कहे, 'वाह, आप तो बड़े नेकदिल हैं।' पहले मदद करने के बाद मन को जो संतोष मिलता था, अब वह 'फॉलोवर्स बढ़ने' के संतोष से बदला जा चुका है। यह न केवल इंसानियत की आत्मा को खरोंचता है, बल्कि मदद पाने वाले की गरिमा को भी आहत करता है। वह व्यक्ति जिसे मदद मिली है, उसकी जरूरतें तो पूरी होती हैं, लेकिन उसकी निजता, उसकी आत्मसम्मान की परतें एक-एक कर सोशल मीडिया के सामने उतार दी जाती हैं। सोचिए, अगर कोई कैमरा न हो, कोई दर्शक न हो, कोई ताली बजाने वाला न हो-क्या तब भी आप वही मदद करेंगे? यह प्रश्न हमारे भीतर झांकने की जरूरत को इंगित करता है। करुणा यदि सच्ची है, तो वह गुमनाम रहेगी। यदि उसमें प्रदर्शन है, तो वह करुणा नहीं-डिजिटल ब्रांडिंग है। आज कई बार लगता है कि सहायता करना एक स्क्रिप्टेड इवेंट बन चुका है। वीडियो में सबसे पहले मदद मिलने वाले व्यक्ति की दयनीय स्थिति को दिखाया जाता है, फिर सहायता प्रदान की जाती है, और अंत में किसी नायक की तरह मददकर्ता का चेहरा। यह सब इतनी सफाई से किया जाता है कि वीडियो फिल्म जैसी लगती है-संगीत के साथ, टाइटल के साथ, और अंत में एक गूढ़-सा संदेश। इस सारी प्रवृत्ति में सबसे अधिक पीड़ित होती है नैतिकता। किसी की जरूरत को दिखावा बना देना उस व्यक्ति के अस्तित्व पर हमला है। एक भूखे की भूख अगर कैमरे में रिकॉर्ड न हो तो क्या उसका दुख कम है? क्या दया केवल तभी योग्य है जब वह पब्लिक डोमेन में हो? यह नई नैतिकता सिर्फ दूसरों के सामने दिखने के लिए जीती है। अब 'कृपा' भी एक मुद्रा बन गई है-जिसे दिखाना पड़ता है, गिनाना पड़ता है। स्वार्थरहित सेवा का स्थान स्वार्थयुक्त प्रदर्शन ने ले लिया है। कल्पना कीजिए एक दृश्य-एक व्यक्ति सड़क किनारे बेहोश पड़ा है। एक 'सोशल वॉरियर' आता है, और उसके साथ उसका कैमरामैन। सबसे पहले कुछ तस्वीरें, फिर एक वीडियो- 'हमने इनको उठाया, पानी पिलाया, एंबुलेंस बुलाई' और फिर कैप्शन-हम सब मिलकर बदलाव ला सकते हैं...। कमेंट्स आते हैं–वाह भाई साहब, आप तो फरिश्ता हैं। किसी को यह नहीं सूझता कि क्या वह व्यक्ति कैमरे में आना चाहता था? क्या उसे अपने जीवन की सबसे कमजोर अवस्था में पब्लिकली दिखाया जाना चाहिए था? आज नेकी भी एक पूंजी बन गई है। इसका बाजार भाव बन गया है। जो जितनी ज्यादा भलाई करता है (या कहें, दिखाता है), उसका सामाजिक रेटिंग उतना ही ऊंची हो जाती है। कई बार यह भलाई राजनीतिक होती है, कभी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत होती है, और कभी व्यक्तिगत ब्रांड निर्माण के लिए। ऐसे में वास्तविक करुणा कहां छिप जाती है? क्या वह अब केवल कविता में जीवित रह गई है? क्या वह अब सिर्फ कबीर और तुलसी के दोहों में ही सांस लेती है? सोचने का समय आ गया है। मदद करने वाला बड़ा है या मदद पाने वाला? यदि कोई भूखा है, तो क्या उसकी भूख की तस्वीर लेना जरूरी है? क्या उसकी सहमति जरूरी नहीं? यदि हम उसे मदद देते समय उसकी पीड़ा को 'कंटेंट' बना दें, तो क्या हम वास्तव में सहायता कर रहे हैं या उसका उपभोग कर रहे हैं? आज जब भलाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तैरती हैं, तो कहीं-न-कहीं वे समाज को एक नई दिशा दे रही हैं-एक ऐसी दिशा जहां सेवा भी दिखावे का अंग बन चुकी है। यह आवश्यक है कि हम पुनः आत्मपरीक्षण करें। भलाई मौन होती है, और उसका असर चुपचाप दिलों में उतरता है। यदि हमें सच में इस समाज को बेहतर बनाना है, तो जरूरत है कि हम बिना कैमरे, बिना मंच, और बिना स्वार्थ के किसी की मदद करें। नेकी कोई तस्वीर नहीं, वह तो संवेदना की वह रेखा है जो दिल से दिल तक जाती है-बिना कोई सबूत मांगे।

वैश्विक शांति में आतंकवाद एक बड़ा अवरोध

संजीव

भारत में पहलगाम घटना को लिया जाए तो निर्दोष 27 भारतीय पर्यटकों की निर्मम हत्या इसका एक बड़ा उदाहरण है वैश्विक परिपेक्ष में देखें तो वैश्विक शांति के लिए आतंकवाद बहुत बड़ा अवरोध और बड़ी रुकावट है इसका स्थाई समाधान निकाला जाना चाहिए अन्यथा मानवता कराहने लगेगी और ऐसे ही निर्दोष मासूम नागरिकों की हत्या होती रहेगी इनके विरुद्ध कडे से कड़ा कदम उठाकर इनकी जड़े ही खत्म कर देनी चाहिए और आतंकवादियों को चुन चुन कर मारा जाना चाहिए। इसराइल हमास युद्ध किसकी एक बड़ी कड़ी है और अब भारत सरकार भी पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों के साथ उनके पालनहारों को भी खत्म करने में लगी हुई है।

समग्र रूप से वैश्विक स्तर पर देखें तो आतंकवाद कई देशों के लिए बड़ा नासूर बन चुका है। भारत में पहलगाम घटना को लिया जाए तो निर्दोष 27 भारतीय पर्यटकों की निर्मम हत्या इसका एक बड़ा उदाहरण है वैश्विक परिपेक्ष में देखें तो वैश्विक शांति के लिए आतंकवाद बहुत बड़ा अवरोध और बड़ी रुकावट है इसका स्थाई समाधान निकाला जाना चाहिए अन्यथा मानवता कराहने लगेगी और ऐसे ही निर्दोष मासूम नागरिकों की हत्या होती रहेगी इनके विरुद्ध कडे से कड़ा कदम उठाकर इनकी जड़े ही खत्म कर देनी चाहिए और आतंकवादियों को चुन चुन कर मारा जाना चाहिए। इसराइल हमास युद्ध किसकी एक बड़ी कड़ी है और अब भारत सरकार भी पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों के साथ उनके पालनहारों को भी खत्म करने में लगी हुई है। आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फ़हरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं। आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना हैस भारत में 1993 में मार्च में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट इसी तरह दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमलावाराणसी बम विस्फोट, अहमदाबाद में बम विस्फोट, 2008 में मुंबई ताज होटल पर हमला,2016 में पठानकोट एयरबेस हमला, 2017 में अमरनाथ तीर्थयात्रियों हमला, 2019 में पुलवामा हमला आतंकवादी घटनाएं हैं जिससे मानवीय संवेदनाएं, शांति स्थापना की मूल धारणा की धज्जियां उड़ जाती हैस भारत में तो नक्सलवाद भी आतंकवाद का एक वृहद रूप ले चुका हैस आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है की कोई भी देश यह नहीं जानता कि आतंकवाद का अगला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगास वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी हैस आतंकवाद का सबसे विस्तृत और भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही हैस वहां तालिबानी आतंकवादियों द्वारा सरकार को गिरा कर अफगानिस्तान देश पर जाकर वहां शासन स्थापित कर लिया था, और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी रही। रूस यूक्रेन युद्ध मैं भी लाखों लोगों की आक्रमण कर हिंसक हत्या तानाशाही तथा मानसिक आतंकवाद का ही एक भयानक रूप है। पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सहित अनेक कानून बनाए गए एवं उन पर अमल भी किया जा रहा है। पर आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए आतंकवादी विचारधारा को ही समूल रूप से नष्ट करना होगा, क्योंकि आतंकवाद कोई तात्कालिक कारणों से पैदा नहीं होता,यह एक घिनौनी, हिंसक आतंक पैदा करने वाली विचारधारा है। अशांति की इस विचारधारा में जन समुदाय में रोश तथा खौफ पैदा कर दिया है और यह मानवता के लिए अभिशाप की तरह व्याप्त हो गया है। जिससे विश्वव्यापी वैश्विक शांति की अवधारणा को नष्ट कर दिया है। वैसे तो पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ प्रयास किए जा रहे हैं पर हर देश के हर नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि इस विचारधारा और इनकी गतिविधियों पर नजर रख इसे समूल नष्ट करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

भारत में दलितों पर अत्याचार क्यों होते हैं?

एस आर दारापुरी

पुलिस कर्मियों में पूर्वाग्रह, जो अक्सर प्रभावशाली जातियों से होते हैं, के कारण एफ.आई.आर. दर्ज करने से मना कर दिया जाता है, घटिया जांच की जाती है या पीड़ितों पर मामले वापस लेने का दबाव बनाया जाता है।कमजोर साक्ष्य संग्रह और न्यायिक देरी के कारण कम दोषसिद्धि दर (पी.ओ.ए. अधिनियम के तहत लगभग 25–30:, एन.सी.आर.बी. डेटा के अनुसार) निवारण को कमजोर करती है। जिला सतर्कता और निगरानी समितियाँरू जिला मजिस्ट्रेटों की अध्यक्षता वाली ये संस्थाएँ पी.ओ.ए. अधिनियम के कार्यान्वयन की देखरेख करती हैं और अत्याचार के मामलों की समीक्षा करती हैं।

ऐतिहासिक रूप से अछूत के रूप में जाने जाने वाले दलित, भारत की जाति पदानुक्रम के सबसे निचले पायदान पर हैं, जिसकी जड़ें प्राचीन हिंदू सामाजिक संरचनाओं में हैं। संवैधानिक सुरक्षा के बावजूद, उन्हें निम्न कारणों से प्रणालीगत भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ता है।सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में जाति-आधारित भेदभाव जारी है, जिसमें उच्च जाति के समुदाय अक्सर दलितों को हीन समझते हैं। यह बहिष्कार, अपमान और हिंसा में प्रकट होता है।अस्पृश्यता जैसी प्रथाएँ, हालाँकि गैरकानूनी हैं, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में जारी हैं, जो शारीरिक हमले, यौन हिंसा और सामाजिक बहिष्कार जैसे अत्याचारों को बढ़ावा देती हैं। दलित अक्सर कम वेतन वाले, कलंकित काम करते हैं (जैसे, हाथ से मैला ढोना, कृषि श्रम), जिससे वे संसाधनों और भूमि को नियंत्रित करने वाली प्रमुख जातियों द्वारा शोषण के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। आर्थिक निर्भरता और भूमि स्वामित्व की कमी उनकी शक्तिहीनता को बढ़ाती है, जिससे अधिकारों का दावा करते समय वे हिंसा के शिकार हो जाते हैं। शिक्षा, राजनीतिक भागीदारी या अंतर-जातीय विवाह के माध्यम से समानता के लिए दलितों के दावे अक्सर पारंपरिक पदानुक्रम को बनाए रखने की मांग करने वाली प्रमुख जातियों से प्रतिक्रिया को भड़काते हैं। ऑनर किलिंग या भीड़ हिंसा जैसे अत्याचारों का इस्तेमाल दलित सशक्तिकरण को दबाने के लिए किया जाता है। कुछ पारंपरिक मान्यताएँ और प्रथाएँ जाति पदानुक्रम को मजबूत करती हैं, जो भेदभाव को उचित ठहराती हैं। यह सांस्कृतिक जड़ता दलित विरोधी भावना को बनाए रखती है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में।दलितों को कभी-कभी वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन राजनीतिक दल उनके प्रणालीगत मुद्दों को संबोधित करने में विफल हो सकते हैं, जिससे जाति-आधारित संघर्षों या चुनावों के दौरान उन्हें हिंसा का सामना करना पड़ सकता है। भारतीय प्रशासन के पास दलितों के खिलाफ अत्याचारों को संबोधित करने के लिए कानूनी और संस्थागत तंत्र हैं, लेकिन कार्यान्वयन में खामियाँ बनी हुई हैं। मुख्य पहलुओं में शामिल हैं। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (पी.ओ.ए. अधिनियम)रू यह कानून जाति-आधारित हिंसा, अस्पृश्यता और भेदभाव को अपराध बनाता है, जिसमें सख्त सजा और पीड़ित को मुआवजा देने का प्रावधान है। संवैधानिक सुरक्षा उपायरू अनुच्छेद 15, 17 और 46 भेदभाव को प्रतिबंधित करते हैं, अस्पृश्यता को समाप्त करते हैं और हाशिए पर पड़े समूहों के कल्याण को बढ़ावा देते हैं।विशेष न्यायालय' नामित न्यायालय पी.ओ.ए. अधिनियम के तहत मुकदमों में तेजी लाते हैं, हालांकि देरी आम बात है।पुलिस को पी.ओ.ए. अधिनियम के तहत तुरंत प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ.आई.आर.) दर्ज करने और जाति आधारित अपराधों की जांच करने का अधिकार है। पुलिस कर्मियों में पूर्वाग्रह, जो अक्सर प्रभावशाली जातियों से होते हैं, के कारण एफ.आई.आर. दर्ज करने से मना कर दिया जाता है, घटिया जांच की जाती है या पीड़ितों पर मामले वापस लेने का दबाव बनाया जाता है।कमजोर साक्ष्य संग्रह और न्यायिक देरी के कारण कम दोषसिद्धि दर (पी.ओ.ए. अधिनियम के तहत लगभग 25-30:, एन.सी.आर.बी. डेटा के अनुसार) निवारण को कमजोर करती है। जिला सतर्कता और निगरानी समितियाँरू जिला मजिस्ट्रेटों की अध्यक्षता वाली ये संस्थाएँ पी.ओ.ए. अधिनियम के कार्यान्वयन की देखरेख करती हैं और अत्याचार के मामलों की समीक्षा करती हैं। पी.ओ.ए. अधिनियम पीड़ितों के लिए तत्काल वित्तीय सहायता, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा का आदेश देता है, लेकिन वितरण में अक्सर देरी होती है। शिक्षा और सरकारी नौकरियों में सकारात्मक कार्रवाई का उद्देश्य दलितों का उत्थान करना है, जिससे शोषण के प्रति उनकी संवेदनशीलता कम हो।ल्अम्बेडकर ग्राम विकास कार्यक्रमङ्क, और कौशल विकास पहल जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य दलितों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, हालाँकि पहुँच और प्रभाव अलग-अलग हैं। संस्थाओं में जातिगत पूर्वाग्रहरू पुलिस, न्यायपालिका और स्थानीय अधिकारी जातिगत पूर्वाग्रहों को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे अपराधियों के प्रति नरमी बरती जा सकती है या पीड़ितों को दोषी ठहराया जा सकता है। प्रमुख जाति समूह अक्सर राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करते हैं, अधिकारियों पर मामलों को कमजोर करने या अपराधियों को बचाने के लिए दबाव डालते हैं। कई दलित, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, अपने कानूनी अधिकारों से अनजान हैं या न्याय की मांग करते समय प्रतिशोध से डरते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो डेटा (जैसे, 2022 में पीओए अधिनियम के तहत 50,291 मामले) सामाजिक कलंक और प्रशासनिक उदासीनता के कारण अत्याचारों को कम करके आंकते हैं। अत्यधिक बोझ वाली पुलिस, विशेष न्यायालयों में अपर्याप्त स्टाफिंग और पीड़ितों के समर्थन के लिए सीमित धन प्रभावी कार्यान्वयन में बाधा डालते हैं। अत्याचारों को रोकने के लिए कानूनी प्रवर्तन, सामाजिक सुधार और आर्थिक सशक्तिकरण को मिलाकर बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।पुलिस और न्यायपालिका को संवेदनशील बनाएं, जातिगत गतिशीलता और पीओए अधिनियम पर अनिवार्य प्रशिक्षण, ताकि पक्षपात को समाप्त किया जा सके और एफआईआर पंजीकरण और गहन जांच सुनिश्चित की जा सके। विशेष अदालतों की संख्या बढ़ाएँ और दोषसिद्धि दरों में सुधार करने और अपराधियों को रोकने के लिए मुकदमों के लिए सख्त समयसीमा निर्धारित करें। अपराधों की अस्पष्ट परिभाषा या मुआवजे में देरी जैसी खामियों को दूर करने के लिए अधिनियम में संशोधन करें। प्रमुख जातियों पर आर्थिक निर्भरता को कम करने के लिए भूमिहीन दलितों को भूमि का पुनर्वितरण करें। व्यावसायिक रूढ़ियों को तोड़ने के लिए दलित युवाओं के लिए तैयार किए गए व्यावसायिक प्रशिक्षण और उद्यमिता कार्यक्रमों का विस्तार करें। आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए दलितों के स्वामित्व वाले व्यवसायों को माइक्रोफाइनेंस और सब्सिडी प्रदान करें।जाति विरोधी अभियानरू जातिगत पूर्वाग्रहों को चुनौती देने और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के लिए मीडिया, स्कूलों और सामुदायिक कार्यक्रमों का उपयोग करें। सहानुभूति और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए स्कूल के पाठ्यक्रम में जाति उत्पीड़न और दलितों के योगदान के बारे में पढ़ाएं। जातिगत औचित्य का मुकाबला करने के लिए धार्मिक ग्रंथों की प्रगतिशील व्याख्याओं को प्रोत्साहित करें।दलित संगठनों का समर्थन करेंरू अधिकारों की वकालत करने और अत्याचारों की निगरानी करने के लिए दलितों के नेतृत्व वाले गैर सरकारी संगठनों और आंदोलनों को निधि दें और बढ़ावा दें। दलितों के लिए सामुदायिक केंद्र स्थापित करें ताकि वे भेदभाव के डर के बिना कानूनी सहायता, परामर्श और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। कार्यान्वयन की निगरानी करेंरू पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पीओए अधिनियम के प्रवर्तन और मामले के परिणामों की सार्वजनिक रिपोर्टिंग का नियमित ऑडिट करें। मामले दर्ज करने में विफल रहने या जांच में देरी करने के लिए पुलिस और अधिकारियों को जवाबदेह ठहराएं। दलितों के लिए रिपोर्टिंग को सुलभ और सुरक्षित बनाने के लिए हेल्पलाइन और स्थानीय शिकायत प्रकोष्ठ स्थापित करें। प्रतिभागियों के लिए कानूनी सुरक्षा के साथ सामाजिक बाधाओं को तोड़ने के लिए अंतर-जातीय विवाह और सामुदायिक कार्यक्रमों को बढ़ावा दें। आरक्षित सीटों से परे सक्रिय भागीदारी के माध्यम से नीति निर्माण में दलितों की आवाज सुनिश्चित करें।पुलिस और गैर सरकारी संगठनों से जुड़े अत्याचारों की गुमनाम रिपोर्टिंग के लिए ऐप या पोर्टल बनाएँ। अत्याचार-ग्रस्त क्षेत्रों का मानचित्रण करने और गश्त बढ़ाने या जागरूकता अभियान जैसे निवारक उपायों को लागू करने के लिए एआई का उपयोग करें। दलितों के खिलाफ अत्याचार जातिगत पदानुक्रम, आर्थिक असमानताओं और सामाजिक परिवर्तन के प्रतिरोध से उपजा है। जबकि भारतीय प्रशासन के पास पीओए अधिनियम जैसे मजबूत कानून हैं, लेकिन पक्षपात, राजनीतिक हस्तक्षेप और संसाधन की कमी के कारण कार्यान्वयन में बाधा आती है। रोकथाम के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। कठोर कानून प्रवर्तन, आर्थिक उत्थान, सामाजिक जागरूकता और प्रशासनिक जवाबदेही। प्रणालीगत असमानताओं और तत्काल उल्लंघनों दोनों को संबोधित करके, भारत एक अधिक समतापूर्ण समाज की ओर बढ़ सकता है जहाँ दलित भय और भेदभाव से मुक्त रहते हैं।

फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

- ग्रामीणों ने इंडियामार्का का हैंडपंप दुरुस्त कराने की उठाई मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव। बेहटा मुजावर क्षेत्र की ग्राम पंचायत गौरिया कला में अधिकांश इंडियामार्का हैंडपंप में फ्लोराइड युक्त पानी आ रहा है। फ्लोराइड युक्त पानी पीने से ग्रामीणों को हांथ पैरो को जकड़न आदि समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हो सका है।

बांगरमऊ तहसील क्षेत्र के ग्राम गौरिया कला में लगभग 35 इंडियामार्का हैंडपंप लगे हुए है वर्तमान समय में लगभग 20 हैंडपंप चालू हालत में है। जिनमे लगभग दस, बारह हैंडपंप फ्लोराइड युक्त पानी दे रहे है। ग्रामीणों कुनेंद्र, गोकरण शैलेंद्र बच्चू कर्मवीर समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया कि कि शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीण सीधे बोरिंग से निकलने वाला फ्लोराइड युक्त प्रदूषित पानी पीने को मजबूर गांव वासी कुछ संपन्न लोगों ने फ्लोराइड युक्त पानी से बचने से लिए घरो में अपने स्तर पर घर में बोरिंग करा ली है। वहीं अधिकांश लोगों को मजबूरी में फ्लोराइड युक्त पानी का सेवन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। फ्लोराइड युक्त पानी निकालने के बाद बाल्टी या किसी बर्तन में भरने के कुछ समय बाद हल्का रंग बदल जाता है, जिससे हल्का पीला हो जाता है । यही नहीं जिस बर्तन में फ्लोराइड युक्त पानी रखा जाता है उस बर्तन की सतह व किनारा सतह तक पानी भरा रहता है, बहा तक बर्तन का भाग पीला जैसा हो जाता है। ऐसे पानी का सेवन करने से पेट व हड्डी जनित रोग या अन्य बीमारियां तेजी से बढ़ती है। हड्डी कमजोर होने से गठिया हाथ पैरो के जोड़ो का दर्द, दांत पीले पड़ जाना आदि रोग होते है। ग्रामीणों ने इन हैंडपंप को सही कराए जाने की मांग की है।

गंगा नदी में डूबे युवक का शव बरामद पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा

बांगरमऊ-उन्नाव। मुंडन संस्कार में शामिल होने नानामऊ गंगा तट पर गए चाचा और मासूम भतीजा रविवार दोपहर गंगा नदी में डूब गए थे। गोताखोरों की मदद से दोनों की तलाश कराई गई थी। लेकिन कुछ पता नहीं चल सका था। सोमवार सुबह लगभग 11 बजे चाचा का शव घटनास्थल से लगभग डेढ़ किमी दूर गंगा नदी से बरामद किया गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बांगरमऊ क्षेत्र के ग्राम मालियन पुरवा निवासी रामसिंह के बेटे के मुंडन संस्कार में पड़ोसी गांव निवासी साढू संजय परिवार समेत शामिल होने नानामऊ गंगा तट पर गया था। इसी दौरान 11 वर्षीय भतीजा योगेंद्र गंगा नदी में डूबने लगा। जिसे बचाने दौड़े चाचा संजय ने भतीजे को बचा लिया लेकिन खुद गहरे पानी में चला गया। संजय को डूबता देख बड़ा भाई रमेश अपने चार वर्षीय बेटे आसमीर को गोद में लिए ही गंगा नदी में कूद गया था। बहाव तेज होने से बेटा आसमीर भी हांथ से छूटकर तेज बहाव में बह गया था और दोनों चाचा भतीजे गंगा नदी के गहरे पानी में डूब गए थे।

अहिल्याबाई होलकर ने सभी ज्योतिर्लिंगों का कराया पुनर्निर्माण : स्वान्त रंजन

- राष्ट्र निर्माण में अहिल्याबाई होल्कर का जीवन सभी के लिए अनुकरणीय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बहराइच। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वान्त रंजन ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में महारानी लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन सभी के लिए अनुकरणीय है। अहिल्याबाई ने मुगलों के आक्रमण के बाद भारत के सभी ज्योतिर्लिंगों का पुनर्निर्माण कराकर सनातन संस्कृति को अक्षुण्ण बनाया। वह सोमवार को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज माधवपुरी में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख ने कहा कि राष्ट्र तभी सशक्त होता है जब राष्ट्र निर्माण का कार्य सतत चलता रहता है। लोकमाता के कार्यों से संपूर्ण भारत को जोड़ने का एकात्मता का भाव प्रदर्शित होता था। विश्व में अनेक देशों की आक्रमणों से संस्कृति समाप्त हो गई, किंतु भारत में संत महापुरुषों के त्याग के कारण संस्कृति अक्षुण्ण बनी रही। लोकमाता एक महान शासक के साथ-साथ समाज को साथ लेकर चलने वाली महिला थीं। उनके जीवन में सामाजिक समरसता स्पष्ट रूप से दिखती थी। पश्चिमी संस्कृति के अंधानुकरण से बचें उन्होंने कहा कि जिस प्रकार गंगा की निर्मलता व पवित्रता अविरल प्रवाह के कारण है उसी प्रकार पुरानी पीढ़ी के ज्ञान एवं अनुभव का अविरल प्रवाह नई पीढ़ी को संस्कारित करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसी भावना के साथ राष्ट्रीय एवं समाज के कार्य को निरंतर कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय कुटुंब व्यवस्था सर्वोत्तम है।

संक्षिप्त समाचार

भवसागर से पार कर देती है श्रीमद्भागवत कथा

शाहजहांपुर। मल्हपुर गाँव में भागवत कथा में कथाव्यास आशीष वाजपेई ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का बखान किया। उन्होंने कृष्ण की माखन चोरी व गोवर्धन पूजा की कथा सुनायी।उन्होंने कहा कि भगवान अपने ग्वाल बालों के साथ माखन चोरी करते।जिसकी शिकायत सुनकर माता यशोदा उन्हें सजा देती थी।किंतु हर बार वह चमत्कार कर उन्हें आश्चर्यचकित कर देते।गोवर्धन पूजा की कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि एक बार भगवान इंद्र के अभिमान को चूर करने के लिये श्री कृष्ण ने अपनी एक उँगली पर गिरिराज पर्वत को उठाकर इंद्र द्वारा की जा रही भीषण बारिश से सभी ब्रजवासियों को बचाकर इंद्र के अहंकार को तोड़ा था।कथा के सात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल ग्रन्थ नहीं है।इसके आत्मसंवत से मानव द्वारा किए गए अपव्यय से पारकर मोक्ष की प्राप्ति करता है।उन्होंने कहा कि आज के कलिकल में लोग ईश्वर से ध्यान हटाए बैठे हैं इससे मानव दीन दुनिया के चक्कर में पड़ा हुआ है।ऐसे में श्रीमद्भागवत कथा ही एकमात्र साधन है जिसके श्रवण मात्र से ही मनुष्य के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं।इस अवसर पर संगम दुबे,अंकुल वाजपेई,बागीश त्रिवेदी,सरोज मिश्रा,ललित आदि मौजूद रहे।

झोलाछाप के इंजेक्शन से महिला की मौत

शाहजहांपुर। झोलाछाप डॉक्टरों की लापरवाही से आए दिन कहीं न कहीं कोई घटना घटित हो ही जाती है। अब बो निजी अस्पताल के झोलाछाप हों पॉप या छोटे मोटे झोलाछाप डॉक्टर। मामला निगोही का सामने आया है।महिला के इंजेक्शन लगाने के दौरान मौत हो जाने के मामले में परिजनों ने जमकर हंगामा काटा।हंगामा ज्यादा बढ़ने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। जानकारी पाकर स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई।महिला के परिजन झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ कार्यवाही की मांग कर रहे थे।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने को भेज दिया है।थाना निगोही के ग्राम भटपुरा मिश्र निवासी वीरपाल ने पुलिस को बताया कि रविवार सुबह करीब ग्यारह बजे वह अपनी भाभी रीना देवी 30 पत्नी देवशरण वर्मा को इलाज के लिए ग्राम इशापुर में झोलाछाप के पास ले गया।आरोप है कि झोलाछाप ने बिना कोई जांच किए इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगते ही महिला का शरीर सुन पद गया।और आधे घंटे के बाद महिला की मौत हो गई।मृतका के परिजनों का आरोप है कि जब झोलाछाप को बुलाने गए तो उसने अपना कंपाउडर भेज दिया।मृतका के देवर वीरपाल का आरोप है कि झोलाछाप द्वारा गलत इंजेक्शन लगाने की वजह से उसकी भाभी की मौत हो गई। इसलिए झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए।मृतका के तीन छोटे छोटे बच्चे है जिनमें सबसे बड़ा बेटा विकास 15 वर्ष का है।बेटी प्रांशी ग्यारह वर्ष और चार वर्षीय पुत्र आकाश है। मामले की जानकारी मिलने पर निगोही सीएचसी प्रभारी नितिन चौधरी स्वास्थ्य विभाग शाहजहांपुर की टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए और पूरे मामले की जानकारी प्राप्त की। सीएचसी प्रभारी नितिन चौधरी ने कहा कि झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्यवाही का भरोसा देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गार्ड रेल लगाने का कार्य पूरा, दुर्घटनाओं को रोकने में मिलेगी मदद

शुक्लागंज-उन्नाव। रेलवे विभाग द्वारा शुक्लागंज के रेलवे पुल पर अप लाइन की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार काम चल रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को रेल कर्मियों ने गार्ड रेल लगाने का कार्य पूरा किया। इससे पहले, रेलवे पुल पर एचबीम स्लीपर डाले गए थे, जिसके बाद से निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। सोमवार की सुबह रेलवे कर्मचारी गंगाघाट क्रॉसिंग पर पहुंचे और अप लाइन पर गार्ड रेल लगाने का काम शुरू किया। ध्यान देने योग्य बात यह रही कि कर्मियों ने बिना रेल ब्लॉक के ही इस कार्य को अंजाम दिया, जिससे ट्रेनों का संचालन प्रभावित नहीं हुआ। गार्ड रेल लगाने के बाद पुल की सुरक्षा और मजबूत हो गई है, जिससे दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी।

खुदाई के चलते विद्युत विभाग ने साइट पर तैनात किए टेक्नीशियन

शुक्लागंज- उन्नाव। राज्यसेतु निगम द्वारा सरैयां क्रॉसिंग पर नए ब्रिज के पिलर निर्माण कार्य के दौरान मराहला चौराहे के पास पिलर-24 की खुदाई में विद्युत विभाग की भूमिगत एचटी केबल क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे शक्तिनगर फीडर की आपूर्ति लगभग 14 घंटे तक बाधित रही। सोमवार को पिलर-26 की खुदाई शुरू की गई, जिसमें उपखंड अधिकारी राजेंद्र प्रसाद और जेई अक्षय तिवारी ने लाइन स्टाफ के साथ मौजूद रहकर जेसीबी मशीन से सावधानीपूर्वक कार्य कराया। हालांकि, अभी मराहला चौराहे पर पिलर-25 की खुदाई शेष है, जहां विद्युत केबल्स के अलावा गैस पाइपलाइन और अमृत योजना की जल आपूर्ति लाइन भी भूमिगत बिछी हुई है। पिछली घटना से सबक लेते हुए विद्युत विभाग ने इस बार अपने अधिकारियों और तकनीशियनों को साइट पर तैनात किया।

एचटी लाइन बिछाने के कार्य के चलते विद्युत आपूर्ति ठप

शुक्लागंज-उन्नाव। बिजली विभाग द्वारा पोनी रोड तिराहे से झंडा चौराहे तक हाईटेंशन (एचटी) लाइन बिछाने का काम शुरू किए जाने के कारण सोमवार को क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को लंबे समय तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ा। इस दौरान शक्ति नगर और फीडर-2 की आपूर्ति लगभग पांच घंटे (दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक) बंद रही, जिससे दर्जनों मोहल्लों के निवासियों को भीषण गर्मी में बिना बिजली के रहना पड़ा। बिजली विभाग की ओर से पहले से ही पोनी रोड से झंडा चौराहे तक नए विद्युत पोल लगाए गए थे। सोमवार को इन पोलों पर एचटी लाइन केबल बिछाने का कार्य शुरू हुआ। इसके लिए दोपहर 12 बजे दोनों फीडरों की बिजली आपूर्ति काट दी गई, जिसके बाद कर्मचारियों ने दुर्गा मंदिर से पोनी रोड तिराहे तक केबल डालने का काम पूरा किया। शाम 5 बजे के बाद ही बिजली बहाल हो सकी।

अछरौड गांव गहराया पेयजल संकट

बांदा। इस भीसड़ गर्मी में ग्राम अछरौड़ के बाशिंदों को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। हर घर नल हर घर जल योजना की पोल खोलता अछरौंड़ ब्लाक के अंतर्गत बड़ोखर खुर्द जनपद बांदा ग्रामीणों का कहना है कि आधी ग्राम पंचायत में अभी तक नल ही नहीं लगे , कुछ लगे भी है तो केवल और केवल शोपीस बने है जगह जगह आर सी सी में गड्ढे नल लगाने के लिए छोड़ दिए हैं ऐसे में ग्रामीणों की प्यास कैसे बुझेगी। ग्राम पंचायत के राम नारायण शुक्ला, भारत प्रजापति,मोहन सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत के लोग भीषण पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को लिखित शिकायतपत्र देकर क ई बार अवगत कराया है पर जिम्मेदार क्यों नहीं इस ओर ध्यान दें रहे हैं।

आर्य कन्या इण्टर कालेज में मेधावी छात्राओं का हुआ सम्मान

बांदा। सोमवार को आर्य कन्या इण्टर कालेज में हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2025 की मेधावी छात्राओं का सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय की प्रबन्धक श्रीमती शमीम बानो उपस्थित रही। विद्यालय में इण्टरमीडिएट परिषदीय परीक्षा 2025 में (कला वर्ग) प्रथम स्थान पर कु0 प्रतिभा सोनी पुत्री वेदप्रकाश (75.8 प्रतिशत), द्वितीय स्थान पर कु0 प्रियांशी सिंह पुत्री सीताराम (75.4 प्रतिशत) तृतीय स्थान पर कु0 गीतिका वर्मा पुत्री श्री प्रज्ञानंद(74 प्रतिशत) तथा (व्यावसायिक वर्ग) में प्रथम स्थान पर कु0 तूबा खातून पुत्री श्री हबीबुर्रहमान (82.6 प्रतिशत), द्वितीय स्थान पर कु0 शमा खातून पुत्री शाबिर अली (79.5 प्रतिशत) एवं तृतीय स्थान पर कु0 अंजली पुत्री श्यामकरण (78.6 प्रतिशत) रही। इसी क्रम में हाईस्कूल संस्थागत परीक्षा 2025 में प्रथम स्थान पर कु0 प्रांशी गुप्ता पुत्री विष्णु गुप्ता (88.6 प्रतिशत), द्वितीय स्थान पर कु0 नन्दनी राजपूत पुत्री धनश्याम (86 प्रतिशत), तृतीय स्थान पर कु0 निर्मला पुत्री विजयपाल (84.6 प्रतिशत) रही।

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करें सुधार: डीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- डीएम ने ली निपुण भारत मिशन टास्क फोर्स एवं जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति की बैठक

बांदा। निपुण भारत मिशन टास्क फोर्स एवं जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति की बैठक जिलाधिकारी जे.रीभा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने खण्ड शिक्षाधिकारियों को निर्देश दिये कि विद्यालयों के निरीक्षण के समय छात्र/छात्राओं की उपस्थिति तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु विशेष ध्यान दें। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि निरीक्षण के समय विद्यालय में सुविधाओं को अवश्य चेक करें। उन्होंने नये बच्चों का पंजीकरण कराये जाने तथा पंजीकरण के समय ही बच्चों की आधार फीडिंग भी कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रथम चरण में अवशेष विद्यालयों में दिव्यांग शौचालयों का निर्माण कराये जाने तथा सही रिपोर्ट प्रस्तुत न करने पर डीसी का स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कक्षा-कक्षों में टायलीकरण का कार्य शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने जिन विद्यालयों में चाहरदीवारी एवं दिव्यांग शुलभ शौचालय बनाने का कार्य शेष रह गया है, इस कार्य को पूर्ण कराये जाने हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी, मनरेगा तथा जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को निर्देश दिये। उन्होंने अविद्युतकृत विद्यालयों में शीघ्र विद्युत कनेक्शन कराये जाने हेतु अधिशाषी अभियंता विद्युत को निर्देश दिये।

उन्होंने कस्तूरबागांधी बालिका विद्यालय बबेरू एवं कमासिन के निर्माण कार्यों में तेजी लाये जाने हेतु कार्यदायी संस्था सीएनडीएस तथा कस्तूरबागांधी बडोखरखुर्द में हाईटेंशन लाइन को हटाये जाने हेतु विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने मध्यान्ह भोजन वितरण तथा विद्यालय में छात्र/छात्राओं की उपस्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि पंजीकरण के अनुसार बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

जनपद में चलाया गया विशेष बैंक चेकिंग अभियान

बांदा। सोमवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा राजेश एस. के आदेश के क्रम में पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध तथा अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा बैंकों/वित्तीय संस्थानों और उसके आसपास के क्षेत्रों में होने वाली घटनाओं लूट, छिनैती, चोरी तथा टप्पेबाजी आदि को नियंत्रित करने के लिए जनपद में विशेष बैंक चेकिंग अभियान चलाया गया । अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक बांदा शिवराज द्वारा एटीएम, बैंक शाखाओं व वित्तीय संस्थानों आदि को चेक किया गया । साथ ही जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा एटीएम, बैंक शाखाओं व वित्तीय संस्थानों आदि को चेक किया गया । चेकिंग के दौरान एटीएम,बैंकों में लगे सुरक्षा उपकरणों यथा सीसीटीवी कैमरों, आपातकालीन अलार्म तथा अग्निशामक यंत्रों आदि को चेक किया गया एवं सीसीटीवी कैमरों को 24 घण्टे चालू रखने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस द्वारा बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों से वार्ता कर उन्हे बैंक का कार्य सुचारू रुप से चलाने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था प्रदान करने का आश्वासन दिया गया ।

गंगा समग्र की प्रांतीय बैठक में गूंजा अवैध खनन का मुद्दा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- जिला संयोजक ने की कार्यवाही की मांग

बांदा। गंगा समग्र कानपुर प्रांतीय बैठक पर बांदा से जिला संयोजक महेश कुमार प्रजापति ने अपनी टीम के साथ प्रांतीय बैठक में सहभागिता की इसके बाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गंगा समग्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमरेंद्र सिंह जी से बांदा की जीवन दानी कहे जाने वाली केन नदी पर अवैध खनन को लेकर जानकारी दी और उनसे कहा कि लगातार केन नदी पर बालू माफिया के द्वारा नदी का सीना चीर जा रहा है। और अवैध खनन इतना ज्यादा किया जा रहा है कि आज पानी की दिक्कत हो रही है लोग घरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा पीने के लिए क्योंकि अवैध खनन सीमा से अधिक किया जा रहा है पूरे जिले पर कई बार गंगा समग्र के द्वारा मुद्दा भी उठाया गया लेकिन जिले के जिम्मेदार अधिकारी इस पर कार्रवाई करने को तैयार नहीं है क्योंकि सबके पास महीने की पेटी पहुंच जाती है।

बहुत जल्दी ही गंगा समग्र की समस्त आयाम की टीम केन नदी को लेकर संरक्षण पर विशेष नजर रखेगी और प्रत्येक जगह का सर्वे भी किया जाएगा जहां पर खदानें चल रही हैं की खदान की जगह पर कितनी अधिक बालू निकल जा रही है या फिर सीमा से अधिक बालू निकालकर बालू माफिया सरकार का राजस्व का नुकसान पहुंचा रहे हैं।

इसके बाद दूसरा मुद्दा नदी पर गिर रहे गंदे नाले जो की डायरेक्ट नदी पर गिर रहे हैं जिसका नदी का पानी पूरा काला पड़ चुका है और जो कि नहाने योग्य पानी नहीं है अगर कोई मनुष्य पानी पी लेता है तो वह बीमार हो जाएगा या उसकी मृत्यु भी हो सकती है इतना जहरीला पानी हो चुका है की नदी का वर्तमान समय में जो की यही पानी बांदा शहर में सभी मोहल्ले में सप्लाई की जाती है। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से लेकिन कई मोहल्ले में इतना गंदा पानी आता है की पीने योग्य नहीं होता है।

प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर पलटी बस में सवार एक दर्जन लोग घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बबेरू/बांदा। बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत मुरवल गांव के पास आज सोमवार की सुबह बांदा से बबेरू की तरफ जा रही तेज रफ्तार प्राइवेट बस यूपी 70 ठज 8944 अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें सवार लगभग एक दर्जन लोग घायल हो गए, शीतल देवी पत्नी रजनीश निवासी नोवाडी थाना पृथ्वीपुर, कमल यादव पुत्र कमतू निवासी पिस्ता थाना बिसंडा बांदा उम्र 40 वर्ष, करण पुत्र कमल यादव निवासी पिस्ता 17 वर्ष थाना बिसंडा बांदा, बालकेश पत्र जगमोहन उम्र 22 निवासी मझिला थाना बबेरू बांदा ,गुड़िया पत्नी वीरेंद्र विश्वकर्मा उम्र 30 वर्ष, निवासी उमरहनी थाना बबेरु, सुशीला पत्नी अंबिका प्रसाद उम्र 35 वर्ष निवासी बिलबई थाना बिसंडा ,सत्येंद्र यादव पुत्र विजय बहादुर 35 वर्ष निवासी गुजैनी थाना मरका बांदा ,अरविंद यादव पुत्र रामकरण उम्र 40 निवासी धुंधुई थाना कमासिन ,सुधा विश्वकर्मा पुत्र राम भरोसे उम्र 37 वर्ष निवासी उमरहनी थाना बबेरू, रोहित कुमार पुत्र देवेंद्र कुमार निवासी सुनऊंहली थाना बबेरू, सेल कुमार पत्नी गंगा प्रसाद निवासी कालूकुआं थाना कोतवाली नगर बांदा दीनदयाल पुत्र मुन्ना लाल उम्र 39 वर्ष निवासी बांदा नंदकिशोर पुत्र राजाराम उम्र 56 वर्ष, निवासी कैरी थाना बिसंडा, मनोज कुमार पुत्र राम मूरत उम्र 35 वर्ष निवासी राजापुर यह सभी लोग घायल हो गए, वही सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे बबेरू कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र सिंह राजावत व बबेरू पुलिस क्षेत्राधिकारी सौरभ सिंह मय फोर्स के साथ पहुंचकर बस में फंसे सभी लोगों को बाहर निकाला, और सभी घायलों को सीएचसी बबेरू में भर्ती कराया गया है। जहां पर चार लोगों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर के द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया है। वहीं शेष सभी का इलाज सीएचसी बबेरू में कराया गया है। वहीं अन्य सवारियों को मामूली चोटे आई हैं, और इस हादसे में कोई जान हानि का खतरा नहीं हुआ है। वहीं घायल यात्री की माने प्राइवेट बस चालक रोडवेज बस को ओवरटेक करते समय हादसा बताया गया है। फिलहाल पुलिस के द्वारा इस हादसे की जांच पड़ताल की जा रही है। वहीं बबेरू पुलिस क्षेत्रधिकारी सौरभ सिंह ने बताया कि मुरवल गांव के पास तेज रफ्तार प्राइवेट बस जो बांदा से बबेरू जा रही थी वह अनियंत्रित होकर पलट गई है।, जिसमें एक दर्जन लोग घायल हुए,सभी घायलों को बांदा जिला अस्पताल व सीएचसी बबेरू भेजा गया है।

न्यायालय में उपस्थिति हेतु चस्पा करी नोटिस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय के आदेश पर चस्पा की नोटिस

सफीपुर-उन्नाव। मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय के आदेश पर क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में पुलिस द्वारा अभियुक्त के घर पर नोटिस चस्पा कर संबंधित न्यायालय में उपस्थित हेतु उद्घोषणा कराई गई। कोतवाली क्षेत्र के मुरादपुर गांव निवासी एस सी/एस टी के आरोपी ताराचंद पुत्र स्वर्गीय देशराज लोध के न्यायालय में उपस्थिति न होने पर अभियुक्त के विरुद्ध माननीय न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / एस सी/एस टी कोर्ट संख्या 2 द्वारा धारा 84 के तहत मु0अ0सं0 282/24 धारा 115 (2)/ 352/118 (1)/ 131/109 बीएनएस व 3(2)(फ) एससी/एसटी एक्ट(फरार की उद्घोषणा की कार्यवाही के लिए आदेशित किया था।जिसपर क्षेत्राधिकारी सफीपुर मधुपनाथ मिश्रा के पर्यवेक्षण में सफीपुर थाना पुलिस द्वारा नियमानुसार मुनादी कराकर नोटिस चस्पा करते हुए अभियुक्त को संबंधित न्यायालय में उपस्थिति होने के लिए एलाउंस कराया गया।

वार्ड स्तर से जनाधार मजबूत करेंगी कांग्रेस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। सोमवार को संगठन सृजन को लेकर प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर शहर कांग्रेस कमेटी बांदा की आवश्यक बैठक कांग्रेस कार्यालय स्टेशन रोड बांदा में पुनः शहर अध्यक्ष नियुक्त हुई अफसाना शाह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश दीक्षित उपस्थित रहे। मीटिंग का संचालन कर रहे डा. संजय द्विवेदी दनादन ने अखिल भारतीय व प्रदेश कांग्रेस द्वारा निर्देशित एक्शन प्लान से सभी को अवगत कराया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष अफसाना शाह ने कहा मैं सभी का सहयोग चाहती हूं मैं वार्डों में, बूथों में संगठन खड़ा करूंगी, स्वयं हर बूथ पर पहुंचकर ढांचा तैयार करने का मेरा लक्ष्य है। संगठन में अनुशासन बहुत आवश्यक है। मैं अनुशासन बनाए रखने के लिए पूरे प्रयास ही नहीं तत्परता से कार्य करूंगी। हमें मिलकर राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करना है इसलिए हमें नए होनहार कार्यकर्ता सृजित करने हैं। मेहनत करने वाले कार्यकर्ता सम्मिलित किए जाएंगे।

छात्र-छात्राओं को शिक्षा का अधिकार अधिनियम की दी गई जानकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- विधिक जागरुकता शिविर का हुआ आयोजन

बांदा। सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांदा के तत्वावधान में तथा श्रम विभाग, बांदा के सहयोग से अटल आवासीय विद्यालय, ग्राम अछरौड़-बांदा में राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं को शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 तथा संगठित व असंगठित क्षेत्रों में कार्य करने वाले श्रमिकों को प्राप्त निःशुल्क विधिक सहायता के सम्बंध में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता श्रीपाल सिंह, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांदा द्वारा की गयी।

श्रीपाल सिंह, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांदा ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम प्राथमिक विद्यालयों के लिए बुनियादी मानक स्थापित करता हैं और प्रवेश शुल्क व बाल साक्षात्कार का विरोध करता हैं एवं गैर मान्यता प्राप्त संस्थानों के संचालन पर रोक लगाता हैं। किसी भी बच्चें को किसी भी प्रकार का शुल्क, प्रभार या व्यय देने की आवश्यकता नहीं होगी, जो उसे प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने और उसे पूरा करने में बाधा डालें, सिवाय उस बच्चें के जिसे उसके माता-पिता ने ऐसे स्कूल में दाखिला दिलाया हो जिसे सम्बन्धित सरकार वित्तपोषित नहीं करती हैं। यह अधिनियम विद्यालयों को किसी भी प्रकार का कम्पटीशन शुल्क लेने या प्रवेश के लिए छात्रों की स्क्रीनिंग करने से रोकता हैं। सभी विद्यालयों के लिए एक समान पाठ्यकम निर्धारित करता हैं ताकि सभी बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें। अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के तहत 06 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए बुनियादी शिक्षा में प्रवेश, उपस्थिति और पूर्णता सुनिश्चित करने का दायित्व सक्षम सरकार और स्थानीय प्राधिकारियों पर हैं। श्रीमती सुमन शुक्ला, पराविधिक स्वयं सेवक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण-बांदा द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अन्तर्गत शिक्षा का अधिकार प्रत्येक बच्चें का मौलिक अधिकार हैं। प्रत्येक बच्चे या व्यक्ति को निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा पाने अधिकार हैं, चाहें उसकी जाति, लिंग, राष्ट्रीयता या जातीयता कुछ भी हों। इस अधिनियम के तहत प्राईवेट / निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के बच्चों के लिए आरक्षित की गयी हैं। इस प्राविधान का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना हैं, जिससे वे समाज में समान अवसर प्राप्त कर सकें। सन्तोष कुमार अग्रहरि, सहायक श्रमायुक्त-बांदा द्वारा अपने वक्तव्य में कहा गया कि इस दिन सभी क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के योगदान को सम्मानित करने और उनके अधिकारों को मान्यता देने का अवसर होता हैं। यह केवल एक उत्सव नही बल्कि श्रमिक अधिकारों, निष्पक्ष श्रम नीतियों और सुरक्षित तथा समान कार्यस्थलों की आवश्यकता को रेखांकित करने का दिन भी हैं।

देश में श्रमिकों के प्रमुख श्रम अधिकारों में उचित और समय पर वेतन पाने का अधिकार, सुरक्षित कार्यस्थल का अधिकार, ट्रेड यूनियन बनाने और उसमें शामिल होने का अधिकार, सामाजिक सुरक्षा लाभों का अधिकार व कार्यस्थल पर भेदभाव से सुरक्षा आदि के अधिकार प्रदान करता हैं। श्रमिक अधिकारों को सुदृढ़ करता है, मानवतापूर्ण कार्य घण्टे, सम्मान और नौकरी की सुरक्षा की मांग करता है। जनार्दन उपाध्याय, प्रधानाचार्य अटल आवासीय विद्यालय, ग्राम अछरौड़-बांदा अपने सम्बोधन में देश के श्रमिकों के योगदान के फलस्वरुप उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर उनका उज्जवल भविष्य बनाना यह हमारा अधिकार हैं और जिसके प्रति हम अग्रसर हैं।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है–

1.	ई–निविदा सूचना सं.	1159–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ–तृतीय कॉल दिनांक 06.05.2025
2.	कार्य का नाम	02 वर्षों के लिए SSE/AC-SP/LKO के अधिकार क्षेत्र के तहत 1/1.5/2.0 टन क्षमता के विंडो/स्प्लिट ए.सी. प्लांट/3.0 टन तक के कैसेट ए.सी. और विभिन्न क्षमता के वॉटर कूलर का रिपेयर/रिकंडिशनिंग।
3.	अनुमानित लागत	रु. 94,75,915/– (चौरानवे लाख पचहत्तर हजार नौ सौ पंद्रह रुपये केवल)
4.	बयाना राशि	रु. 1,89,600/– (एक लाख नवासी हजार छः सौ रुपये केवल)
5.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	24 माह
6.	ई–निविदा फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 27.05.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:30 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा. उत्तर रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
7.	प्रस्ताव की वैधता	ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।

सूचना सं.: 1159–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ–तृतीय कॉल
दिनांक: 06.05.2025
1324/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

डीएम ने नगर निकायों संग की समीक्षा बैठक, दिए सख्त निर्देश

- हीटवेव, जलभराव और नाला निर्माण पर सख्त हुईं डीएम, दिए जरूरी निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। भीषण गर्मी और संभावित मानसूनी जलभराव की स्थिति से पहले जनहित से जुड़े बुनियादी मुद्दों पर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में सोमवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में नगर निकायों के कार्यों की गहन समीक्षा की। इस विशेष बैठक में नाला निर्माण, जल निकासी व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति और हीट वेव से निपटने की तैयारियों पर केंद्रित चर्चा की गई। डीएम ने नगर निकायवार नाला निर्माण कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि जनता जलभराव से त्रस्त न हो, इसके लिए सभी नालों की गहन सफाई सुनिश्चित की जाए। कोई भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। डीएम ने निर्देश दिया कि पंपसेटों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि आवश्यकता पड़ने पर जल निकासी के कार्य में विलंब न हो। साथ ही नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को स्पष्ट किया कि नाली निर्माण जैसे कार्यों को वे स्वयं अपने पर्यवेक्षण में पूरा कराएं, और यह सुनिश्चित करें कि कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। हीट वेव से राहत के लिए डीएम ने सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल की व्यवस्था व जागरूकता कार्यक्रम समयबद्ध तरीके से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन की प्राथमिकता है कि हर नागरिक को गर्मी और वर्षा दोनों से सुरक्षा मिले। इसलिए नगर निकाय न सिर्फ योजनाएं बनाएं, बल्कि धरातल पर उसका प्रभाव भी नजर आए।

ग्रामीण पेयजल व्यवस्था पर डीएम का फोकस

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने डीपीआरओ विशाल सिंह को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में खराब हैंडपंपों को तत्काल दुरुस्त कराया जाए ताकि लोगों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े। साथ ही बाढ़ संभावित ग्राम पंचायतों में कम से कम पांच-पांच हैंडपंपों को ऊंचा कर उनकी उच्चीकृत स्थापना सुनिश्चित की जाए, जिससे बाढ़ के समय भी सुरक्षित पेयजल उपलब्ध रह सके। बैठक में सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम संजय कुमार सिंह, डीडीओ दिनकर विद्यार्थी, डीपीआरओ विशाल सिंह सहित सभी नगर निकायों के ईओ उपस्थित रहे। डीएम ने सभी अधिकारियों से कहा कि तय समयसीमा के भीतर सभी कार्य पूरे किए जाएं और उसकी फील्ड रिपोर्ट प्रशासन को भेजी जाए।

गेहूं खरीद में रचा नया कीर्तिमान, किसानों की खुशहाली में जुड़ा नया अध्याय

- डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की रणनीतिक पहल से प्रदेश में दूसरे स्थान पर पहुंचा जनपद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में जनपद लखीमपुर खीरी ने गेहूं खरीद में नया इतिहास रचते हुए प्रदेश स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इस अभूतपूर्व उपलब्धि के पीछे डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की सक्रिय निगरानी, रणनीतिक प्रबंधन एवं किसान-हितैषी सोच का महत्वपूर्ण योगदान रहा। लखीमपुर खीरी जिले में अब तक 4641 किसानों से 40513.89 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। यह आंकड़ा न केवल प्रशासनिक व्यवस्था की सफलता को दर्शाता है, बल्कि जनपद के किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत भी है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि हमारा लक्ष्य यही है कि हर किसान को उसकी मेहनत का उचित मूल्य, समय से और बिना किसी बाधा के मिले। मोबाइल क्रय केंद्रों की शुरुआत इसी सोच का हिस्सा रही है, और इसका परिणाम हमारे सामने है। खरीद प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुलभ बनाने के लिए जिले में कुल 159 गेहूं क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें खाद्य विभाग के 28, पीसीएफ के 59, यूपीसीयू के 40, यूपीएसएस के 15 तथा भारतीय खाद्य निगम के 17 केंद्र शामिल हैं। इन सभी केंद्रों को मोबाइल क्रय केंद्रों में परिवर्तित कर दिया गया है, जिससे अब गेहूं की खरीद किसानों के द्वार पर जाकर की जा रही है। इस अभिनव पहल से किसानों को घंटों लाइन में खड़े होने या दूर-दराज के केंद्रों तक आने-जाने की आवश्यकता नहीं रही। भुगतान प्रक्रिया को भी पहले से कहीं अधिक तेज और पारदर्शी बनाया गया है। किसानों को उनके आधार लिंक्ड बैंक खातों में 24 से 48 घंटे के भीतर भुगतान किया जा रहा है। इससे किसान समय पर अपनी जरूरतें पूरी कर पा रहे हैं और बाजार में उनकी क्रय शक्ति भी बढ़ी है।

अयोध्या के सिद्ध पीठ लवकुश भवन में प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारंभ, मूर्तियों का कराया गया जलाधिवास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम धार्मिक नगरी अयोध्या में स्थित सिद्ध पीठ लवकुश भवन वाल्मीकि आश्रम में प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ भव्यता के साथ हुआ। महोत्सव की शुरुआत मूर्तियों के जलाधिवास संस्कार से की गई, जिसमें उन्हें शास्त्रीय विधि-विधान से जल में रखा गया। यह प्रक्रिया मूर्तियों में दिव्यता और प्राण-प्रतिष्ठा के पहले चरण के रूप में संपन्न होती है। जलाधिवास के पश्चात अन्नाधिवास की रस्म अदा की जाएगी, जिसमें मूर्तियों को अन्न में प्रतिष्ठित किया जाएगा। इस धार्मिक क्रम को प्रतिदिन परंपरागत और प्राणिक विधियों के अनुसार संपन्न किया जाएगा। इस प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत 108 शिवलिंग, गंगा जी की मूर्ति एवं दक्षिण मुखी हनुमान जी एवं नवदुर्गा की स्थापना की जाएगी। आयोजन की अगुवाई लवकुश भवन, वाल्मीकि आश्रम के महंत पूज्य राम केवल दास जी महाराज की अध्यक्षता में की जा रही है। सिद्ध पीठ में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है और पूरे परिसर में धार्मिक अनुष्ठानों की मंगलमय ध्वनि गूंज रही है। आयोजकों के अनुसार यह प्रतिष्ठा महोत्सव कई दिनों तक चलेगा और इसमें दूर-दूर से साधु-संतों एवं श्रद्धालुओं की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। मंदिर के उत्तराधिकारी ओम दास जी एवं रामदास जी नेवी पूजा पाठ मैं सम्मिलित रहे इस अवसर पर जजमान के रूप में , राजकुमार अग्रवाल गोरखपुर एवम कन्हैया लाल, रहे इस अवसर पर शंकर लाल खाटू वाले मधुबाला गुप्ता उषा खाटूवाले कौशल्या देवी प्रमोद अग्रवाल अंकित चौहान सहित कई जनपदों से पधारेभक्ति एवं शिष्य गण उपस्थित रहे।

पटेल संस्थान में सम्पन्न हुई बैठक

अजान खीरी। कूर्मि क्षत्रिय समाज कल्याण समिति की एक आवश्यक बैठक गोला नगर में मिल बाईपास रोड स्थित पटेल संस्थान में अध्यक्ष संजीव कुमार वर्मा व मंत्री आशिकर वर्मा की मौजूदगी में आयोजित हुई है।बैठक में निर्णय लिया गया यह कि हर महीने के दूसरे रविवार को मासिक बैठक नियमित तरीके से होना सुनिश्चित हुआ है। इस दौरान सामाजिक, शैक्षिक मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।वहीं संगठन को गतिशील बनाने एवं आपसी संवाद बढ़ाने के उपायों पर जोर दिया गया। इस मौके पर पटेल सुशील वर्मा, प्रधान अरविंद कुमार वर्मा, निवर्तमान कृषि अधिकारी रामअवतार वर्मा, शैलेंद्र कुमार वर्मा, गौरव वर्मा, अमित वर्मा, पटेल सुरेश चन्द वर्मा आदि मौजूद रहे।

रामकोट की परिक्रमा कर चौरासी कोस की परिक्रमा का हुआ समापन

- जयश्रीराम के उद्घोष के साथ सम्पन्न हुई चौरासी कोस की परिक्रमा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। चौरासी कोसी परिक्रमा पूरी कर अयोध्या धाम लौटे सद्गुरु कृपा मंडल के परिक्रमार्थियों ने सोमवार की सुबह पौराणिक रामकोट की परिक्रमा किया। चौरासी कोसी परिक्रमा पूरी कर मंगलवार को परिक्रमार्थियों का जत्था देर शाम मखभूमि मखौड़ा धाम बस्ती से अयोध्या लौटा। वहां परिक्रमार्थियों ने सरयू का दर्शन-पूजन, आरती किया। चौरासी कोसी परिक्रमार्थी रात भर सरयू तट पर डेरा डाले रहे। जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। अगले दिन सोमवार की सुबह सभी परिक्रमार्थियों द्वारा पवित्र सरयू नदी में स्नान किया गया। तत्पश्चात परिक्रमार्थी नयाघाट से रामकोट की परिक्रमा करने नंगे पैर पैदल रवाना हुए। सीताराम और रामनाम की धुन के साथ सभी परिक्रमार्थियों ने पौराणिक रामकोट की परिक्रमा पूरी करने के बाद सीताकुंड पहुंचे। पूरे परिक्रमा पथ पर परिक्रमार्थियों ने जय श्री राम के गगनभेदी उद्घोष किए। सीताकुंड पर परिक्रमार्थियों ने रात्रि विश्राम किया। सुबह रामार्चा पूजन, हवन, संतों के भंडारे संग चौरासी कोसी परिक्रमा का समापन हो जायेगा। इस अवसर पर सद्गुरु कृपा मंडल अयोध्याधाम चौरासीकोसी परिक्रमा के संचालक स्वामी गया शरण महाराज ने बताया कि उन्होंने बड़ी संख्या में परिक्रमार्थियों संग विगत 12 अप्रैल को अयोध्या धाम से चौरासी कोसी परिक्रमा आरंभ किया था। जो मखभूमि मखौड़ा धाम बस्ती पहुंची। वहां से 5 जिलों के विभिन्न पड़ावों से होते हुए मखौड़ा धाम से अयोध्याधाम पहुंची। सीताकुंड पर परिक्रमार्थी रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन रामार्चा पूजन, हवन, भंडारा के साथ चौरासी कोसी परिक्रमा का विश्राम हो जायेगा। रामकोट परिक्रमा में हजारों परिक्रमार्थी शामिल रहे। जिन्होंने परिक्रमा कर अपना जीवन धन्य बनाया।

दो नफर अभियुक्त110 लीटर यूरिया, कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरण के साथ गिरफ्तार

कुकरा खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी एवं अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी गोला के पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष मैलानी के नेतृत्व में जनपद खीरी में अवैध शराब निष्कर्षण/परिवहन की रोकथाम हेतु अभ्यस्त अपराधियों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में चलाये जा रहे अभियान के तहत दिनांक 05.मई को मैलानी पुलिस द्वारा दो नफर अभियुक्तगण 1.अरुण पुत्र नरायन सिंह निवासी ग्राम प्रतापपुर ग्रन्ट नं-10, 2.धर्मेन्द्र कुमार पुत्र विक्रम सिंह निवासी ग्राम गंगापुर ग्रन्ट नं0 10 थाना मैलानी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तो के कब्जे से 110 ली0 यूरिया अपमिश्रित कच्ची नाजायज शराब व यूरिया खाद एक किलो दो सौ ग्राम व शराब बनाने के उपकरण बरामद किया गया। सभी अवैध चीजो का नमूना मोहर लेकर मौके पर 600 ली0 लहन को नष्ट किया गया। अभियुक्तगण उपरोक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0 स0 181/2025 धारा 60(2) आबकारी अधि0 व 274 बीएनएस पंजीकृत किया गया।

संक्षिप्त समाचार

नीमगांव में गुड़ व्यापारी मुनीम से लूट का आखिरी आरोपी गिरफ्तार, 37 हजार रुपये बाइक बरामद

नीमगांव खीरी। नीमगांव थाना क्षेत्र में 25 अप्रैल को हुई चार लाख रुपये की लूट के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान चमन पाठक के रूप में हुई है, जो हरदोई जिले के टड़ियावा थाना क्षेत्र के जयराजपुर का रहने वाला है। सीओ मितौली शमशेर बहादुर सिंह के अनुसार, इंस्पेक्टर नीमगांव आलोक धीमान और एसआई जितेंद्र पाल सिंह रविवार को क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से लूट के 37 हजार रुपये, बाइक, बैग और पीड़ित का आधार कार्ड बरामद हुआ पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी एक संगठित गिरोह का हिस्सा है। इस मामले में लूट की धारा जोड़ी गई है। अब इस केस की जांच इंस्पेक्टर आलोक धीमान को सौंपी गई है। सीओ ने बताया कि पकड़े गए आरोपी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

जिले में टाप10 मे रहे निहाल श्री वास्तव को भाजपा मंडल अध्यक्ष अनुज सिंह चौहान ने किया सम्मानित

बरबर खीरी। भज्जालाल इंटर कॉलेज जसमणी के इंटरमीडिएट के छात्र निहाल श्रीवास्तव पुत्र प्रवीण श्रीवास्तव निवासी मोहल्ला विजयनगर कस्बा बरबर का जिले में टॉप टेन सूची में आने से भाजपा मंडल अध्यक्ष अनुज सिंह चौहान व युवा मोर्चा नेता शिवम् मिश्रा ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। निहाल श्रीवास्तव ने इंटरमीडिएट में बगैर कोचिंग में लखीमपुर जिले में टॉप टेन में स्थान प्राप्त किया। निहाल के पिता प्रवीण श्रीवास्तव पेट्रोल पंप पर मुनीम है। तथा माता मोहिनी श्रीवास्तव एक गृहिणी है। निहाल श्रीवास्तव का हाइस्कूल में भी स्कूल में प्रथम स्थान रहा था।

अवैध रूप से चल रहे शिफा क्लीनिक को स्वास्थ्य विभाग की नोटिस

बरवर खीरी। नगर पंचयात बरवर मे चल रहे अवैध तरीके से शिफा क्लीनिक स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मारा छापा जिसमें नोडल अधिकारी/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र औरंगाबाद के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ निशांत गुप्ता के नेतृत्व में टीम ने कस्बा बरवर में शिफा क्लीनिक का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिसमें कई अनियमितताएं मिलीं।चिकित्साधिकारी डा निशांत गुप्ता ने बताया कि क्लीनिक संचालक ने उन्हें न तो कोई अभिलेख दिखाएऔर नोटिस भी नहीं लिया। डॉ निशांत गुप्ता ने बताया कि क्लीनिक संचालक को रजिस्टर्ड डाक से नोटिस भेजा जाएगा ।टीम में एसटीएस राजेन्द्र सिंह, कन्हैया रहे।

इंडियन बैंक की मिनी बैंक खोली गई जिसका उद्घाटन समाजसेवी भवानी शंकर माहेश्वरी द्वारा किया गया

मैलानी खीरी। मैलानी नगर के दामोदरपुर में इंडियन बैंक की मिनी बैंक खोली गई है, जिसका उद्घाटन नगर पंचायत अध्यक्षा कीर्ति माहेश्वरी के पति और समाज सेवी भवानी शंकर माहेश्वरी ने किया। इस मिनी बैंक संचालन विनोद कुमार गुप्ता के द्वारा किया जायेगा। अब इंडियन बैंक के खाता धारकों को काफी सहूलियत मिलेगी और बैंक में भीड़ भी नही रहेगी, जिससे कार्य करने में भी आसानी हो जायेगी। इस अवसर पर धर्म चंद्र गोयल,राकेश सिंघल,प्रताप सिंह रावत,अशर्फीलाल गुप्ता,संतोष गुप्ता सहित कई लोग उपस्थित रहे।

डीएम ने अफसरों, कलेक्ट्रेट कर्मियों संग नवपरिवर्तित सभागार में किया प्रवेश

- लखीमपुर कलेक्ट्रेट को मिली नई पहचान 'अटल सभागार'

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जनपद लखीमपुर खीरी में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पुराने सभागार का नवीनीकरण (सौंदर्यीकरण) कार्य पूर्ण हो गया है। सोमवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्रशासनिक अफसरों और कलेक्ट्रेट कर्मियों के साथ नवपरिवर्तित सभागार में भव्य प्रवेश किया और इसे ''अटल सभागार'' के नाम से जनता को समर्पित किया। यह नामकरण भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सम्मान में किया गया है, जिनकी दूरदर्शी नेतृत्व शैली और लोकतांत्रिक मूल्यों की आज भी मिसाल दी जाती है।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि 'अटल सभागार' केवल एक भवन नहीं, बल्कि जनपद प्रशासन की कार्यसंस्कृति और विचारशीलता का प्रतीक बनेगा। यह स्थान नीतियों के निर्माण, योजनाओं की समीक्षा और जनता से जुड़ी संवेदनशील चर्चाओं का केंद्र बनेगा। ठीक वैसे ही जैसे अटल जी का जीवन संवाद, समाधान और समर्पण का प्रतीक रहा। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट परिवार का उत्साह देखने लायक था। डीएम ने कलेक्ट्रेट कर्मियों को मिठाई खिलाई और सभी को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

एडीएम संजय कुमार सिंह ने कहा कि यह हमारे लिए गौरव का क्षण है कि कलेक्ट्रेट परिसर को आज 'अटल सभागार' के रूप में एक नई पहचान मिली है। यह केवल एक संरचना नहीं, बल्कि प्रशासनिक मूल्यों और जनसेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का सजीव प्रतीक है। पूर्व पीएम भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की विचारशीलता, संवाद की शैली और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा अब इस सभागार की आत्मा बनेगी। कहा कि डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के नेतृत्व में यह सभागार न केवल भौतिक रूप से आधुनिक हुआ है, बल्कि प्रशासनिक दृष्टिकोण से भी एक नई सोच को प्रतिबिंबित करता है। यहां होने वाली चर्चाएं, योजनाएं और निर्णय निश्चय ही जनपद के विकास को नई दिशा देंगे।

आधुनिकता और सांस्कृतिक गौरव से सजा अटल सभागार

पुनरुद्धार के बाद 'अटल सभागार' न केवल तकनीकी दृष्टि से आधुनिक बना है, बल्कि इसमें सांस्कृतिक और ऐतिहासिक चेतना का भी समावेश किया गया है। सभागार को अत्याधुनिक साउंड सिस्टम, आकर्षक साज-सज्जा, वातानुकूलन और सुविधाजनक बैठक व्यवस्था से सुसज्जित किया गया है, जिससे यह प्रशासनिक बैठकों, प्रशिक्षणों और गोष्ठियों के लिए आदर्श मंच बन गया है। इसके साथ ही सभागार को जनपद की पहचान से भी जोड़ा गया है। इसमें दुधवा नेशनल पार्क, ऐतिहासिक मेंढक मंदिर, गोला गोकरननाथ (छोटी काशी) जैसे प्रमुख स्थलों तथा महापुरुषों की भव्य फोटो गैलरी भी स्थापित की गई है। यह पहल सभागार को केवल एक प्रशासनिक स्थल नहीं, बल्कि जनपद की सांस्कृतिक विरासत और प्रेरणा का केंद्र भी बनाती है। इस कार्यक्रम में एडीएम संजय कुमार सिंह, एडीएम (न्यायिक) अनिल रस्तोगी, एसडीएम अमिता यादव, एसओसी संजय आनंद, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी कलेक्ट्रेट शिव प्रकाश सक्सेना, प्रशासनिक अधिकारी मो. सलीम, सुधीर सोनी, विवेक सक्सेना, सुरेश कुमार, सुरेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने नवपरिवर्तित सभागार की सराहना करते हुए इसे प्रशासनिक कार्यसंस्कृति के सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

स्थापत्य वास्तु ज्ञान यज्ञ कथा एवं सत्संग के समापन दिवस के अवसर पर हवन यज्ञ का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलिया कला खीरी। बजाज हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल पलिया में स्थित शिव मंदिर के भव्य प्रांगण में चल रहे , स्थापत्य वास्तु ज्ञान यज्ञ कथा एवं सत्संग के समापन दिवस के अवसर पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। उत्तराखंड से आये आचार्यों द्वारा मुख्य यजमान युनिट हेड ओ पी चौहान व उनकी पत्नी श्रीमती सावीं चौहान से हवन पूजन प्रारंभ कराया। इस अवसर पर उदयप्रताप सिंह, हरिपाल सिंह, राजीव तोमर, संजीव दुबे, मोहित अवस्थी, वीरेंद्र सिंह,मनोज मिश्रा, सतीश श्रीवास्तव, सहित सैकड़ों लोगों ने हवन कुंड में आहुति डाली। इसके पश्चात युनिट हेड ने कन्याओ को भोजन करा कर दक्षिणा भेंट कर आशीर्वाद लिया, तत्पश्चात विशाल भंडारे में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

अंडर-17 टी-20 प्रीमियर लीग में प्रेसिडेंट पार्क टाइगर्स ने टीवीएस रेसेस को 9 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। रोटरी क्लब द्वारा आयोजित लखीमपुर प्रीमियर लीग ट्20 अंडर 17 क्रिकेट टूर्नामेंट के पांचवे दिन सोमवार को रॉयल प्रूडेंस डिग्री कॉलेज क्रिकेट ग्राउंड में टीवीएस रेसर बनाम प्रेसिडेंट पार्क टाइगर्स के बीच सेमीफाइनल मैच खेला गया जिसमें प्रेसिडेंट पार्क टाइगर्स की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रेसिडेंट पार्क की टीम ने 154 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया । प्रेसिडेंट पार्क टाइगर की तरफ से आजाद ने 40 बॉल पर 59 रन और कप्तान इशू वर्मा ने 24 रन बनाए । टीवीएस रेसर की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 145 रन पर ऑल आउट हो गई और टीम को एक रोमांचक मुकाबले में सिर्फ 9 रनों से हार का सामना करना पड़ा । टीवीएस रेसर की तरफ से सबसे ज्यादा रन आलोक ने 56 रन बनाए । प्रेसिडेंट पार्क टाइगर्स की तरफ से शैलेंद्र यादव ने दो विकेट लिए अपनी टीम को फाइनल में प्रवेश कराया। मैच के दौरान प्रेसिडेंट पार्क टाइगर्स के ऑनर पुनीत अग्रवाल व रोटरी क्लब के मेंबर्स भी उपस्थित रहे । साथ ही लखीमपुर क्रिकेट अकादमी के कोच मनीष बंसल और श्याम मोहन श्रीवास्तव भी मौजूद थे । अंपायर की भूमिका तनु सिंह और सौरव मिश्रा ने भूमिका निभाई ,जबकि लाइव कमेंट्री का संचालन ईशा वर्मा और स्कोरर की शिवा वर्मा ने निभाई । फाइनल मुकाबला प्रेसीडेंट पार्क और आईबीएच सॉल्यूशन के बीच खेला जायेगा ।

डीजी कॉलेज के लिपिक से अधिक वेतन की वसूली पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कानपुर नगर में डीजी कॉलेज के लिपिक से शिक्षा निदेशक के आदेश से वसूली आदेश पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि बिना कोर्ट की अनुमति लिए आदेश प्रभावी नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने वेतन पुनर्निधारण के बाद हुए अधिक भुगतान की वसूली आदेश की वैधता की चुनौती याचिका पर राज्य सरकार से तीन सप्ताह में जवाब मांगा है। याचिका की अगली सुनवाई 8 जुलाई को होगी। यह आदेश में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की एकल पीठ ने रवि श्रीवास्तव व 19 अन्य की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याचीगण की तरफ से उच्च न्यायालय के अधिवक्ता सुनील श्रीवास्तव और अविनाश रंजन श्रीवास्तव ने बहस की। याची डीजी कॉलेज कानपुर नगर में लिपिक पद पर कार्यरत है। वर्ष 2017 में विभाग द्वारा वेतन निर्धारण किया गया था। पांच फरवरी 2025 को शिक्षा निदेशक ने अधिक वेतन भुगतान की वसूली का आदेश दिया।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की ओर से समाजसेवी कृष्ण कुमार पाण्डेय को किया गया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अखिल भारतीय ब्राह्मण महा सभा गोला गोकर्णनाथ के सम्मानित वरिष्ठ साथियों ने शहर के बुजुर्ग समाजसेवी कृष्ण कुमार पांडे सेवानिवृत प्रबंधक जिला सहकारी बैंक गोला गोकर्णनाथ के आवास पर जाकर उनका रोली अक्षत से तिलक कर ,माल्यार्पण किया , तथा उत्तरीय ओढ़ाकर सम्मानित किया। ज्ञात हो अक्षय तृतीया के उपलक्ष में आयोजित अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में नगर के बुजुर्गों का सम्मान किया गया था उस दिन कृष्ण कुमार पांडे अति आवश्यक कार्य से बाहर होने के कारण कार्यक्रम में उपस्थित नहीं रह सके थे ,समिति ने यह निर्णय लिया था ,कि हमारे जो भी अतिथि बुजुर्ग गत कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके हैं, उनके आवास पर जाकर उनका सम्मान समिति द्वारा किया जाए। इसी श्रृंखला में राम सेवक शुक्ला पूर्व प्रबंधक धर्मादा समिति गौशाला एवं पूर्व सभासद नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष के पिता तथा लब्ध प्रतिष्ठित वरिष्ठ कवि एवं संतोष कुमार त्रिपाठी एडवोकेट के पूज्य पिताजी आदरणीय मुरलीधर त्रिपाठी का भी सम्मान उनके आवास पर जाकर किया गया था। इस इस अवसर पर पंडित राममूर्ति शुक्ला पूर्व सभासद,पंडित श्याम मूर्ति शुक्ला, पंडित संजय कुमार शुक्ला, पंडित हरिओम मिश्रा पूर्व सभासद,पंडित तुषार त्रिवेदी,पंडित,जितेंद्र मोहन मिश्रा राजदीप शुक्ला पत्रकार अनमोल पांडे सुरेश चंद्र गुप्ता एडवोकेट तथा नगर पालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष राजकुमारी पांडे भी उपस्थित रही।

प्लेआफ की प्रबल दावेदार मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस आमने सामने

एजेंसी

मुंबई। प्लेआफ में पहुंचने की प्रबल दावेदार मुंबई इंडियंस का सामना आईपीएल में मंगलवार को गुजरात टाइटंस से होगा तो फॉर्म में चल रहे गुजरात के शीर्षक्रम के तीनों बल्लेबाजों के लिये बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने की कड़ी चुनौती होगी। सभी टीमों में सर्वश्रेष्ठ नेट रनरेट वाली मुंबई की टीम को बाकी तीन में से दो मैच जीतने होंगे ताकि प्लेआफ में प्रवेश कर सके। पांच बार की चैम्पियन टीम इनमें से दो मैच अपने मैदान पर खेलेगी जहां उसने पांच में से चार मैच जीते हैं। वहीं चौथी रैंकिंग वाली गुजरात की टीम को अभी चार मैच खेलने हैं जिनमें से दो अहमदाबाद में खेलने हैं

जहां उसने पांच में से चार मैच जीते हैं। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम को भी प्लेआफ में पहुंचने के लिये दो मैच और जीतने हैं। गुजरात के बी साइ सुदर्शन (504 रन), जोस बटलर (470) और कप्तान गिल (465) जबर्दस्त फॉर्म में हैं। अब उन्हें मुंबई के ट्रेंट बोल्ट (16 विकेट), हार्दिक पंड्या (13), जसप्रीत बुमराह (11) और दीपक चाहर (नौ) का सामना करना है जो आसान नहीं होगा। मुंबई के जीत की राह पर लौटने के बाद से इन्होंने किसी मैच में 200 से अधिक रन विरोधी टीम को बनाने नहीं दिये हैं। मुंबई खराब शुरूआत के बाद लगातार छह मैच जीतकर आत्मविश्वास से ओतप्रोत है। गुजरात की सफलता की कुंजी उसके बल्लेबाजों का प्रदर्शन रही है। दूसरी ओर मुंबई को भी लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात के शानदार रिकॉर्ड से चिंता हो रही होगी। गुजरात ने लक्ष्य का पीछा करते हुए तीन मैच भारी अंतर से जीते हैं। गुजरात के शीर्ष तीन बल्लेबाजों के शानदार फॉर्म के कारण बाकी बल्लेबाजों की परीक्षा नहीं हो सकी है। मध्यक्रम में शेरफान रदरफोर्ड (201) को कुछ मौका मिला है।

मुंबई के गेंदबाजों का लक्ष्य अब गुजरात के शीर्षक्रम को सस्ते में आउट करने का होगा। तीन सत्र पहले हार्दिक की कप्तानी में गुजरात ने पदार्पण के साथ आईपीएल खिताब जीता था। वही हार्दिक अब मुंबई के कप्तान हैं जिसने बेहद औसत शुरूआत के बाद वापसी की है। हार्दिक खुद 157 रन बनाने के साथ 13 विकेट ले चुके हैं। रोहित शर्मा (293 रन) और सूर्यकुमार यादव (475 रन) भी फॉर्म में हैं। रियान रिकेलटन (334 रन) धीमी शुरूआत के बाद लय पकड़ चुके हैं। तिलक वर्मा (239) और नमन धीर (155) बल्लेबाजी को गहराई देते हैं। वहीं कैगिसो रबाडा की गैर मौजूदगी में भी गुजरात के गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। रबाडा मनोरंजन के लिये प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के कारण प्रतिबंध झेल रहे हैं और अभी यह पता नहीं है कि वह लौट पायेंगे या नहीं। गुजरात के प्रसिद्ध कृष्णा 19 विकेट लेकर परपल कैप पहन चुके हैं जबकि मोहम्मद सिराज ने 14 और आर साइ किशोर ने 12 विकेट लिये हैं।

इंग्लिश को तीसरे नंबर पर भेजना अय्यर का फैसला था: पोंटिंग

एजेंसी

धर्मशाला। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया कि लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव का सामना करने के लिए जोश इंग्लिश को बल्लेबाजी के लिए तीसरे नंबर पर भेजने का फैसला कप्तान श्रेयस अय्यर का था। इंग्लिश ने इस सत्र में अधिकतर समय मध्यक्रम में बल्लेबाजी की थी। लखनऊ के खिलाफ उन्होंने मयंक को अपने निशाने पर रखा तथा 14 गेंद में 30 रन बनाए। पंजाब ने यह मैच 37 रन से जीता। पोंटिंग ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''इंग्लिश को तीसरे नंबर पर भेजने का फैसला कप्तान का था। यहां की पिच और विरोधी टीम के आक्रमण को देखते हुए उनका मानना था कि अगर विकेट जल्दी गिर जाता है तो फिर

इंग्लिश को भेजना सही होगा। उन्होंने कहा, ''हम यह मानकर चल रहे थे कि मयंक शुरू में गेंदबाजी करेगा। अगर आप उसकी गेंदबाजी पर गौर करो तो वह बहुत अधिक शॉर्ट पिच गेंदबाजी करता है और इंग्लिश इस तरह की गेंदों को खेलने में माहिर है जैसा कि हमने इस मैच में भी देखा। उनके पुल शॉट अद्भुत थे। पोंटिंग ने कहा, ''इंग्लिश को तीसरे नंबर पर भेजने का फैसला लखनऊ के लिए भी हैरानी भरा था और इसका हमें फायदा मिला। हमारी बल्लेबाजी में काफी गहराई है और इससे हमारे शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका मिलता है। लखनऊ के बल्लेबाज और 40 गेंद पर 74 रन बनाने वाले आयुष बडोनी ने स्वीकार किया कि पंजाब किंग्स से हार में पावरप्ले में तीन विकेट खोना महंगा साबित हुआ। लखनऊ ने 200 से अधिक रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने चोटी के तीन बल्लेबाज मिशेल मार्श, निकोलस पूरन और एडेन मार्क्रम के विकेट जल्दी को दिए थे। बडोनी ने मैच के बाद कहा, ''मुझे लगता है कि हम 10-15 रन और रोक सकते थे, लेकिन लक्ष्य अभी भी हासिल किया जा सकता था। विकेट बहुत अच्छा था। उन्होंने कहा, ''पावर प्ले में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। अगर हमने बेहतर शुरुआत की होती तो नतीजा किसी भी तरफ जा सकता था।

संक्षिप्त समाचार

श्रीकांत, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की नजरें ताइपे ओपन में लय हासिल करने पर

ताइपे। लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे किदाम्बी श्रीकांत और कई भारतीय युवा बैडमिंटन खिलाड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे 240000 डॉलर ईनामी राशि के ताइपे ओपन में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत लगातार चोटों और खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं जिसके कारण वह मौजूदा बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में 61वें स्थान पर खिसक गए हैं। विश्व चैम्पियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता 32 वर्ष के श्रीकांत पिछले साल 14 टूर्नामेंटों में खेले और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन स्विस ओपन में रहा जिसमें वह सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। इस साल श्रीकांत ने पांच टूर्नामेंट खेले और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट में रहा जिसमें वह क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। श्रीकांत का सामना पहले दौर में हमवतन एस शंकर मुथुस्वामी सुब्रहमण्यम से होगा जिन्होंने इस साल मार्च में स्विस ओपन में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को हराया था। विश्व जूनियर चैम्पियनशिप 2023 कांस्य पदक विजेता आयुष शेट्टी पहले दौर में चीनी ताइपे के तीसरी वरीयता प्राप्त ली चिया हाओ से खेलेंगे। राष्ट्रीय खेल 2023 के स्वर्ण पदक विजेता तरूण मन्नेपल्ली का सामना जापान के शोगो ओगावा से होगा जबकि एम लुवांग मेसनाम की टक्कर सातवीं वरीयता प्राप्त कनाडा के ब्रायन यांग से होगा। महिला वर्ग में अनुपमा उपाध्याय और उन्नति हुड्डा पहले दौर में आमने सामने होंगी। अनमोल खरब और रक्षिता श्री संतोष रामराज की नजरें भी आगे तक जाने पर लगी होंगी। आकर्षि कश्यप भी दौड़ में है।

भारत के पर्व चौधरी ने युवा एवं जूनियर विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

लीमा (पेरू)। भारतीय भारोत्तोलक पर्व चौधरी ने यहां आईडब्ल्यूएफ युवा और जूनियर विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। पर्व ने लड़कों के युवा वर्ग के 96 किग्रा भार वर्ग में कुल 315 किग्रा वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 140 किग्रा वजन उठाया। क्लीन एवं जर्क में उन्होंने 175 किग्रा वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। मौजूदा टूर्नामेंट में यह भारत का तीसरा पदक है। ज्योशना सबर (40 किग्रा) और हर्षबर्धन साहू (49 किग्रा) ने भी पिछले सप्ताह अपने-अपने भार वर्ग में कांस्य पदक जीते थे। विश्व चैंपियनशिप में, ओलंपिक खेलों के विपरीत, स्नैच, क्लीन एवं जर्क और कुल वजन के लिए अलग-अलग पदक दिए जाते हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद ने हर्ष दुबे को टीम में शामिल किया

नयी दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग के शेष सत्र के लिए चोटिल होने के कारण बाहर होने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज स्मरण रविचंद्रन के स्थान पर हरफनमौला हर्ष दुबे को टीम में शामिल किया है। घरेलू क्रिकेट में विदर्भ की तरफ से खेलने वाले दुबे को सनराइजर्स ने 30 लाख रुपये में अपनी टीम से जोड़ा है। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने 16 टी20, 20 लिस्ट ए मैच और 18 प्रथम श्रेणी खेले हैं। उन्होंने सभी प्रारूपों में 127 विकेट और 941 रन बनाए हैं। इस साल की शुरुआत में, उन्हें रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। रणजी ट्रॉफी में उन्होंने 476 रन बनाए और 69 विकेट लिए। कर्नाटक के बाएं हाथ के बल्लेबाज 21 वर्षीय स्मरण को पिछले महीने घायल एडम ज़म्पा की जगह टीम में शामिल किया गया था।

बीते वित्त वर्ष में लौह अयस्क उत्पादन 4.3 प्रतिशत बढ़कर 28.9 करोड़ टन पर

नयी दिल्ली। देश का लौह अयस्क उत्पादन बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 4.3 प्रतिशत बढ़कर 28.9 करोड़ टन रहा है। खान मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। लौह अयस्क का उत्पादन 2023-24 में 27.7 करोड़ टन रहा था। लौह अयस्क के उत्पादन में निरंतर वृद्धि उपयोगकर्ता उद्योग यानी इस्पात में मजबूत मांग की स्थिति को दर्शाती है। मैंगनीज अयस्क का उत्पादन 2024-25 में बढ़कर 38 लाख टन हो गया, जो 2023-24 में 34 लाख टन था। प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन 2023-24 के 41.6 लाख टन (एलटी) से बढ़कर पिछले वित्त वर्ष में 42 लाख टन हो गया। परिष्कृत तांबे के उत्पादन में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो 2023-24 के 5.09 लाख टन से बढ़कर 2024-25 में 5.73 लाख टन हो गया। भारत दूसरा सबसे बड़ा एल्युमीनियम उत्पादक है। इसके अलावा यह परिष्कृत तांबे के शीर्ष 10 उत्पादकों में से एक है और दुनिया में चौथा सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक है।

कंपनियों के लिए एयरटेल बिजनेस की बिज़नेस नेम डिस्प्ले सेवा शुरू

नयी दिल्ली। एयरटेल बिज़नेस ने आज 'बिज़नेस नेम डिस्प्ले' (बीएनडी) सेवा के लॉन्च की घोषणा की। यह सेवा उद्योग में अपनी तरह की पहली, नई तकनीक पर आधारित सुविधा है, जिसका उद्देश्य कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच होने वाले संवाद को अधिक विश्वसनीय और प्रभावी बनाना है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इसके ज़रिए कंपनियां, अपनी आउटगोइंग कॉल के दौरान ग्राहकों के मोबाइल स्क्रीन पर अपना ब्रांड नाम प्रदर्शित कर सकेंगी, जिससे ग्राहकों को भरोसेमंद बिज़नेस कॉल्स और स्पैम कॉल्स के बीच आसानी से अंतर करने में मदद मिलेगी। एयरटेल ने अपने ग्राहकों को स्पैम कॉल से राहत दिलाने के लिए भारत का पहला स्पैम-रोधी नेटवर्क शुरू किया है। इस पहल को देशभर में चलाए गए एक बड़े जनजागरूकता अभियान के ज़रिए ग्राहकों तक पहुंचाया गया, ताकि वे इस समस्या को बेहतर तरीके से समझ सकें और सतर्क रह सकें। इस पहल के चलते एक ओर जहां स्पैम कॉल्स को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी और उन्होंने अनजान या स्पैम के रूप में चिन्हित कॉल्स को अनदेखा करना शुरू किया, वहीं दूसरी ओर इसका एक अनचाहा असर यह हुआ कि कई ब्रांड्स की कॉल भी स्पैम के तौर पर टैग हो गईं।

प्लेआफ का सपना अभी भी बरकरार, हम हालात बदल सकते हैं : पंत

धर्मशाला, पांच मई (भाषा) खराब प्रदर्शन से निराश लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने अभी भी आईपीएल प्लेआफ में प्रवेश की उम्मीद छोड़ी नहीं है और उनका मानना है कि बाकी तीन मैचों में उनकी टीम हालात बदल सकती है। बल्लेबाजों के एक बार फिर खराब प्रदर्शन के कारण लखनऊ को रविवार को पंजाब किंग्स ने 37 रन से हराया। लखनऊ के अब 11 मैचों में दस अंक है और तालिका में वह सातवें स्थान पर है। टीम का नेट रनरेट माइनस 0.47 है और सिर्फ बाकी तीन मैच जीतने से पंत की टीम प्लेआफ में नहीं पहुंच सकेगी। पंत ने मैच के बाद कहा ,'' सपना अभी भी बरकरार है। अगर हम अगले तीन मैच जीत जाये तो हालात बदल सकते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि 236 रन का लक्ष्य बहुत अधिक था और उनकी फील्डिंग भी औसत रही।

उन्होंने कहा ,''हमने बहुत रन दे दिये। निर्णायक समय पर कैच टपकाने का खामियाजा भुगतना पड़ता है। हमने शुरूआत ही अच्छी नहीं की लेकिन यह होता है।''

एफ1 मियामी जीपी 2025: पियास्त्री ने लगाई जीत की हैट्रिक

एजेंसी

मियामी। ऑस्कर पियास्त्री ने रविवार को मियामी ग्रां प्री जीतकर न केवल अपनी लगातार तीसरी जीत हासिल की, बल्कि मैकलॉरेन टीम को भी एक और यादगार वन-टू फिनिश दिलाया। चौथे स्थान से रेस शुरू करने वाले ऑस्ट्रेलियाई ड्राइवर ने शानदार तरीके से आगे बढ़ते हुए जीत दर्ज की और अब वह चैंपियनशिप में टीममेट लैंडो नॉरिस से 16 अंकों से आगे हैं। दो साल पहले मियामी में सबसे धीमी टीम कही जाने वाली मैकलॉरेन ने अब वही रेस 35 सेकंड से ज्यादा के अंतर से जीत ली। पियास्त्री ने जीत के बाद कहा, यह अविश्वसनीय है कि हम वहीं हैं जहां पहले हम लैप डाउन होते थे। रेड बुल के मौजूदा चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन पोल पोजिशन से रेस शुरू करने के बावजूद चौथे स्थान पर रहे। मैकलॉरेन के दोनों ड्राइवरों ने उन्हें ओवरटेक किया और मियामी में पोल पोजिशन से जीत नहीं होने की परंपरा को कायम रखा। मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन वह भी विजेता से 37.644 सेकंड पीछे रहे। विलियम्स के एलेक्स एल्बोन पांचवें स्थान पर रहे, जबकि मर्सिडीज के किमी एंटोनेली और फ़ेरारी के चार्ल्स लेक्लेर व लुईस हैमिल्टन क्रमशः छठे, सातवें और आठवें स्थान पर रहे। रेस की पहली लैप में ही रोमांच देखने को मिला जब लैंडो नॉरिस और मैक्स वेरस्टैपेन के बीच टर्न-2 पर टक्कर हुई, जिससे नॉरिस को ट्रैक से बाहर जाना पड़ा और तीन स्थानों का नुकसान हुआ। हालांकि, स्टीवर्ड्स ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। नॉरिस ने कहा, अगर मैं आगे नहीं जाता तो लोग शिकायत करते, और अगर जाता हूं तो भी शिकायत होती है। मैक्स के साथ तो या टक्कर होगी या ओवरटेक नहीं हो पाएगा। पियास्त्री ने एंटोनेली को लैप-4 में ओवरटेक किया और फिर वेरस्टैपेन को भी पीछे छोड़ा। नॉरिस ने भी शानदार वापसी करते हुए लैप-17 तक वेरस्टैपेन को पार किया और दूसरे स्थान पर आए। रेस के दौरान तीन बार वर्चुअल सेफ्टी कार आई, जिसमें अल्पाइन, हास और सोबर की गाड़ियों ने रेस छोड़ी।

मैं बहुत आगे के बारे में नहीं सोचता और वर्तमान में जीने का पूरा आनंद लेता हूं: अर्शदीप सिंह

धर्मशाला। पंजाब किंग्स की लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच में जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का जीवन जीने का तरीका बेहद सरल है, बहुत आगे के बारे में नहीं सोचना और वर्तमान में जीने का पूरा आनंद लेना। अर्शदीप ने लखनऊ के चोटी के तीन बल्लेबाजों को आउट करके पंजाब को शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने अब तक आईपीएल के वर्तमान सत्र में 11 मैचों में 16 विकेट ले लिए हैं और प्रसिद्ध कृष्णा (19 विकेट) और जोश हेज़लवुड (18 विकेट) के बाद सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। अर्शदीप ने मैच के बाद कहा, ''मैं बहुत आगे के बारे में नहीं सोचता और अभी केवल वर्तमान में जीने का पूरा आनंद ले रहा हूं। हम एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यहां शुरू में गेंद को थोड़ा मूवमेंट मिल रहा था।

सोने के भाव में तेजी, चांदी की घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिन से लगातार गिरावट का सामना करने के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। सर्राफा बाजारों में सोना आज 200 रुपये से लेकर 220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 95,730 रुपये से लेकर 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,750 रुपये से लेकर 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 97,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 87,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,730 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लिट्टन दास की अगुवाई में बंगलादेश की टीम यूएई और पाकिस्तान का करेगी दौरा

ढाका। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने यूएई और पाकिस्तान के आगामी दौरों के लिए लिट्टन दास की अगुवाई में वाली 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। लिटन दास को सभी प्रारूपों में कप्तान के अनुभव को देखते हुए बंगलादेश की टी-20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। साथ ही ऑफ स्पिनर महेदी हसन को उप कप्तान बनाया गया है। दास को अगले साल होने वाले टी-20 विश्वकप के लिए भी टीम नेतृत्व की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के दौरान अस्थाई कप्तान के रूप में बंगलादेश की टीम को विदेशी धरती पर 3-0 से क्लीन स्वीप करने में मदद की। उन्होंने अब तक एक टेस्ट, सात एकदिवसीय और चार टी-20 में बंगलादेश की कप्तानी की है।

बंगलादेश क्रिकेट के अध्यक्ष नजमुल आबेदीन ने कहा कि लिटन दास अगले साल टी-20 विश्वकप तक टीम की कप्तानी करेंगे।

बीपीएसएल पर न्यायालय की आदेश की समीक्षा कर रहे हैं, आगे का रुख जल्द तय करेंगे : नागराजू

एजेंसी

मुंबई। सरकार भूषण पावर एंड स्टील (बीपीएसएल) के मामले में उच्चतम न्यायालय के आदेश की समीक्षा कर रही है और जल्द आगे की रणनीति को अंतिम रूप देगी। उच्चतम न्यायालय ने बीपीएसएल के परिसमापन का आदेश दिया है। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम नागराजू ने सोमवार को एक कार्यक्रम के मौके पर संवाददाताओं से कहा, ''मैंने सभी ऋणदाताओं के साथ पहले ही आदेश की समीक्षा कर ली है। हमने फैसले का अध्ययन किया है, हमने फैसले पर अपने अधिवक्ताओं की राय ली है। अब हम सरकार से इस बारे में राय ले रहे हैं कि हम फैसले को किस तरह से देखें। हम जल्द ही इसे अंतिम रूप देंगे। नागराजू ने यह भी कहा कि मामले में वरिष्ठ सरकारी अधिवक्ताओं की राय मांगी जाएगी। उन्होंने कहा कि आदेश पर 'गंभीरता से विचार' करने की जरूरत है। न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की उच्चतम न्यायालय की पीठ ने शुक्रवार को बीपीएसएल के अधिग्रहण के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील की 19,350 करोड़ रुपये की बोली को खारिज कर दिया था क्योंकि इसने दो साल से अधिक समय तक समाधान योजना का अनुपालन नहीं किया था। पीठ ने कंपनी की परिसंपत्तियों के परिसमापन का आदेश दिया था। उच्चतम न्यायालय के फैसले को ऋणदाताओं के लिए एक झटका माना जा रहा है, जिन्हें अब अपनी प्राप्तियों पर बड़ी कटौती का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि परिसमापन प्रक्रिया में आमतौर पर काफी कम रकम मिलती है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते में कुछ मुद्दे अभी भी अनसुलझे : सूत्र

नयी दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) समेत तीन समझौतों पर बातचीत पूरी होने में कुछ और समय लग सकता है, क्योंकि दोनों पक्षों को अभी कुछ लंबित मुद्दों को सुलझाना है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच जिन तीन समझौतों पर बातचीत चल रही है, उनमें चार या पांच मुद्दे हैं। जिन तीन समझौतों पर बातचीत चल रही है, वे हैं ऽ एफटीए, द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईटी) और सामाजिक सुरक्षा समझौता (आधिकारिक तौर पर डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन एग्रीमेंट)। पिछले सप्ताह लंदन में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य राज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के बीच हुई बैठकों के दौरान वार्ता की प्रगति की समीक्षा की गई। एक सूत्र ने कहा, कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे अभी भी बने हुए हैं। कुछ और बैठकें होंगी।ङ्क जिन मुद्दों पर कुछ और चर्चा की आवश्यकता हो सकती है, उनमें बीआईटी में सनसेट क्लॉज, ब्रिटेन का नया कार्बन कर और डेटा स्थानीयकरण शामिल हैं। दोनों पक्ष 29 अप्रैल को लंदन में इन वार्ताओं के समापन की घोषणा करने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन अंतिम समय में मतभेद उभर आए। गोयल ने 29 अप्रैल को लंदन की अपनी दो दिवसीय यात्रा पूरी की। इसके बाद उन्होंने दो मई को लंदन लौटने से पहले ओस्लो (नॉर्वे) और ब्रसेल्स का दौरा किया।

कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट ने रचा इतिहास

अप्रैल में देश का सबसे तेज़ी से बढ़ता बंदरगाह बना

एजेंसी

कोलकाता। श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट (एसएमपी), कोलकाता ने अप्रैल 2025 में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए देश का सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला प्रमुख बंदरगाह बनने का गौरव हासिल किया है। अप्रैल महीने में एसएमपी ने 45.32 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज करते हुए 5.967 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) कार्गो का संचालन किया, जबकि अप्रैल 2024 में यह आंकड़ा 4.106 एमएमटी था। यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हुई है जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी और समुद्री व्यापार में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस उल्लेखनीय प्रदर्शन के बाद एसएमपी कोलकाता ने देश के अन्य प्रमुख बंदरगाहों को पीछे छोड़ दिया है। एसएमपी के अध्यक्ष रथेंद्र रमन ने इस उपलब्धि के लिए अपनी टीम की प्रतिबद्धता और मेहनत को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, यह सफलता हमारे एसएमपी परिवार की अटूट प्रतिबद्धता और दक्षता का परिणाम है। मैं बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय का आभार व्यक्त करता हूं, जिनके मार्गदर्शन और सहयोग ने इस वृद्धि को संभव बनाया। मैं सभी हितधारकों, पोर्ट यूजर्स और अपनी पूरी टीम का हृदय से धन्यवाद करता हूं। एसएमपी कोलकाता के अंतर्गत दो डॉक सिस्टम हैं हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (एचडीसी) और कोलकाता डॉक सिस्टम (केडीएस)। अप्रैल 2025 में एचडीसी ने 4.363 एमएमटी कार्गो का संचालन किया, जो अप्रैल 2024 में 2.993 एमएमटी था। यह 45.77 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं केडीएस ने अप्रैल 2025 में 1.604 एमएमटी कार्गो संभाला, जबकि अप्रैल 2024 में यह आंकड़ा 1.113 एमएमटी था, जो करीब 44.12 प्रतिशत की वृद्धि है। कार्गो हैंडलिंग में यह उछाल विभिन्न वस्तुओं के तेज़ी से बढ़ते संचालन के कारण हुआ। अप्रैल 2025 में एसएमपी कोलकाता ने कुल 75,716 टीईयू (ट्वेंटी फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स) कंटेनर हैंडल किए, जिनमें से 62,021 टीईयू केडीएस और 13,695 टीईयू एचडीसी में संभाले गए। यह अप्रैल 2024 के 57,717 टीईयू की तुलना में 31.18 प्रतिशत की वृद्धि है। अधिकारियों के अनुसार, केडीएस अब एक प्रमुख कंटेनर हैंडलिंग सुविधा के रूप में उभर रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

ईसाई मिशनरी का हुआ पर्दाफाश धर्मांतरण करने वाले दो पादरी गिरफ्तार

बरामद हुई बाईबल की पुस्तकें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। एक तरफ जहां प्रदेश सरकार धर्मांतरण प्रतिषेध अधिनियम कानून बनाकर धर्मांतरण के खिलाफ शिकंजा कस रही है तो दुसरी तरफ ईसाई मिशनरियां धर्म परिवर्तन सभा का आयोजन कर बड़ी संख्या में लोगों को धर्मांतरण कर इसाई बना रहे हैं जिसका आए दिन किसी न किसी जगह पर्दाफाश हो रहा है।ताजा मामला सुजानगंज थाना क्षेत्र का है । जहां रविवार को स्थानीय लोगों ने सुजानगंज थाने में लिखित तहरीर देते हुए आरोप लगाए की ग्राम सभा कुतुबपुर निवासी खेमचंद पुत्र रामदुलार तथा रामनारायण पुत्र खेमचंद ईसाई मिशनरी द्वारा संचालित धर्मांतरण सभा का आयोजन कर हम लोगों को प्रलोभन देकर हिंदू धर्म के बारे में गंदी-गंदी बातें बताकर तथा ईसाई धर्म को न मानने पर मेरे परिवार वाले तथा मैं बीमार हो जाऊंगा ऐसी बातों को बताकर मुझको जबरन ईसाई धर्म मे धर्मांतरण करने के लिए विवश कर रहे थे। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पहुंच कर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मौके से कुछ ईसाई मिशनरीज की पुस्तके भी बरामद किया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष युजवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि धर्मांतरण सभा की सूचना मिलते ही मौके पर सुजानगंज पुलिस द्वारा पहुंचकर उपस्थित दो पादरियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मौके पर बाइबल की किताब भी बरामद की गई। उपरोक्त प्रार्थी के प्रार्थना पत्र के अनुसार आरोपियों के ऊपर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।वहीं धर्म परिवर्तन की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार मिश्रा तथा प्रखंड अध्यक्ष शीतला प्रसाद मिश्र ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की मांग किया है।इस मामले में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार मछली शहर विवेक सिंह ने बताया कि अरविन्द कुमार गौतम पुत्र रामचन्द्र गौतम निवासी दीपकपुर थाना सुजानगंज द्वारा तहरीर दिया गया कि ग्राम सभा कुत्तुपुर के निवासी खेमचन्द्र पुत्र रामदुलार व रामनारायण पुत्र खेमचन्द्र अपने घर बुला कर एक प्रार्थना सभा आयोजित कर हमें धन तथा नाना प्रकार का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन हेतु विवश कर रहे थे। तहरीर के आधार पर विधि विरुध्द धर्म परिवर्तन अधिनियम 2025 बनाम खेमचन्द्र व रामनारायण पंजीकृत कर दोनों को पुलिस हिरासत में लिया गया है। अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

उप्र के हर जिले में होगी रंग कार्यशाला, झांसी समेत बुन्देलखण्ड में विशेषज्ञ देंगे प्रशिक्षण

झांसी। योगी सरकार संस्कृति संरक्षण को लेकर कई अभिनव पहलों को प्रोत्साहित कर रही है। इसी कड़ी में झांसी सहित उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में रंग कार्यशाला का अनूठा आयोजन किए जायेंगें। अलग-अलग जिलों में ये कार्यशालाएं 10 मई से 30 जून के बीच कराई जाएंगी। कुछ जिलों में ये कार्यशालाएं 7 दिनों की होंगी और कुछ जिलों में 10 दिनों की होंगी। प्रत्येक जिले में कार्यशाला के लिए विशेषज्ञों का नाम भी प्रस्तावित किया गया है। शिक्षा में रंगमंच का महत्व के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन भारतेंदु नाट्य अकादमी लखनऊ द्वारा कराया जा रहा है। झांसी में प्रस्तावित 7 दिवसीय कार्यशाला के विशेषज्ञ डॉ कृपांशु होंगे। हमीरपुर में 7 दिवसीय कार्यशाला के लिए आरिफ शहडोली, चित्रकूट में 10 दिवसीय कार्यशाला के लिए राजा पाण्डेय, जालौन में 10 दिवसीय कार्यशाला के लिए डॉ एस पी बुधौलिया, ललितपुर में 7 दिवसीय कार्यशाला के लिए स्नेहा, महोबा में 10 दिवसीय कार्यशाला के लिए अंकित कश्यप और बांदा में 7 दिवसीय कार्यशाला के लिए आनंद किशोर लाल विशेषज्ञ होंगे। इसी तरह उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में विशेषज्ञ कार्यशालाओं में प्रशिक्षण देंगे। कार्यशालाओं में विषयवस्तु के रूप में मूवमेंट, आहार्य अभिनय, आंगिक अभिनय, वाचिक अभिनय, लोक नाट्य, राम लीला, नौटंकी, भगत, लोक संगीत, नाट्य संगीत, मास्क मेकिंग अथवा प्रॉपर्टी मेकिंग के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी। रंग कार्यशाला के समन्वयक सारांश भट्ट ने बताया कि उत्तर प्रदेश में अपनी तरह का यह अनूठा आयोजन होने जा रहा है। भारतेंदु नाट्य अकादमी लखनऊ की ओर से प्रस्तावित विशेषज्ञ संबंधित जिलों में स्कूल, कॉलेज अथवा संस्थान के साथ मिलकर यह कार्यशाला आयोजित करेंगे।

अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के पदाधिकारियों को दिलायी गयी शपथ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कमल श्रीवास्तव को जिलाध्यक्ष, प्रतिभा श्रीवास्तव को महिला जिलाध्यक्ष व अभिषेक श्रीवास्तव को नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी

रायबरेली। अखिल भारतीय चित्राँश महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव वर्मा ने कहा कि सामाजिक समरसता, शैक्षिक उत्थान व देश की आर्थिक प्रगति में हमेशा से चित्रांश महासभा का योगदान रहा है और भविष्य में रहेगा, बस जरूरत है कि हमारा चित्रांश महासभा परिवार एकजुट रहे। श्री वर्मा स्थानीय कैपिटल उत्सव लान में चित्रांश महासभा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वर्मा ने कहा कि चित्रांश समाज के सभी पदाधिकारियों का दायित्व है कि वे समाज को एक मंच पर लायें और समाज की आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक प्रगति के लिए प्रयास करते रहे। महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला सरिता वर्मा ने महिला पदाधिकारियों को जागरूक किया। राष्ट्रीय महासचिव युवा अमिताभ बिहारी वर्मा ने युवा पदाधिकारियों को तो राष्ट्रीय प्रशासनिक सचिव राजन सक्सेना ने महासभा परिवार को शक्तिशाली बनाने पर बल दिया।

इसके साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव वर्मा ने जिले के कर्मठ व समाजसेवी कमल श्रीवास्तव को जिलाध्यक्ष पद की शपथ दिलायी और कहा कि वे समाज के लोगों को सक्रिय करके सामाजिक एकता बनायें और समाज के लोगो को दु:ख दर्द पर नजर रखें। जिलाध्यक्ष की शपथ ग्रहण करने के साथ ही कमल श्रीवास्तव ने समाज को विश्वास दिलाया कि उन्हें महासभा ने जिस विश्वास के साथ जिम्मेदारी सौंपी है, उस कसौटी पर पूरा उतरने का प्रयास करूँगा।

इसी कड़ी में राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा यशपाल सिंह एडवोकेट, विजय श्रीवास्तव, सुशील श्रीवास्तव, डा0 रमेश श्रीवास्तव सहित 12 संरक्षकों, मुकेश श्रीवास्तव, तनय श्रीवास्तव सहित 6 प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों दिनेश कुमार श्रीवास्तव, अनूप कुमार श्रीवास्तव सहित 12 विधिक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों दुर्गेश रमन श्रीवास्तव जिला महामंत्री, सुबोध श्रीवास्तव महामंत्री समेत 28 जिला कमेटी के पदाधिकारियों, अभिषेक श्रीवास्तव नगर अध्यक्ष, कुशल श्रीवास्तव नगर महामंत्री, सहित 21 नगर के पदाधिकारियों तथा श्रीमती प्रतिभा श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष महिला व सपना श्रीवास्तव जिला महासचिव सहित 13 पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार वाहन को न्यायाधीश ने दिखायी हरी झंडी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। आगामी 10 मई 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु विशेष प्रचार वाहन को सोमवार को जनपद न्यायाधीश अरविंद कुमार मिश्रा द्वितीय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार वाहन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को लोक अदालत की उपयोगिता, त्वरित न्याय एवं सुलह-समझौते के माध्यम से विवाद निपटारे की प्रक्रिया की जानकारी देगा। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश श्रीमिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत जनता को शीघ्र, सस्तर सुलभ न्याय उपलब्ध कराने का एक प्रभावी माध्यम है। इससे समय और संसाधनों की बचत होती है, साथ ही पक्षकारों के बीच आपसी समझ और सौहार्द भी बना रहता है। मैं जनसामान्य से अपील करता हूं कि अधिक से अधिक संख्या में आकर लोक अदालत में अपने वादों का निस्तारण कराएं।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटकता मिला दलित युवक का शव

अमेठी। जिले के जामों थाना क्षेत्र अंतर्गत देवनगर चौराहे के बगल नाले के पास पेड़ के सहारे संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से एक दलित युवक का शव लटकता हुआ मिला । खास बात यह है कि मृतक युवक के गले में चप्पल पहनाया गया है। सूचना मिलते ही दो थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस लाश को फांसी के फंदे से उतार कर कब्जे में लेते हुए जांच पड़ताल तथा आवश्यक विधिक कार्यवाही में जुटी हुई है। प्राप्त सूचना के अनुसार जामो थाना क्षेत्र के जागेश्वरगंज मझगांवा के रहने वाले दलित युवक गया प्रसाद (24) पुत्र मातादीन की लाश गांव से थोड़ी ही दूर पर नाले के बगल पेड़ के सहारे गमछे से लटकती हुई पाई गई। इसमें सबसे बड़ी बात तो यह है कि मृतक युवक के गले में उसी का चप्पल पहनाया गया था। ग्रामीणों ने लाश को देखकर तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। मृतक युवक के घर पर सूचना पहुंचते ही घर में कोहराम मच गया है। घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों का कहना है कि युवक के साथ मारपीट की गई है , उसके बाद उसको फांसी के फंदे से लटकाया गया है। बताया जा रहा है कि ग्रामीण द्वारा पुलिस को सूचित करने के काफी समय बाद घटनास्थल पर पुलिस पहुंची है। मौके पर पहुंचते ही पुलिस ने लाश को फांसी के फंदे से उतार लिया और कब्जे में लेकर पंचायतनामा तथा पोस्टमार्टम की कार्यवाही में जुट गई है। वहीं पर परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने फोरेंसिक टीम को नहीं बुलवाया । उसने सीधे लाश को उतार दिया। फॉरेंसिक टीम को बुलाकर उसे जांच कराई जानी चाहिए थी तब लाश को उतारना चाहिए था। ग्रामीणों के आरोप के बाद पुलिस ने फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन किया।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर

समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस(से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

दिन में की मजदूरी... रात में पढ़ाई, यूपी के रामकेवन ने रचा इतिहास, तोड़ा 77 साल का रिकॉर्ड

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाराबंकी। सुनने में यह भले ही अजीब लगे लेकिन हकीकत है कि बाराबंकी जिले के रामसनेहीघाट स्थित एक गांव में आजादी के बाद 77 साल के इतिहास में पहली बार किसी छात्र ने हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की है। जिला प्रशासन ने इस उपलब्धि के लिए छात्र को सम्मानित किया है। जिला विद्यालय निरीक्षक ओ. पी. त्रिपाठी ने सोमवार को बताया कि रामसनेहीघाट थाना क्षेत्र के बनीकोंडर विकासखंड स्थित निजामपुर गांव में 15 वर्षीय छात्र रामकेवल ने माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की हाईस्कूल की परीक्षा में 55 प्रतिशत अंकों के साथ सफलता हासिल की है। त्रिपाठी ने बताया कि यह कामयाबी इसलिए खास है क्योंकि वर्ष 1947 में आजादी के बाद से इस गांव में कोई भी छात्र हाईस्कूल की परीक्षा पास नहीं कर पाया था। उन्होंने बताया कि रामकेवल ने हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण कर गांव के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहद पिछड़े करीब 300 लोगों की आबादी वाले इस गांव में लगभग सभी लोग दलित वर्ग के हैं। अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने गत तीन मई को रामकेवल और उसके माता-पिता को जिला मुख्यालय पर बुलाकर सम्मानित किया था। रामकेवल ने बातचीत में कहा कि उसे बचपन से ही पढ़ने-लिखने का शौक था लेकिन गरीबी के कारण उसे मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा। उसने कहा कि वह मेहनत मजदूरी करके मिले पैसों से अपनी कॉपी-किताब खरीदता और स्कूल की फीस जमा करता था। उसने बताया कि वह तीन भाइयों में सबसे बड़ा है लिहाजा परिवार के खर्च का बोझ भी उसे उठाना पड़ता है। वह शादियों के समय रात में बारात में लाइट उठाने का काम करता है और जब जब शादियों का सीजन नहीं होता तो वह अपने पिता के साथ जाकर मजदूरी करता है। रामकेवल ने कहा कि दिनभर के काम के बाद रात में वह अपने छप्पर के नीचे सोलर लाइट की रोशनी में पढ़ाई करता है और उसकी ख्वाहिश इंजीनियर बनने की है। छात्र ने बताया कि उसे जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने सम्मानित किया और उसकी आगे की पढ़ाई की फीस माफ करने की घोषणा भी की। रामकेवल के पिता जगदीश मजदूरी करते हैं जबकि मां पुष्पा एक प्राथमिक विद्यालय में खाना बनाने का काम करती हैं। गांव के लोग रामकेवल की इस सफलता से बेहद खुश हैं और उन्हें उम्मीद है कि आने वाले वक्त में गांव के और भी बच्चे उसी के नक्शेकदम पर चलते हुए आगे बढ़ेंगे।

झांसी रेल मंडल में गंदगी फैलाने व धूम्रपान करने वाले यात्रियों से वसूला 10 लाख जुर्माना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। झांसी मण्डल में वित्तीय वर्ष 2024-25 में गाड़ियों एवं स्टेशन परिसर में चलाये गए चेकिंग अभियानों में गंदगी फैलाने एवं धूम्रपान करने वाले यात्रियों पर कार्रवाई करते हुए 10,25,893 रुपये जुर्माना वसूला गया है। इनमें गंदगी फैलाने वाले 3530 यात्रियों से 7,15,863 रुपये जुर्माना एवं धूम्रपान करने वाले यात्रियों से 3,10,030 रुपये जुर्माना वसूल किया गया। मण्डल रेल यात्रियों को सुरक्षित, सुखद, आरामदायक यात्रा के साथ उत्कृष्ट सुविधाएँ प्रदान करने के लिए मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग अमन वर्मा के नेतृत्व में अनवरत अभियान चलाए जा रहे हैं। झांसी मण्डल सभी यात्रियों को अच्छा भोजन, शुद्ध पेय जल, स्वच्छ शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ टिकट रहित और अनियमित यात्रा को रोकने और गाड़ियों एवं स्टेशन परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए निरंतर चेकिंग अभियान चलाता है। पीआरओ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि गाड़ियों एवं स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाना, धूम्रपान करना दंडनीय अपराध है। भारतीय रेलवे के नियम के अनुसार गंदगी फैलाने, धूम्रपान करते हुए पकड़े जाने पर जुर्माना लगाया जाता है या जेल हो सकती है या फिर दोनों हो सकते हैं। झांसी मण्डल, उत्तर मध्य रेलवे अपने सभी सम्मानित रेल यात्रियों से अपील करता है कि असुविधा से बचने और सम्मान के साथ यात्रा करने के लिए गाड़ियों एवं स्टेशन परिसर में गंदगी न फलाएं और न ही धूम्रपान करें।

जली फाइलों की जांच हुई शुरू, सचिव ने दिया आदेश, कहा- 15 दिन में फाइलों की हो लिस्टिंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा निदेशालय प्रयागराज के चार अनुभागों में 26 अप्रैल को लगी भीषण आग में पांच हजार से ज्यादा फाइलें जलने के मामले की जांच नौ दिनों बाद आज शुरू हो गई है। जांच टीम के अध्यक्ष शासन में माध्यमिक शिक्षा के सचिव एस बी सिंह के नेतृत्व में पांच सदस्यीय टीम आज शिक्षा निदेशालय पहुंच कर मामले की जांच की। इस दौरान सचिव एसबी सिंह ने निर्देश दिया है कि सभी फाइलों की लिस्टिंग करने जिसमें बची हुई फाइलें, अर्द्ध जली हुई और जली हुई फाइलों की लिस्टिंग की जाये। अर्द्ध जली और जली हुई फाइलों को रिकवर किया जाए जिससे कि कार्य प्रभावित ना होने पाए । सचिव एसबी सिंह ने कहा कि सीसीटीवी की डीबीआर पुलिस जांच टीम को दें दी जाए जिससे कि आग लगने के कारणों का मामला सामने आ सके। जांच टीम ने इस दौरान आग से जले हुए अनुभाग का निरीक्षण कर मातहतों को जरूरी निर्देश दिया। इस दौरान एडी माध्यमिक सुरेन्द्र कुमार तिवारी, एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा, वरिष्ठ शिक्षाधिकारी सीएल चौरसिया, राजेंद्र प्रताप, डीआईओएस पीएन सिंह, सहायक निदेशक अनुराग श्रीवास्तव, पुलिस विभाग के अधिकारी सहित अन्य लोग थे। उप्र शिक्षा निदेशालय प्रयागराज में 26 अप्रैल 2025 रविवार को सुबह सात बजे भीषण आग लग गई थी जिसमें चार अनुभागों की पांच हजार से ज्यादा जलकर राख हो गयी थी। बाद में जले हुए अनुभाग को सील कर दिया गया था।

''आपदा से लड़ने के लिए हमें हमेशा तैयार रहना होगा, आपदा मित्र तत्पर रहें''

24 घंटे के भीतर पीड़ितों को मदद देने पर जोर, दैवीय आपदा प्रबन्धन जॉच समिति की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की दैवीय आपदा प्रबंधन जांच समिति की समीक्षा बैठक रविवार को सर्किट हाउस सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति अवनीश कुमार सिंह ने की। बैठक में आपदा के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधारों और तैयारियों को प्राथमिकता दी गई। अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि ह्लहमारा पहला प्रयास यह होना चाहिए कि आपदा की स्थिति में कम से कम जनहानि हो। इसके लिए पूर्व तैयारियों और जन-जागरूकता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।ङ्क उन्होंने सभी विभागों से मानसून पूर्व कार्यशालाओं के आयोजन और जागरूकता पुस्तिकाओं के वितरण पर जोर दिया। समिति के अन्य सदस्यों, अंगद कुमार सिंह, पद्म सेन चौधरी, और अरुण पाठक ने आपदा पीड़ितों को 24 घंटे के भीतर सहायता पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में एनडीआरएफ कर्मियों, राहत मित्रों, पार्षदों और ग्राम प्रधानों के साथ एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया, जिसमें आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। इसमें जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने वज्रपात से बचाव के उपाय साझा करते हुए बताया कि खेतों में दुर्घटना की संभावना अधिक होती है। उन्होंने सलाह दिया कि वज्रपात के समय पेड़ के नीचे शरण न लें।मोबाइल फोन का उपयोग बंद करें। बिजली के खंभों से दूर रहें। खुले मैदान में न बैठें और जमीन पर न लेटें। कार के अंदर रहें तो खिड़कियां बंद रखें और धातु को न छुएं। घरों में बिजली उपकरणों से दूरी बनाकर दरवाजे-खिड़कियां बंद रखें। उन्होंने यह भी बताया कि जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकियों और पंचायत भवनों पर इलेक्ट्रिक अरेस्टर लगाए जा रहे हैं। एडीएम एफआर वंदिता श्रीवास्तव ने राजस्व विभाग द्वारा तैयार आपदा प्रबंधन चक्र की प्रस्तुति दी, जबकि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप चौधरी ने सर्पदंश से बचाव के उपाय बताए। एनडीआरएफ कमांडेंट ने राहत-बचाव कार्यों की प्रक्रिया साझा करते हुए 'दामिनी' और 'सचेत' मोबाइल ऐप के उपयोग पर प्रकाश डाला, जो 40 किलोमीटर के दायरे में संभावित आपदा की जानकारी देते हैं। टीम द्वारा CPR तकनीक का भी प्रदर्शन किया गया। समिति ने अधिकारियों से तहसीलवार वज्रपात और डूबने की घटनाओं का विवरण, जलभराव, रैन बसेरों और शीत ऋतु में अलाव व्यवस्था की रिपोर्ट मांगी। साथ ही, वन विभाग से संरक्षित व रोपित पौधों की स्थिति की जानकारी ली गई। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त डॉ. एस. चिनप्पा, डीएफओ स्वाति सिंह, एडीएम प्रशासन विपिन कुमार, अपर नगर आयुक्त सविता यादव, और विकास प्राधिकरण के सचिव समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।